शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

àß-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 233 | गुवाहाटी | रविवार, 29 मार्च, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

ईरान-अमेरिका जंग के बीच रूस ने यूक्रेन के ब्रुसिवका पर किया कब्जा पेज 2
केरल में विरोधी, असम में सहयोगी : कांग्रेस सीपीएम गठबंधन पर भाजपा का हमला पेज 3
विपक्ष आपदा में राजनीति की बजाए सहयोग करें : सीएम नायब सिंह सैनी पेज 5
खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 : पुरुष भारोत्तोलन 88 किग्रा वर्ग में अरुणाचल... पेज 7

असम में भाजपा का रोड शो, अमित शाह ने भरी हुंकार, कहा–

90 से ज्यादा सीटें जीतकर बनाएंगे सरकार

गुवाहाटी (एजे / हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया है कि असम में लगातार तीसरी बार भारी बहुमत के साथ भारतीय जनता पार्टी सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने कहा कि जनता एक बार फिर एनडीए सरकार बनाने के लिए तैयार है। अमित शाह ने दावा किया कि उनकी पार्टी विधानसभा की 126 में से 90 से ज्यादा सीटों पर जीत हासिल करेगी। अमित शाह असम के दो दिवसीय दौरे पर हैं। उन्होंने अपने दौरे की शुरुआत रोड शो से की है। राज्य में 9 अप्रैल को होनेवाले विधानसभा चुनावों के लिए एनडीए उम्मदीवारों के समर्थन में उन्होंने यह रोड शो किया। अमित शाह ने जलुकबाड़ी सीट से चुनाव लड़ रहे भाजपा उम्मीदवार मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, विजय कुमार गुप्ता (गुवाहाटी सेंट्रल), दिप्लू रंजन शर्मा (न्यू गुवाहाटी), प्रद्युत बरदलै (दिसपुर) और असम गण परिषद (अगप) उम्मीदवार तपन दास (डिमोरिया) के समर्थन में रोड शो किया। यह रोड शो आर्य विद्यापीठ कॉलेज के मैदान से शुरू होकर गुवाहाटी के मध्य विधानसभा क्षेत्र के नेपाली मंदिर प्वॉइंट पर समाप्त हुआ। ए के आजाद रोड पर रोड शो के दौरान करीब दो किलोमीटर की दूरी तय की गई। भाजपा के पोस्टरों से सजी खुली एसयूवी पर खड़े शाह का रास्ते भर मौजूद उत्साही भीड़ और पार्टी समर्थकों ने जोरदार स्वागत किया। इस रोड शो को क्षेत्र में भाजपा की ताकत का बड़ा प्रदर्शन माना जा रहा है। इस दौरान पार्टी समर्थक के साथ ही जनसैलाब उमड़ पड़ा। पूरे मार्ग में लोगों ने हाथ हिलाकर और नारे लगाकर केंद्रीय गृहमंत्री का अभिनंदन किया। अमित शाह का यह दौरा असम में भाजपा के चुनाव अभियान को और गति देने के उद्देश्य से किया जा रहा है, जिसके तहत वे विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार अभियान को तेज कर रहे हैं। अपने दो-दिवसीय दौरे के दौरान, वह कई चुनावी रैलियों को संबोधित करने के साथ-साथ भाजपा के शीर्ष पदाधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे। मालूम हो कि असम चुनाव में भाजपा ने कई बड़े चेहरों के साथ पूरी ताकत झोंक दी है। अमित शाह के साथ भाजपा के प्रचार वाहन पर पार्टी के नेता प्रद्युत बरदलै भी साथ दिखे। गौरतलब है कि असम विधानसभा चुनाव 2026 से पहले ही प्रद्युत बरदलै ने कांग्रेस का हाथ छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया था। असम चुनाव से पहले दोनों ही दलों में बागियों का बोलबाला रहा है। रोड शो के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम तीसरी बार भारी बहुमत से असम में सरकार बनाने जा रहे हैं। असम की जनता भारतीय जनता पार्टी और एनडीए की सरकार बनाने के लिए उत्सुक है। हम 90 से अधिक सीटों के साथ सरकार बनाएंगे। रोड शो से पहले असम से दो बार के सांसद प्रद्युत बरदलै ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने अपनी पुरानी पार्टी पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि पार्टी के भीतर उन्हें लगातार अपमानित किया जा रहा था और उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाई जा रही थी। बता दें कि पांच दशकों तक कांग्रेस से जुड़े रहे बरदलै अब भाजपा के टिकट पर दिसपुर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। इससे पहले लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया तथा अन्य नेताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरे के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री राज्य में पार्टी के चुनावी अभियान को मजबूती देने के उद्देश्य से जनसभाओं, रोड शो और संगठनात्मक बैठकों में भाग लेने का कार्यक्रम निर्धारित है। प्रदेश -शेष पृष्ठ दो पर

आज असम दौरे पर आएंगे खड़गे

गुवाहाटी। एआईसीसी महासचिव जितेंद्र सिंह ने शनिवार को बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे रविवार को 9 अप्रैल को होने वाले असम विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का घोषणापत्र जारी करेंगे। असम के अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के प्रभारी सिंह ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि घोषणापत्र कई महीनों के काम पर आधारित है, जिसके दौरान हमारे नेताओं और सदस्यों ने पूरे राज्य में लोगों से संपर्क किया। उन्होंने आगे कहा कि घोषणापत्र को लखीमपुर में खड़गे जी द्वारा जारी किया जाएगा। कांग्रेस अध्यक्ष रविवार को लखीमपुर जिले का दौरा करेंगे और एक चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। सिंह ने भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर भी निशाना साधते हुए -शेष पृष्ठ दो पर

Door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

विचार न करके कार्य करने वाले व्यक्ति को लक्ष्मी त्याग देती है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

जोरहाट में विस्फोट एक बच्चा समेत दो की मौत

जोरहाट (हि.स.)। जोरहाट जिला शहर मुख्यालय के निकट आज संदिग्ध विस्फोट होने की वजह से एक बच्चे समेत दो लोगों की मौत हो गई। जबकि एक सात साल की लड़की गंभीर रूप से घायल हो गई। विधानसभा चुनावों के बीच हुए विस्फोट के चलते सनसनी फैल गई है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जोरहाट जिला शहर के राजा -शेष पृष्ठ दो पर

प्रधानमंत्री ने क्राउन प्रिंस से पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा की

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान से बातचीत कर पश्चिम एशिया में जारी तनावपूर्ण स्थिति पर चर्चा की। प्रधानमंत्री के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के मुताबिक बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय ऊर्जा अवसंरचना पर हो रहे हमलों को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने ऐसे हमलों की भारत की -शेष पृष्ठ दो पर

99 प्रतिशत हिंदू छोड़ना चाहते हैं कांग्रेस : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सिर्फ एक समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाली पार्टी बन गई है। उन्होंने दावा किया कि लगभग 99 प्रतिशत हिंदू कांग्रेस छोड़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि असम में पार्टी का पतन पहले ही शुरू हो चुका है। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव नतीजों के बाद कांग्रेस सिर्फ एक समुदाय की पार्टी बनकर रह जाएगी। बता दें कि असम में 9 अप्रैल को एक ही चरण में वोट डाले जाएंगे। शर्मा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार जीत की हैट्रिक लगाने की कोशिश में है, जबकि कांग्रेस सत्ता में वापसी की कोशिश कर रही है। चुनाव से पहले कांग्रेस के कई नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया है। इनमें कांग्रेस सांसद प्रद्युत बरदलै और कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा शामिल है। अन्य नेताओं में विधायक कमलाख्या डे पुरकायस्थ, शशि कांत दास, बसंत दास, सुशांत बरगोहाईं और -शेष पृष्ठ दो पर

असम चुनाव से पहले पीएम मोदी का बड़ा दावा

एनडीए की डबल इंजन सरकार के लिए फिर तैयार राज्य

नई दिल्ली / गुवाहाटी। असम विधानसभा चुनाव से पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राज्य की पिछले एक दशक की प्रगति की सराहना की और भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की निरंतर सफलता पर विश्वास व्यक्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि असम दो इंजन वाली एनडीए सरकार के पांच और वर्षों के लिए तैयार है। *मेरा बूथ, सबसे मजबूत संवाद – असम* पहल के तहत, प्रधानमंत्री 30 मार्च को दोपहर 1 बजे नमो ऐप पर एक वर्चुअल रैली के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ताओं और असम की जनता से जुड़ेंगे। एक्स पर एक पोस्ट में, प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि पिछले एक दशक में असम की प्रगति सबके सामने है। राज्य सभी क्षेत्रों में विकास के लिए जाना जाता है। इसलिए, असम का रुख स्पष्ट है – एनडीए सरकार ही सत्ता में है। लोग दो इंजन वाली एनडीए सरकार के पांच और वर्षों के लिए पूरी तरह तैयार हैं। पोस्ट में लिखा था कि मैं 30 तारीख की दोपहर को मेरा बूथ, सबसे मजबूत संवाद – असम में भाग लूंगा। राज्य भाजपा ने सभी पार्टी कार्यकर्ताओं और नागरिकों से इस अनोखी और संवादात्मक पहल में भाग लेने के लिए ऐप डाउनलोड करने और पंजीकरण करने का आग्रह किया है। आधिकारिक -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल चुनाव 2026 : अमित शाह ने कहा –

सहानुभूति की राजनीति कर रही हैं ममता 15 साल के शासन पर पेश किया आरोप पत्र

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में पिछले 15 वर्षों से भय, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की राजनीति चल रही है और आने वाला चुनाव यह तय करेगा कि बंगाल की जनता भय को चुनेगी या भरोसे को। इसके साथ ही अमित शाह ने तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ एक विस्तृत आरोप पत्र भी जारी किया। उन्होंने कहा कि, यह किसी एक दल का दस्तावेज नहीं बल्कि बंगाल की जनता की आवाज है, जिसे उनकी पार्टी सामने ला रही है। उन्होंने कहा कि यह आरोप पत्र राज्य सरकार के 15 वर्षों के काले -शेष पृष्ठ दो पर

असम में भाजपा का ऑपरेशन क्लीन

चुनाव से ठीक पहले नौ बागी नेताओं को पार्टी से किया गया बाहर

गुवाहाटी। असम विधानसभा चुनाव से पहले एक कड़े अनुशासनात्मक कदम के तहत, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आधिकारिक रूप से मनोनीत पार्टी उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़ने के आरोप में नौ नेताओं को छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है। निष्कासित नेताओं में उद्धव दास (बरपेटा एलएसी), जयंत कुमार दास (दिसपुर एलएसी), जितेंद्र सिंह गौर (कलियाबोर एलएसी), अमलेंदु दास (बरखोला एलएसी), धनजीत -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस को एक राजा और राजकुमार चला रहे : शिवराज

गुवाहाटी। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि असम में पिछले कुछ वर्षों में स्पष्ट परिवर्तन आया है, जिसमें सुरक्षा, बुनियादी ढांचे और उभरती औद्योगिक क्षमता में सुधार शामिल हैं, साथ ही सेमीकंडक्टर हब के रूप में इसकी संभावनाएं भी। राज्य के अपने दौरे के दौरान बोलते हुए, चौहान ने याद दिलाया कि पिछली संसदीय समिति के दौरे के दौरान, असम के कई क्षेत्रों में सुरक्षा चिंताओं के कारण पहुंचना मुश्किल था। उन्होंने कहा कि डर का माहौल जिसने कभी आवागमन को प्रतिबंधित किया था, अब काफी हद तक कम हो गया है, जो राज्य की समग्र स्थिति में व्यापक बदलाव को दर्शाता है। भाजपा प्रत्याशी भाबेश कलिता के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए शिवराज ने कहा कि *अरुणोदय योजना* और *लाड़ली बहना योजना* वोट के लिए नहीं है, बल्कि आधी -शेष पृष्ठ दो पर

ईरान ने होर्मुज से गुजर रहा पाकिस्तान का तेल टैंकर उड़ाया

तेहरान। ईरान ने दावा किया है कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे एक बड़े तेल टैंकर को नष्ट कर दिया। यह टैंकर कथित रूप से पाकिस्तान के झंडे के तहत चल रहा था और बिना *अनुमति* के इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से गुजरने की कोशिश कर रहा था। ईरानी अधिकारियों के अनुसार, टैंकर को पहले कई बार चेतावनी दी गई थी। जब कोई जवाब नहीं मिला, तो उस पर *टारगेटेड स्ट्राइक* की गई, जिसके बाद जहाज पूरी तरह नष्ट हो गया। ईरान ने कहा कि उसकी किसी भी चेतावनी को हल्के में न लिया जाए। उसकी बात न मानने वालों का यही अंजाम होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य पहले से ही अत्यधिक संवेदनशील -शेष पृष्ठ दो पर

संकट के समय देश को नुकसान पहुंचाने वाली बातें करने से बचें

विपक्षी पार्टियों से बोले पीएम मोदी

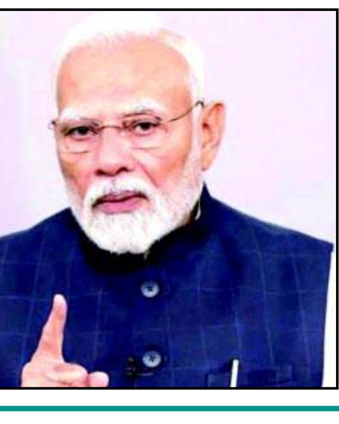

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले फेज का उद्घाटन किया। साथ ही एयरपोर्ट के कार्गो टर्मिनल का भी लोकार्पण किया है। इसके बाद उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत भारत माता की जय के नारों के साथ की। उन्होंने लोगों से कहा, अपना मोबाइल निकालकर उसकी फ्लैश लाइट जलाकर और आप इसका उद्घाटन करिए। पीएम मोदी ने कहा कि ये आपकी अमानत और आपका भविष्य है। अपने संबोधन के दौरान पीएम मोदी विपक्षी पार्टियों पर हमलावर दिखे। उन्होंने कांग्रेस और सपा दोनों पर जमकर हमला बोला। पीएम मोदी ने कहा कि आज पूरा विश्व चिंतित हैं, पश्चिम एशिया में एक महीने से युद्ध जारी है। युद्ध की वजह से कई सारे देशों में खाने-पीने के सामान, डीजल, खाद का संकट सामने आया है। ऐसे संकट के समय देश को नुकसान पहुंचाने वाली बातें करने से बचना चाहिए। समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि पहले सीएम नोएडा आने से डरते थे। कुर्सी जाने के डर से पहले के सत्ताधारी यहां आने से डरते थे। नोएडा को अपने हाल पर छोड़ दिया था। मुझे भी नोएडा के लिए डराया गया था। लेकिन आज भाजपा सरकार में वही नोएडा यूपी के विकास का सशक्त इंजन -शेष पृष्ठ दो पर

तेलंगाना में मृत बेटे की 23 साल से शादी रचा रहे माता-पिता

नई दिल्ली। तेलंगाना के महबूबाबाद जिले में, लालू और सुक्कम्मा हर साल अपने मृत बेटे, राम कोटी के लिए शादी की रस्म निभाते हैं। वैसे तो यह परंपरा बेटे की याद में शुरू की गई थी, लेकिन उसके जाने की कहानी ज्यादा भावुक है। राम कोटी की मौत साल 2003 में हो गई थी। जानकारी के अनुसार उसने आत्महत्या कर ली थी, जब लड़की के परिवार ने प्रेम-विवाह का विरोध किया था। उसकी मौत के कुछ ही दिनों बाद, जिस युवती से वह प्रेम करता था उसने भी अपनी जान दे दी। इस घटना ने दोनों परिवारों को पूरी तरह से तोड़कर रख दिया। वहीं अपने बेटे की यादों को धुंधला होने देने के बजाय, उनकी मां सुक्कम्मा ने उन्हें हर साल याद करने का अनोखा तरीका चुना। राम कोटी -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

ईरान-अमेरिका जंग के बीच रूस ने यूक्रेन के ब्रुसिवका पर किया कब्जा

मॉस्को। अमेरिका-ईरान और इजरायल के बीच चल रही जंग में 29 दिन में प्रवेश कर चुकी है। इजरायल ने एक बार फिर ईरान के अंदर कई अहम ठिकानों पर हमले किए, जबकि ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए इजरायल के साथ-साथ संयुक्त अरब अमीरात को भी निशाना बनाया। यूएई में इंटरसेप्ट किए गए एक मिसाइल के मलबे गिरने से कम से कम दो लोगों की मौत हो गई। इधर अमेरिका ईरान संग जंग में फंसा है। उधर रूस ने यूक्रेन में नए प्लान को अंजाम दे दिया है। रूसी सेना ने पूर्वी यूक्रेन में ब्रुसिवका पर कब्जा करने का दावा किया है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को एक नया बयान जारी कर दावा किया कि उसकी सेनाओं ने यूक्रेन के पूर्वी डोनेट्स्क क्षेत्र में स्थित ब्रुसिवका गांव पर नियंत्रण कर लिया है। बयान के कुछ अंश हाल ही में रूसी सरकारी समाचार एजेंसी आरआईए द्वारा प्रकाशित किए गए थे। यह अधिग्रहण रूस-यूक्रेन युद्ध में नवीनतम घटनाक्रम है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के उस दावे को खारिज किया, जिसमें कहा गया था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन किसी युद्धविराम योजना के तहत अमेरिकी सुरक्षा गारंटी के बदले यूक्रेन से उसके पूर्वी डोनबास क्षेत्र को रूस को सौंपने की मांग कर रहा है। फ्रांस में जी-7 की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में रुबियो ने जेलेंस्की की हालिया टिप्पणी का खंडन करते हुए कहा कि अमेरिका ने यूक्रेन के साथ बातचीत में ऐसी कोई शर्त नहीं रखी है। रुबियो ने कहा कि यह झूठ है। वह (जेलेंस्की) अच्छी तरह जानते हैं कि यह सत्य नहीं है और उनसे ऐसा कुछ नहीं कहा गया। इस सप्ताह प्रकाशित एक साक्षात्कार में जेलेंस्की ने कहा था कि अमेरिका, यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी देने के प्रस्ताव को डोनबास क्षेत्र छोड़ने की शर्त से जोड़ रहा है। डोनबास यूक्रेन का औद्योगिक केंद्र है, जिस पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन लंबे समय से नजर रखे हुए हैं। रूस की सेना इस क्षेत्र के अधिकांश हिस्से पर कब्जा कर चुकी है, हालांकि वह अब तक अग्रिम मोर्चे के सबसे मजबूत किलेबंद हिस्सों में से एक भूभाग पर पूरी तरह कब्जा नहीं कर पाई है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि खाड़ी संघर्ष के दोषियों सहित कोई भी व्यक्ति दुनिया पर पड़ने वाले इसके गंभीर परिणामों का अनुमान नहीं लगा सकता है और इसकी तुलना केवल कोविड महामारी से ही की जा सकती है। शक्तिशाली उद्योगपतियों और उद्यमियों के संघ (आरएसपीपी) के सम्मेलन में उपस्थित प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए रूसी नेता ने कहा कि ईरान पर अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमले से भड़के संघर्ष के बढ़ने से उद्योगों की एक विस्तृत श्रृंखला खतरे में पड़ गई है और यह कहना मुश्किल है कि आगे इसके क्या परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष मौजूदा स्थिति को तेजी से प्रभावित कर रहा है और अंतर्राष्ट्रीय रसद, विनिर्माण और आपूर्ति श्रृंखलाओं में महत्वपूर्ण व्यवधान पैदा कर रहा है। अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ संयुक्त हमले शुरू किए, जिसके बाद ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की और युद्ध पूरे खाड़ी क्षेत्र में फैल गया। होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व की ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मार्ग है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन का कहना है कि खाड़ी संघर्ष के परिणाम दुनिया के लिए अप्रत्याशित हैं।

अरुणाचल हाईवे मुआवजा घोटाला

ईडी ने 2.37 करोड़ की संपत्ति की कुर्क

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ट्रांस-अरुणाचल राजमार्ग (टीएएच) भूमि अधिग्रहण मुआवजे घोटाले में कार्रवाई करते हुए 2.37 करोड़ रुपए की संपत्ति अस्थायी रूप से जब्त कर ली है। जब्त की गई संपत्तियों में 47,350 वर्ग मीटर जमीन भी शामिल है। इनमें से एक संपत्ति अरुणाचल प्रदेश के डोलो गांव, कुरुंग कुमे जिले में स्थित है। यह संपत्ति, तादार बाबिन के नाम पर है। दूसरी संपत्ति में एक पारंपरिक घर है, जो केयी पान्योर जिले के याचुली के जठ गांव में स्थित है। ये संपत्ति *लिखा माज* के नाम पर है। ये दोनों संपत्तियां, सरकारी मुआवजे की धनराशि के धोखाधड़ीपूर्ण दुरुपयोग से प्राप्त अपराध की आय से खरीदी गई हैं। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत की गई है। यह जांच ट्रांस-अरुणाचल राजमार्ग (टीएएच) परियोजना (पोटिन-बोपी खंड) के तहत भूमि अधिग्रहण मुआवजे के आकलन और वितरण में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं से संबंधित है। तथ्य-जांच समिति (एफएफसी) के निष्कर्षों से पता चला है कि स्वीकार्य मुआवजे के मुकाबले लगभग 44.98 करोड़ रुपए का अतिरिक्त भुगतान किया गया है। इसके चलते सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ है। जांच में कई लोक सेवकों और निजी व्यक्तियों की सुनियोजित साजिश में संलिप्तता का खुलासा हुआ है। इनमें *जीरो* के तत्कालीन उपायुक्त केमो लोलेन भी शामिल हैं। उन्होंने मुआवजा खाते के संयुक्त हस्ताक्षरकर्ता के रूप में धोखाधड़ीपूर्ण भुगतानों को अधिकृत करने और सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जीरो के तत्कालीन जिला भूमि राजस्व एवं निपटान अधिकारी (डीएलआरएसओ) भरत लिंगु ने हेराफेरी से तैयार किए गए मुआवजे के दावों को संसाधित और अनुमोदित किया था। उसके बाद संरचनात्मक आकलन दल के सदस्य और कनिष्ठ अभियंता टोको ताजे, ने उन दावों को बढ़ा-चढ़ाकर और मनगढ़ंत संरचनात्मक आकलन तैयार करने में सहायता की। टोको ताथ, ने लाभार्थियों को धोखाधड़ी से शामिल करने में सहायता की। कनिष्ठ अभियंता कबाक भट्ट, जिसने मध्यस्थ संस्थाओं के माध्यम से धन के हेरफेर और कालानुक्रम में हेरफेर करने में मदद की। इसके अलावा, लिखा माज और तादर बाबिन, जिन्हें लाभार्थी के रूप में दिखाया गया है, ने बिना किसी वैध अधिकार के मुआवजे की बड़ी रकम प्राप्त की। उन्होंने जानबूझकर ऐसे धन के हेरफेर, निकासी और उपयोग में भाग लिया, जिससे अपराध की आय को छिपाकर उसे बेदाग संपत्ति के रूप में प्रदर्शित करने में सहायता मिली। इससे पहले, ईडी ने 06.02.2026 को अरुणाचल प्रदेश और असम में कई परिसरों पर तलाशी अभियान चलाया था, जिसके परिणामस्वरूप लिखा माज से 2.40 करोड़ रुपए और तादर बाबिन से 22 लाख रुपए नकद जब्त किए गए।

मैं और मेरा की भावना ही युद्धों का मूल कारण : भागवत

बेलगावी (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि दुनिया में होने वाले अधिकांश युद्धों की जड़ *मैं और मेरा* की भावना है। उन्होंने यह बात कर्नाटक के बेलगावी जिले के चिक्कोडी तालुका के यडूर गांव में आयोजित एक युवा सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान मोहन भागवत ने वैश्विक हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि ईरान-इजराइल संघर्ष लंबे समय तक चल सकता है। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष रूस-यूक्रेन युद्ध जितना पुराना नहीं है, लेकिन इसके दीर्घकालिक होने के संकेत दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्व की समस्याओं का समाधान *मानव धर्म* और हिंदू धर्म के मूल्यों में निहित है। भारत सभी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रहा है और वैश्विक शांति का संदेश दे रहा है। हिंदू समाज की विविधता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि पूजा-पद्धति, खान-पान और परंपराओं में भिन्नता होने के बावजूद समाज प्राचीन काल से एकजुट रहा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हिंदू समाज में किसी को जबरन धर्म परिवर्तन कराने की कोई परंपरा नहीं रही है। कार्यक्रम का आयोजन यडूर स्थित श्री काडदेवर मठ में किया गया, जहां श्रीशैल जगद्गुरु चन्नरामसिद्ध श्री के नेतृत्व में गौ-तुलाभार संपन्न हुआ। इस अवसर पर मोहन भागवत ने गौ-पूजा कर गायों को चारा भी खिलाया। युवा सम्मेलन में बड़ी संख्या में युवा और स्थानीय श्रद्धालु उपस्थित रहे।

ईरान का दुबई में यूएस ठिकानों पर हमला, 500 अमेरिकी सैनिकों को बनाया निशाना

वाशिंगटन। ईरान ने दावा किया है कि उसने दुबई में मौजूद अमेरिकी सेना के दो *छिपे ठिकानों* पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। यह दावा ईरान की अर्ध-सरकारी एजेंसी की रिपोर्ट में किया गया है। ईरानी सैन्य मुख्यालय के प्रवक्ता के अनुसार, इन ठिकानों पर करीब 500 अमेरिकी सैनिक मौजूद थे, जिनमें से 400 एक स्थान पर और 100 दूसरे स्थान पर थे। उनका दावा है कि आईआरजीसी ने इन ठिकानों की पहचान कर *सटीक हमले* किए और भारी नुकसान पहुंचाया। रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान ने यह भी कहा कि अमेरिकी सैनिक क्षेत्र में पहले किए गए हमलों के बाद इन स्थानों पर शिफ्ट हुए थे। बयान में अमेरिका और डोनाल्ड ट्रम्प को चेतावनी देते हुए कहा गया कि यह क्षेत्र अमेरिकी सैनिकों के लिए कब्रगाह बन सकता है। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष अब खाड़ी देशों तक फैलता दिख रहा है। हाल के हफ्तों में यूएई और सऊदी अरब में मिसाइल और ड्रोन हमलों की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि दुबई में हमले की पुष्टि होती है, तो यह युद्ध के और व्यापक होने का संकेत होगा और खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति और गंभीर हो सकती है। इसी बीच, रिपोर्ट्स के अनुसार अमेरिका मिडिल ईस्ट में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। ईरान के महत्वपूर्ण तेल केंद्र खर्ग आईलैंड को लेकर भी संभावित सैन्य ऑपरेशन की चर्चा है। खुफिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान ने इस इलाके में माइंस और अतिरिक्त सैन्य तैनाती शुरू कर दी है।

भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए चुनाव आयोग कर रहा है अधिकारियों का तबादला : ममता

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और निर्वाचन आयोग पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के तबादले चुनाव को प्रभावित करने की साजिश का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि यह कदम भाजपा को विधानसभा चुनाव में फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से उठाया गया है। पश्चिम बर्धमान जिले के रानीगंज में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा अब सभी सीमाएं पार कर चुकी है और राजनीति में एक मर्यादा रेखा होनी चाहिए, जिसे पार नहीं किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में अधिकारियों का तबादला कर उन्हें दूसरे राज्यों में भेज दिया गया, जबकि जो अधिकारी स्थानीय परिस्थितियों को अच्छी तरह समझते थे, उन्हें हटाकर प्रशासन को कमजोर किया गया। उन्होंने कहा कि यह सब राज्य में बाहरी प्रभाव बढ़ाने और चुनाव के दौरान हालात को प्रभावित करने के लिए किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची से नाम हटाने के नाम पर भी गड़बड़ी की जा रही है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश हो रही है। ममता बनर्जी ने मुर्शिदाबाद जिले के रघुनाथगंज में राम नवमी शोभायात्रा के दौरान हुई हिंसा का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस समय प्रशासन उनके नियंत्रण में नहीं है क्योंकि चुनाव प्रक्रिया के दौरान प्रशासनिक व्यवस्था चुनाव कराने वाली संस्था के अधीन रहती है। उन्होंने कहा कि रघुनाथगंज में दुकानों में लूटपाट और संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं हुईं, लेकिन इसके लिए उन्हें दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए क्योंकि वर्तमान में प्रशासनिक नियंत्रण उनके पास नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि हिंसा भड़काने वालों को समय आने पर बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि अगर भाजपा सत्ता में आती है तो बुलडोजर की राजनीति शुरू हो जाएगी और लोगों को उनके घरों से बेदखल किया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि बेहाला क्षेत्र में भी इसी तरह की कार्रवाई हुई है। ममता बनर्जी ने प्रभावित लोगों से माफी मांगते हुए कहा कि राज्य सरकार उनकी दुकानों और संपत्तियों का पुनर्निर्माण कराएगी। मुख्यमंत्री ने भाजपा पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि जो दल तृणमूल कांग्रेस पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाता है, वही अवैध कोयला कारोबार से धन जुटाता है। उन्होंने भाजपा पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। ममता बनर्जी ने अपने संबोधन में कहा कि पश्चिम बंगाल की पहचान सामाजिक सौहार्द और सांप्रदायिक एकता की रही है।

पीएम बनते ही एक्शन मोड में आए बालेन

पूर्व प्रधानमंत्री केपी ओली और गृह मंत्री गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल में प्रधानमंत्री बनने के बाद बालेन शाह एक्शन मोड में आ गए हैं। जेन जी के विरोध प्रदर्शन के दौरान लापरवाही बरतने वाले लोगों पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इस मामले में पुलिस ने पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को गुंडू से गिरफ्तार किया गया है। साथ ही पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक को भी गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि इन लोगों पर उच्च पदों पर रहते हुए भी जेन जी के विरोध प्रदर्शन के दौरान लापरवाही बरतने का आरोप है। इस पूरे मामले को लेकर पीएम बालेन शाह की अध्यक्षता में सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में शुक्रवार को इस मामले को संज्ञान में लिया गया। इसके बाद सरकार के आदेश पर ये कार्रवाई अमल में लाई गई। बैठक के दौरान पिछले साल सितंबर में हुए जेनरेशन जेड आंदोलन की उच्च स्तरीय जांच आयोग की रिपोर्ट को तुरंत लागू करने का फैसला लिया गया। इस दौरान बालेन शाह सरकार ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री सस्मित पोखरेल को अपना प्रवक्ता नियुक्त करने का भी निर्णय लिया गया है। नेपाल की मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार के मंत्री और प्रवक्ता पोखरेल ने इस पूरे मामले को लेकर पक्ष रखा है। उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने पिछले साल के जेनरेशन जेड आंदोलन से संबंधित जांच आयोग की रिपोर्ट को तुरंत लागू करने का फैसला किया है। जांच आयोग ने तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और गृह मंत्री रमेश लेखक सहित अधिकारियों को उच्च पदों पर रहते हुए भी आंदोलन के दौरान लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। जिसके बाद उन सभी को गिरफ्तार किया गया है।

पृष्ठ एक का शेष

90 से ज्यादा सीटें ...

भाजपा कार्यालय में शाम करीब 6 बजे पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और विभिन्न टोलियों के साथ चर्चा करने की बात है। अमित शाह 29 मार्च को असम के कई स्थानों पर पार्टी के चुनाव प्रचार में भाग लेंगे। ढेकियाजुली और टिहू क्षेत्र के सामता में होने वाली दो चुनावी सभाओं में अमित शाह हिस्सा लेंगे। चुनाव प्रचार सभाओं तथा रोड शो में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा सहित पार्टी के पदाधिकारी और मित्र दल के शीर्ष नेतृत्व उपस्थित रहेंगे। भाजपा के स्टार प्रचारक शाह के आगमन को लेकर भाजपा द्वारा जोरदार तैयारी की गई। भाजपा ने प्रधानमंत्री समेत कुल 40 स्टार कैंपेनर को चुनाव मैदान में उतारा है। आने वाले दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के असम दौरे के साथ ही राजनाथ सिंह, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री समेत अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ नेता भी असम का दौरा करने वाले हैं। इसके अलावा, राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा लोकसभा सांसद प्रियंका गांधी समेत अन्य नेता भी चुनाव प्रचार के लिए असम आने वाले हैं।

आज असम दौरे ...

कहा कि हर जगह लोग भयभीत हैं। अगर कोई सरकार की आलोचना करते हुए सोशल मीडिया पर एक भी पोस्ट करता है, तो दिन खत्म होने से पहले ही पुलिस उनके दरवाजे पर पहुंच जाएगी। उन्होंने दावा किया कि सरकार के भ्रष्टाचार को उजागर करने वाले मीडिया को खतरा है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा पर निशाना साधते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि हमने देखा है कि जब भी वे मीडिया से बात करते हैं, तो वे अपनी भाजपा की बजाय हमारी पार्टी पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं। मेरा सुझाव है कि वे आत्मनिरीक्षण भी करें, क्योंकि भाजपा पहले ही दो गुटों में बंट चुकी है - एक है भाजपा (हिमंत विश्व शर्मा का गुट) और दूसरा है *असली* भाजपा। सिंह ने यह भी दावा किया कि पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल जैसे वरिष्ठ भाजपा नेताओं को भाजपा के भीतर ही दरकिनार कर दिया गया है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्ष राज्य में व्यापक बहुमत से सत्ता में आएगा। 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव 9 अप्रैल को होंगे और वोटों की गिनती 4 मई को होगी। कांग्रेस 2016 से ही राज्य में सत्ता से बाहर है।

एनडीए की डबल इंजन ...

प्रेस विज्ञप्ति में यह कहा गया है कि आगामी असम विधानसभा चुनावों पर दृढ़ ध्यान केंद्रित करते हुए, राज्य भारतीय जनता पार्टी माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील और दूरदर्शी जनसंपर्क के माध्यम से जनता का ध्यान आकर्षित करने के लिए तैयार है। जनसभाओं में अपने निरंतर जनसंपर्क कार्यक्रमों के क्रम में, माननीय प्रधानमंत्री 30 मार्च को दोपहर 1:00 बजे पार्टी कार्यकर्ताओं और असम की जनता से प्रत्यक्ष रूप से संवाद करेंगे। इस संबंध में, राज्य भाजपा सभी पार्टी कार्यकर्ताओं और असम के नागरिकों से नमो ऐप डाउनलोड करने और उस पर पंजीकरण करने का आग्रह करती है, ताकि वे इस अनूठी और संवादात्मक पहल का अभिन्न अंग बन सकें। भारत निर्वाचन आयोग ने घोषणा की है कि सभी 126 विधानसभा क्षेत्रों के लिए मतदान 9 अप्रैल को एक ही चरण में होगा, जबकि मतगणना 4 मई को होगी।

सहानुभूति की राजनीति ...

कारनामों का संकलन है। अपने संबोधन में अमित शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर सहानुभूति की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह हमेशा खुद को पीड़ित दिखाने की कोशिश करती हैं। उन्होंने कहा कि कभी चोट लगने का मामला सामने आता है, कभी सिर पर पट्टी बांधकर सहानुभूति लेने की कोशिश होती है, कभी बीमारी का हवाला दिया जाता है और कभी चुनाव कराने वाली संवैधानिक संस्था पर आरोप लगाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि जनता अब इन बातों को समझ चुकी है। उन्होंने कहा कि बंगाल का यह चुनाव केवल सरकार बदलने का चुनाव नहीं बल्कि राज्य को भय के माहौल से मुक्त कराने का चुनाव है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में आम लोगों को जान-माल की सुरक्षा को लेकर डर रहता है, संपत्ति लूटे जाने का भय बना रहता है, महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता रहती है और युवाओं को अपने भविष्य को लेकर अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। अमित शाह ने तृणमूल कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य में संगठित वसूली तंत्र खड़ा कर दिया गया है और भ्रष्टाचार व्यवस्था का हिस्सा बन गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऊपर से नीचे तक आपराधिक गिरोह सक्रिय हैं और आम लोगों को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि विकास के अभाव में बंगाल उद्योगों के लिए कब्रगाह बन गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य में अवैध घुसपैठ एक गंभीर समस्या बन चुकी है और इसे राजनीतिक संरक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों से हो रही घुसपैठ राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी चिंता का विषय है। उनका कहना था कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अमित शाह ने यह भी दावा किया कि उनकी पार्टी का जनाधार लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले चुनावों के आंकड़े बताते हैं कि भाजपा का मत प्रतिशत और सीटों की संख्या लगातार बढ़ी है और अब पार्टी राज्य में एक मजबूत राजनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित हो चुकी है। केंद्रीय गृह मंत्री ने अपने संबोधन में पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बढ़ते जनाधार का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में पार्टी को 17 प्रतिशत मत प्राप्त हुए थे और केवल 2 सीटें मिली थीं, जबकि वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में पार्टी का मत प्रतिशत बढ़कर 41 प्रतिशत हो गया और सीटों की संख्या बढ़कर 18 तक पहुंच गई। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भी पार्टी को 39 प्रतिशत मत प्राप्त हुए और 12 सीटें हासिल हुईं। उन्होंने विधानसभा चुनावों का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ष 2016 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को केवल 10 प्रतिशत मत मिले थे और पार्टी को 3 सीटों से संतोष करना पड़ा था, लेकिन वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में पार्टी का मत प्रतिशत बढ़कर 38 प्रतिशत हो गया और पार्टी ने 77 सीटें जीतकर मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। अमित शाह ने दावा किया कि इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि भाजपा ने पश्चिम बंगाल में लगातार अपना जनाधार मजबूत किया है और अब करीब 40 प्रतिशत मतों के साथ पार्टी राज्य में एक मजबूत राजनीतिक शक्ति बन चुकी है। उन्होंने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने चुनाव से पहले पूरे राज्य का दौरा कर अव्यवस्था, आर्थिक बदहाली और घुसपैठ जैसे मुद्दों को जनता के बीच उठाया है। केंद्रीय गृह मंत्री ने राज्य की चुनाव व्यवस्था पर भी सवाल उठाए और कहा कि बंगाल में चुनाव के दौरान हालात ऐसे रहे कि उच्चतम न्यायालय को न्यायिक अधिकारियों की तैनाती तक करनी पड़ी, जबकि अन्य राज्यों में ऐसी स्थिति नहीं बनी। उन्होंने इसे राज्य प्रशासन की विफलता बताया। उन्होंने यह भी कहा कि जहां उनकी पार्टी की दोहरी इंजन वाली सरकार है, वहां विकास कार्य तेजी से हुए हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, असम, त्रिपुरा और ओडिशा का उदाहरण देते हुए कहा कि इन राज्यों में विकास, कानून व्यवस्था और आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। अंत में अमित शाह ने कहा कि बंगाल की जनता को यह तय करना है कि वह भय, भ्रष्टाचार और हिंसा की राजनीति को जारी रखना चाहती है या शांति, विकास और विश्वास के रास्ते पर आगे बढ़ना चाहती है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस बार जनता उनकी पार्टी को स्पष्ट बहुमत देगी।

चुनाव से ठीक पहले ...

राभा (ग्वालपाड़ा पश्चिम एलएसी), चक्रधर दास (बंगाईगांव एलएसी), गगन चंद्र हलोई (बरपेटा एलएसी), अंकुर दास (कमालपुर एलएसी), और यशोदा दुलाल (श्यामल) रक्षित (लमडिंग एलएसी) शामिल हैं। 27 मार्च को लिखे एक पत्र में, राज्य भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने कहा कि यह कार्रवाई पार्टी के संविधान के प्रावधानों के तहत की गई है। पत्र में कहा गया है कि 2026 के असम विधानसभा चुनावों के लिए, भारतीय जनता पार्टी ने आधिकारिक रूप से मनोनीत पार्टी उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़ने के लिए निम्नलिखित पार्टी कार्यकर्ताओं को तत्काल प्रभाव से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया है। यह कार्रवाई पार्टी संविधान के अनुच्छेद 25-9 के तहत की गई है। यह अधिसूचना भाजपा असम प्रदेश के राज्य महासचिव अनूप बर्मन द्वारा जारी की गई थी। इसके अलावा, राज्य नेतृत्व के निर्देशों के बाद, भाजपा उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों का समर्थन या सहायता करने के आरोप में छह पार्टी कार्यकर्ताओं को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से हटा दिया गया है। यह अनुशासनात्मक कार्रवाई ऐसे महत्वपूर्ण समय पर हुई है, जब असम विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 9 अप्रैल को होना है और मतगणना 4 मई को होगी। राज्य भर में पार्टियां अपने चुनाव प्रचार को तेज कर रही हैं।

कांग्रेस को एक ...

आबादी को पूरा न्याय देने के लिए है। हम बहनों को आर्थिक सहयोग दे रहे हैं, तो कांग्रेस को तकलीफ क्यों हो रही है? उन्होंने कभी ऐसा क्यों नहीं किया? उन्होंने कहा कि हमारा यह संकल्प है कि पूरे असम में कोई भी गरीब कच्चे घर में नहीं रहेगा, सबको प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत पक्के मकान दिए जाएंगे। शिवराज ने कहा कि असम के चाय बागान के मजदूर भाइयों-बहनों के पास अब तक जमीन के पट्टे नहीं थे। कांग्रेस ने उन्हें कभी जमीन का मालिक नहीं बनाया। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री हिमंत विश्वा शर्मा ने उन्हें जमीन का मालिक बनाकर पट्टे दिए हैं। अब उन्हें हम पीएमएवाई-जी के तहत पक्के मकान देंगे। मेरे नौजवान बेटे-बेटियों, असम में रोजगार का नया युग प्रारंभ हुआ है। हिमंत दा ने 1,65,000 युवाओं को बिना किसी भेदभाव के सरकारी नौकरियां देने का चमत्कार किया है। मेरे बच्चों, यह नौकरियों का क्रम आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि नौकरियों के साथ-साथ नए रोजगार के अवसर भी बनेंगे। सेमीकंडक्टर हब जैसे कई बड़े निवेश आएंगे, कारखाने लगेंगे, और उनमें भी रोजगार मिलेगा। विपक्ष पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि असम में कांग्रेस की कमान दो लोगों के हाथ में है- एक राजा और एक राजकुमार। दोनों में तकरार है और दोनों कार्यकर्ताओं से मिलते ही नहीं हैं। कांग्रेस ने असम के साथ 5 पाप किए: 1. विभाजन के समय असम को पाकिस्तान के हवाले करने का प्रयास किया। 2. चीन आक्रमण के दौरान असम को उसके हाल पर छोड़ दिया। 3. असम का जल, असम की जमीन और असम के जंगल सब घुसपैठियों के हवाले कर दिए। 4. वोट बैंक के लिए घुसपैठियों के आधार कार्ड बनवाए और उनके नाम वोटर लिस्ट में जुड़वाए। 5. असम आंदोलन के दौरान हमारे बच्चों पर गोलियां चलवाईं और लोकतंत्र का गला घोंट दिया।

99 प्रतिशत हिंदू ...

रूपज्योति कुर्मी शामिल हैं। इन सभी ने पहले कांग्रेस के टिकट पर जीत हासिल की थी। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि उनकी सरकार ने राज्य बड़े पैमाने में विकास किया है। इस साल भी भाजपा रिकॉर्ड तोड़ जीत के साथ एक बार फिर सफलता हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि हमने 5 सालों में 1.65 लाख लोगों को सरकारी नौकरियां दी हैं। यही वजह है कि चुनाव उत्सव के माहौल में हो रहे हैं। हिमंत ने माना कि असम में घुसपैठ अब भी एक बड़ी समस्या है। लेकिन हम 9 अप्रैल के चुनाव के लिए तैयार हैं।

ईरान ने होर्मुज से ...

क्षेत्र बना हुआ है, जहां हाल के हफ्तों में कई जहाजों पर हमले और ड्रोन स्ट्राइक की घटनाएं सामने आई हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया का करीब 20 प्रतिशत तेल गुजरता है। यहां किसी भी हमले से वैश्विक ऊर्जा बाजार प्रभावित हो सकता है। पहले भी कई जहाजों पर हमले हो चुके हैं और समुद्री ट्रैफिक में भारी गिरावट आई है। ईरान ने हाल ही में इस जलडमरूमध्य पर कड़े नियंत्रण उपाय लागू किए हैं। आईआरजीसी ने चेतावनी दी है कि बिना अनुमति गुजरने वाले जहाजों पर कार्रवाई की जा सकती है। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, केवल *मित्र देशों* के जहाजों को ही सीमित अनुमति दी जा रही है।

संकट के समय देश को ...

बन रहा है। जेवर का यह एयरपोर्ट डबल इंजन की कार्य संस्कृति का बहुत अच्छा उदाहरण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आप सोचिए इस एयरपोर्ट को अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने 2003 में फाइल में मंजूरी दे दी थी। लेकिन एयरपोर्ट नहीं बना लेकिन केंद्र में कांग्रेस और यहां की पहली की सरकारों ने वर्षों तक इस एयरपोर्ट की नींव तक नहीं पड़ने दी। 2004 से 2014 तक ये एयरपोर्ट फाइलों में दबा रहा। जब हमारी सरकार बनी तो यूपी में सपा की सरकार थी। शुरू के 2-3 वर्षों में उन्होंने इस पर काम नहीं होने दिया, लेकिन जैसे ही यहां भाजपा-एनडीए की सरकार बनी तो जेवर एयरपोर्ट की नींव भी पड़ी और निर्माण भी हुआ और अब ये शुरू भी हो गया है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि किसी भी देश में एयरपोर्ट सिर्फ एक सामान्य सुविधा नहीं होती। ये देश की तरक्की और एयरपोर्ट प्रगति को भी उड़ान देते हैं। साल 2014 से पहले देश में सिर्फ 74 एयरपोर्ट थे, आज 160 से अधिक एयरपोर्ट हो चुके हैं। अब महानगरों के अलावा, देश के छोटे-छोटे शहरों तक भी हवाई कनेक्टिविटी पहुंच रही है। पहले की सरकारें मानती थीं कि हवाई यात्रा सिर्फ अमीरों के लिए होनी चाहिए, लेकिन भाजपा सरकार ने सामान्य भारतीयों के लिए भी हवाई यात्रा को आसान बना दिया है। पीएम मोदी ने अभी 100 और एयरपोर्ट पूरे देश में बनने हैं, जिस पर काम चल रहा है। आने वाले समय देश और तेजी से विकास करेगा।

तेलंगाना में मृत बेटे ...

की मां की माने तो अपने बेटे की मृत्यु के बाद एक रात वह उनके सपने में आया और उसने अपने माता-पिता से एक मंदिर बनवाने और अपनी शादी की रस्म पूरी करने के लिए कहा। इस बात पर विश्वास करते हुए, माता-पिता ने अपने घर के भीतर ही एक छोटा सा मंदिर बनवाया और अपने बेटे और उसकी प्रेमिका की मूर्ति बनवा कर स्थापित कर दिया। तब से, यह जोड़ा हर साल राम नवमी के अवसर पर इन दोनों के लिए एक पारंपरिक विवाह समारोह आयोजित करता आ रहा है। यह रस्म बिल्कुल एक असली शादी की तरह ही निभाई जाती है, जिसमें प्रार्थनाएं, चढ़ावे और रीति-रिवाज शामिल होते हैं। पिछले 23 सालों से, तेलंगाना का एक जोड़ा अपने खोए हुए बच्चे की याद में, उसी दिन प्रार्थनाओं, रीति-रिवाजों और पूरी श्रद्धा के साथ एक खास रस्म निभाता आ रहा है। जो सिलसिला दुख के साथ शुरू हुआ था, वह अब एक ऐसी परंपरा बन गया है जिसने पूरे गांव को एक साथ जोड़ दिया है। बता दे कि तेलंगाना में श्री राम नवमी मुख्य रूप से भगवान राम और सीता के दिव्य विवाह के लिए जानी जाती है। जिसे मंदिरों में बड़े ही श्रद्धा-भाव से मनाया जाता है। इसी परंपरा से प्रेरित होकर, राम कोटी के माता-पिता इन मूर्तियों को ईश्वर का ही रूप मानते हैं और उसी विधि-विधान से यह समारोह संपन्न कराते हैं। इन सालों में, जो कार्य शुरू में केवल यादों को संजोने की एक कोशिश थी, वह अब एक स्थानीय परंपरा का रूप ले चुका है। गांव वाले, रिश्तेदार और आस-पास के क्षेत्रों से आए लोग हर साल इस समारोह को देखने और प्रार्थनाओं में शामिल होने के लिए यहां एकजुट होते हैं।

जोरहाट में विस्फोट...

मैदाम न्यू कॉलोनी में स्थित एक लोहे लक्कड़ की कबाड़ी की दुकान में विस्फोट होने की वजह से एक बच्चे और एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान नूर मोहम्मद के रूप में की गई है। जबकि बच्चे की पहचान मोहम्मद इकबाल के रूप में की गई है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने दोनों शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जोरहाट मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल भेज दिया है। इस हादसे में घायल एक सात साल की बच्ची जिंदगी और मौत के बीच झूल रही है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर विस्फोट किस तरह से हुआ इसका पता लगाने में जुटी हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रधानमंत्री ने क्राउन ...

ओर से कड़ी निंदा दोहराई। मोदी ने बताया कि बातचीत के दौरान दोनों पक्षों ने समुद्री मार्गों की सुरक्षा और नौवहन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर सहमति जताई, ताकि वैश्विक व्यापार और आपूर्ति शृंखला बाधित न हो। प्रधानमंत्री ने सऊदी अरब में रह रहे भारतीय समुदाय के कल्याण के लिए क्राउन प्रिंस के निरंतर सहयोग के प्रति आभार भी व्यक्त किया।

टिंगखांग में कांग्रेस प्रत्याशी को चाय श्रमिकों ने खदेड़ा, बिमल बोरा के समर्थन का एलान

डिब्रूगढ़ (हिंस)। आसन्न असम विधानसभा चुनावों के बीच टिंगखोंग में कांग्रेस प्रत्याशी बिपुल गोगोई को चाय बागान के श्रमिकों के विरोध का सामना करना पड़ा। शनिवार को प्रचार के दौरान पहुंचे गोगोई को श्रमिकों ने कथित तौर पर वहां से खदेड़ दिया और खुले तौर पर प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार बिमल बोरा के समर्थन का एलान किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, श्रमिकों ने कांग्रेस प्रत्याशी से उनकी लंबे समय तक अनुपस्थिति को लेकर सवाल उठाए। श्रमिकों ने कहा कि इतने दिन आप लोग कहां थे? अब चुनाव के समय ही क्यों आए हैं? इस दौरान श्रमिकों में नाराजगी साफ देखी गई। श्रमिकों ने स्पष्ट रूप से कहा कि वे इस बार बिमल बोरा को ही वोट देंगे और उन्हें ही जिताएंगे। इस घटना को क्षेत्र में कांग्रेस के प्रति बढ़ते असंतोष के रूप में देखा जा रहा है, जो चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर सकता है।

केरल में विरोधी, असम में सहयोगी : कांग्रेस सीपीएम गठबंधन पर भाजपा का हमला

गुवाहाटी (हिंस)। असम भाजपा के प्रवक्ता रंजीब कुमार सरमा ने शनिवार को कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि केरल में मार्क्सवादी ताकतों का विरोध करने वाली कांग्रेस असम में सीपीएम के साथ गठबंधन कर राजनीतिक विरोधाभास का परिचय दे रही है। पार्टी मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में प्रवक्ता मानस सरनिया की उपस्थिति में सरमा ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे बार-बार कम्युनिस्ट ताकतों को देश के लिए खतरा बताते रहे हैं, खासकर केरल की वामपंथी सरकार का हवाला देते हुए। उन्होंने कहा कि ऐसे में असम में सीपीएम के साथ कांग्रेस का गठबंधन उसकी कथनी और करनी के बीच स्पष्ट अंतर को उजागर करता है। सरमा ने सवाल उठाया कि जो पार्टी केरल में विरोधी है, वही असम में सहयोगी कैसे बन गई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को इस मुद्दे पर असम की जनता के सामने स्पष्ट जवाब देना चाहिए। यह स्थिति दर्शाती है कि कांग्रेस लगातार देश की जनता को गुमराह करती रही है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने असम विधानसभा चुनाव में पहले ही हार स्वीकार कर ली है और उसका केंद्रीय नेतृत्व चुनाव को लेकर गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि तीन मार्च को उम्मीदवारों की पहली सूची जारी करने के बाद 27 मार्च तक कांग्रेस ने असम को लेकर कोई विशेष सोशल मीडिया सक्रियता नहीं दिखाई, जबकि इस दौरान केरल से जुड़े कई पोस्ट किए गए। सरमा ने यह भी दावा किया कि कांग्रेस राज्य में सिमटती जा रही है और अब मुख्य रूप से सीमित संख्या में अल्पसंख्यक बहुल सीटों पर ही चुनाव लड़ रही है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी और स्थानीय समुदायों वाले क्षेत्रों में कांग्रेस का संगठनात्मक आधार कमजोर है। सरमा ने कहा कि असम की जनता कांग्रेस को पहले ही राजनीतिक रूप से नकार चुकी है और पार्टी राज्य में अपनी प्रासंगिकता खोती जा रही है।

भारी बारिश से गुवाहाटी के कई इलाके जलमग्न

गुवाहाटी (हिंस)। शनिवार सुबह हुई तेज बारिश के चलते गुवाहाटी के कई हिस्से जलमग्न हो गए, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया। अचानक हुई इस बारिश के बाद शहर के विभिन्न इलाकों में पानी भर गया, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सुबह की बारिश के तुरंत बाद शहर के कई क्षेत्रों में कृत्रिम बाढ़ जैसे हालात उत्पन्न हो गए। कई जगहों पर पानी घुटनों तक भर गया। सरुसजाई, चांदमारी और जोराबाट जैसे कई इलाकों में स्थिति काफी गंभीर देखी गई, जहां जलनिकासी व्यवस्था की खामियां एक बार फिर उजागर हो गईं। सड़कों पर जलभराव और जगह-जगह फंसे वाहनों को देखा गया। स्थानीय लोगों ने बार-बार की जा रही घोषणाओं के बावजूद बुनियादी ढांचे और जल प्रबंधन की कमी पर नाराजगी जताई। इस बीच, मौसम विज्ञान केंद्र ने कामरूप महानगर जिले के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार, दिन में फिर से बारिश होने की संभावना है और हवा की रफ्तार 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है, जिससे स्थिति और बिगड़ सकती है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है, क्योंकि आगामी घंटों में हालात और खराब हो सकते हैं।

कासुमारा में गांजे के साथ एक गिरफ्तार

नगरबेड़ा (विभास)। पुलिस ने बीती रात बरपेटा जिले के सेंगा निर्वाचन क्षेत्र के कासुमारा थाना क्षेत्र के कसुमारा एनसी गांव में गांजा के खिलाफ अभियान चलाया। कासुमारा थाना प्रभारी मिजानुर रहमान के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने गांव के नूर मोहम्मद अली के बेटे अमेद अली के घर पर छापा मारकर 13 किलो 539 ग्राम सूखा गांजा जब्त किया। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी की और गांजा को जब्त करने में कामयाब रही। पुलिस के अनुसार, गांजे को दो प्लास्टिक की थैलियों में रखा गया था और बेचने के लिए छिपाया गया था। पुलिस ने आरोपी अमेद अली के घर पर छापा मारा और गांजा जब्त कर लिया। पुलिस ने गांजे की तस्करी के आरोप में अमेद अली (44) को गिरफ्तार किया और उसे थाने ले गई। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है।

जोनाई में कांग्रेस के चुनावी कार्यालय में तोड़फोड़

धेमाजी (हिंस)। असम के 80 नंबर जोनाई विधानसभा क्षेत्र में चुनावी गतिविधियों के तेज होने के बीच एक गंभीर घटना सामने आई है, जहां अज्ञात शरारती तत्वों ने कांग्रेस के चुनावी कार्यालय में तोड़फोड़ कर दी। जानकारी के अनुसार, सिमेन-चिची टोंगानी ब्लॉक कांग्रेस का चुनावी कार्यालय, जो सिलापाथार के कुलाजन तिनियाली में स्थित है, का आज औपचारिक उद्घाटन होना था। लेकिन उससे पहले ही कुछ अज्ञात लोगों ने कार्यालय को पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया। शरारती तत्वों ने कार्यालय में लगे बाड़, तिरपाल, बैनर सहित कई सामग्रियों को नष्ट कर दिया, जिससे काफी नुकसान हुआ है। घटना के बाद कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए चुनाव अधिकारियों के समक्ष शिकायत दर्ज कराई है। पार्टी ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि भय और दबाव के जरिए जनता का समर्थन हासिल नहीं किया जा सकता है।

बिजनी में भाजपा प्रत्याशी अरूप दे के समर्थन में मुख्यमंत्री का चुनावी प्रचार

गोलकगंज की जनता को टेलीफोन से किया संबोधित

गुवाहाटी (हिंस)। आसन्न असम विधानसभा चुनावों को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने बिजनी विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी अरूप डे के समर्थन में प्रचार अभियान को तेज कर दिया है। हालांकि प्रतिकूल मौसम के कारण वे आज गोलकगंज में आयोजित पहली जनसभा में शारीरिक रूप से उपस्थित नहीं हो सके, लेकिन उन्होंने टेलीफोन के माध्यम से वहां की जनता को संबोधित कर अपनी बात रखी। मुख्यमंत्री को आज गोलकगंज में एक जनसभा को संबोधित करना था, लेकिन खराब मौसम के चलते उनका कार्यक्रम प्रभावित हुआ। इसके बावजूद उन्होंने डिजिटल माध्यम का सहारा लेते हुए फोन के जरिए लोगों से संपर्क किया और भाजपा के पक्ष में समर्थन की अपील की। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने गोलकगंज के मतदाताओं से भाजपा प्रत्याशी अरूप डे को भारी मतों से विजयी बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने विकास के कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं और इन योजनाओं की निरंतरता बनाए रखने के लिए भाजपा को पुनः समर्थन देना आवश्यक है। सभा स्थल पर मौजूद पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने खराब मौसम के बावजूद उत्साह बनाए रखा और मुख्यमंत्री के संदेश को ध्यानपूर्वक सुना। स्थानीय भाजपा नेताओं ने भी क्षेत्र में पार्टी की जीत को लेकर विश्वास जताया। आगामी दिनों में चुनाव नजदीक आने के साथ ही क्षेत्र में प्रचार अभियान और तेज होने की संभावना है, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेता भी सक्रिय रूप से भाग लेंगे।

कोकराझाड़ जिले में मतदान एवं मतगणना दिवस ड्राई डे घोषित

कोकराझाड़ (हिंस)। असम विधानसभा चुनावों के दौरान स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला मजिस्ट्रेट पी उदय प्रवीण ने कोकराझाड़ जिले में *ड्राई* डे घोषित किया है। जारी आदेश के अनुसार 7 अप्रैल को शाम 5 बजे से 9 अप्रैल की शाम 5 बजे तक, यानी मतदान समाप्ति के निर्धारित समय से पूर्व के 48 घंटों के दौरान जिले में शराब की बिक्री, वितरण तथा सेवन पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। यह आदेश जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा असम आबकारी नियमों के तहत जारी किया गया है। इसके साथ ही 4 मई को मतगणना के दिन को भी *ड्राई* डे घोषित किया गया है, जो मतगणना प्रक्रिया पूर्ण होने तक प्रभावी रहेगा। यदि पुनर्मतदान की स्थिति उत्पन्न होती है, तो उस दिन भी यह प्रतिबंध लागू रहेगा। निर्धारित अवधि के दौरान जिले के सभी थोक गोदाम, आईएमएफएल खुदरा *ऑफ* और *ऑन* दुकानें, क्लब, होटल, रेस्टोरेंट तथा देशी शराब की दुकानें पूरी तरह बंद रहेंगी। साथ ही, निजी व्यक्तियों द्वारा शराब के भंडारण पर भी नियंत्रण रखा जाएगा और बिना लाइसेंस वाले स्थानों पर भंडारण के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने पर असम आबकारी अधिनियम एवं चुनाव नियमों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित पक्षों से निर्देशों का पालन करने और चुनावी अवधि के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है।

ईंधन की बढ़ती मांग को लेकर नगांव जिला आयुक्त की महत्वपूर्ण बैठक

बोतल या अन्य पात्र में नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल : देवाशीष शर्मा

नगांव (निसं)। ईंधन को लेकर फैली अफवाहों के कारण राज्य के अन्य हिस्सों की तरह नगांव जिले में भी उत्पन्न हुई वर्तमान स्थिति के मद्देनजर शुक्रवार शाम जिला आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक जिला आयुक्त देवाशीष शर्मा की अध्यक्षता में हुई, जिसमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों के पेट्रोल पंपों के मालिकों और प्रबंधकों के साथ वर्तमान स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की शुरुआत में जिला आयुक्त ने जिले में ईंधन की वास्तविक स्थिति की जानकारी ली। बैठक में तेल डिपो प्राधिकरण की ओर से बताया गया कि वर्तमान में जिले में पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध है। इसके बावजूद तेल डिपो पर आम लोगों की असामान्य भीड़ और लंबी कतारों के बारे में पूछे जाने पर अधिकारियों ने बताया कि सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से फैली ईंधन की कमी की अफवाहों के कारण लोगों में भय का माहौल बन गया है, जिसके चलते अचानक ईंधन की मांग में भारी वृद्धि हुई है। विभिन्न चुनावी राजनीतिक सभाओं के कारण भी मांग में कुछ बढ़ोतरी देखी गई है। इसके चलते कुछ पेट्रोल पंपों पर अस्थायी रूप से ईंधन समाप्त हो जाने से उपभोक्ताओं को जो असुविधा हुई, उसे भी पंप प्रबंधन ने बहुत कम समय में दूर कर लिया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बैठक के अंत में जिला आयुक्त ने पेट्रोल पंप संचालकों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने सभी पेट्रोल पंपों को अपनी क्षमता के अनुसार पर्याप्त ईंधन स्टॉक बनाए रखने का निर्देश दिया। साथ ही किसी भी खुले बर्तन, प्लास्टिक की बोतल या ड्रम में पेट्रोल देने से सख्ती से मना किया। जिला आयुक्त ने ईंधन के अवैध भंडारण और कालाबाजारी के खिलाफ कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसे अनैतिक कार्यों में लिप्त पाए जाने पर प्रशासन सख्त कानूनी कार्रवाई करेगा। बैठक में अतिरिक्त जिला आयुक्त गोपाल शर्मा, खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग के अधिकारी तथा जिले के पेट्रोल पंपों के मालिक और प्रबंधक उपस्थित थे।

धुबड़ी में पांच विस क्षेत्र प्रत्याशियों ने झोंकी पूरी ताकत

धुबड़ी (विभास)। जिले में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव की सर गर्मियां जैसे-जैसे बढ़ती जा रही है, वैसे वैसे चुनाव से जुड़े व्यक्तियों का अपने-अपने जनादेश बढ़ाने के लिए मतदाताओं को लुभाने में जुटे हुए हैं। जिले के पांचों विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों ने अपना अपना ताकत पूरी तरह से झोंक दिया है। इसी कड़ी में एक घटना देखने को मिला कि जिले की फकीर गंज पुलिस थाना के क्षेत्र के अंतर्गत चिनाबाड़ी के पास एक तलाशी अभियान चलाया गया। तलाशी के दारौनं एक व्यक्ति के बैग से करीब 80,000 नगद जप्त किए गए। खबरों के अनुसार असम विधानसभा चुनाव को लेकर राज्य चुनाव आयोग द्वारा लागू आचार संहिता जारी करने के बाद बड़ी मात्रा में कैश पाना मतलब दाल में कुछ काला है। हालांकि नकदी रुपए जब्त कर लिया गया है। सूत्रों के अनुसार धुबड़ी जिले के अन्य हिस्सों में भी पैसों की लेनदेन पर चुनाव आयोग की कड़ी नजर बनी हूई है।

बंगाईगांव में रामनवमी के अवसर पर निकाली गई शोभायात्रा

बंगाईगांव। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी बंगाईगांव जिला रामनवमी उद्यापन समिति के तत्वाधान में तथा बंगाईगांव जिला विश्व हिंदू परिषद (बजरंग दल) के सहयोग से प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी के पावन अवसर पर 27 मार्च को शहर में भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्री राम की पूजा-अर्चना के साथ हुई तथा राम, सीता, हनुमान की वेशभूषा में सज कर आए छोटे छोटे बच्चों की आरती उतारी गई। धुबड़ी विभाग के प्रचारक निपेन कौवंर ने बौद्धिक चर्चा में हिस्सा लेते हुए भगवान राम के ऊपर प्रकाश डाला। इसके पश्चात् शहर के बोरपाड़ा खेल मैदान से एक विशाल धार्मिक शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु, महिलाएं, युवा एवं बच्चे पारंपरिक वेशभूषा में सम्मिलित हुए। शोभायात्रा में भगवान राम, माता सीता, लक्ष्मण एवं हनुमान की आकर्षक झांकियां विशेष रूप से लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही थीं। शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी तथा नॉर्थ बंगाईगांव में रोलिंग मील एरिया में प्रसाद वितरण के साथ संपन्न हुई। भजन-कीर्तन और जय श्रीराम के उद्घोष से पूरा वातावरण गूंज उठा। इस अवसर पर नामप्रसंग, भागवत कथा एवं कार्यक्रम स्थल पर राम आरती का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित श्रद्धालुओं ने एक स्वर में आरती गाकर वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में समिति के पदाधिकारियों एवं स्वयंसेवकों का विशेष योगदान रहा। समिति की ओर से अध्यक्ष राजेश राय तथा सचिव मनोरम वनिक्य ने इस धार्मिक आयोजन को सफल करने के लिए सभी को धन्यवाद दिया।

श्री हनुमान जन्मोत्सव : मारवाड़ी पंचायत लंका का भव्य तीन दिवसीय धार्मिक उत्सव

होजाई (विभास)। श्री मारवाड़ी पंचायत, लंका के तत्वाधान में इस वर्ष भी श्री राम मंदिर प्रांगण में श्री हनुमान जन्मोत्सव का अत्यंत भव्य आयोजन तीन दिवसीय धार्मिक कार्यक्रमों के साथ किया जाएगा। 1 अप्रैल 2026, बुधवार से 3 अप्रैल तक चलने वाले इस पर्व का शुभारंभ पूजा-अर्चना की मधुर ध्वनियों से होगा, जो भक्तों के हृदय में रामभक्ति की ज्योति प्रज्वलित कर देगा। पहला दिन: भजन संध्या की अमृत वर्षा बुधवार संध्या 7 बजे से प्रारंभ होने वाली भजन संध्या में प्रसिद्ध गायक गजानंद शर्मा व प्रभात शर्मा आमंत्रित कलाकार के रूप में उपस्थित होकर भजनों की दिव्य गंगा बहाएंगे। उनकी मधुर स्वर लहरियां हनुमान जी की महिमा का गुणगान करेंगी, मानो बजरंग बली स्वयं प्रांगण में विराजमान हों। दूसरा दिन अखंड रामायण पाठ की महिमा गुरुवार, 2 अप्रैल को प्रातःकाल अखंड संगीतमय रामायण पाठ का शुभारंभ होगा। जोरहाट से आमंत्रित पं. मोरारजी के नेतृत्व में विद्वान पंडितों द्वारा किया जाने वाला यह पाठ भक्तों को रामकथा के आनंद में डुबो देगा। वहीं, महाभिषेक, पूजा-अर्चना के साथ हनुमान दरबार को फूलों से सजाया जाएगा। महाआरती की शोभा के बाद भोग बाबा हनुमान को चढ़ाया जाएगा। संध्या समय भजनों का आयोजन होगा, जो वातावरण को भक्ति रस से सराबोर कर देगा। तीसरे दिन, दोपहर 1 बजे से 3~30 बजे तक महाप्रसाद का वितरण होगा, जो सभी भक्तों को बजरंग बली का आशीर्वाद प्रदान करेगा। आयोजक समिति ने सभी समाजजनों, कंचुओं और बाबा हनुमान के परम भक्तों से अनुरोध किया है कि इस धार्मिक आयोजन में न्यौता कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं तथा भक्तिभाव से भाग लें। उक्त जानकारी मारवाड़ी पंचायत लंका के अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल ने दी।

रॉयल एनफील्ड ने स्ट्रीट-परफॉर्मेंस रोडस्टर 2026 गरिल्ला 450 एपेक्स लांच की

गुवाहाटी। मिडसाई मोटरसाइकिल सेगमेंट में ग्लोबल लीडर, रॉयल एनफील्ड ने आज अपनी ज्यादा शार्प, ज्यादा केंद्रित, स्ट्रीट-परफॉर्मेंस रोडस्टर 2026 गरिल्ला 450 एपेक्स पेश की। यह मोटरसाइकिल गुवाहाटी के जीआरआरआर नाईट्स फेस्टिवल में पेश की गई थी। 2026 गरिल्ला 450 एपेक्स में किफायती मूल्य में ग्राहकों पर केंद्रित विशेषताएं दी गई हैं, जिसके कारण यह स्ट्रीट परफॉर्मेंस पसंद करने वाले राईडर्स को आकर्षित करती है। एपेक्स वैरिएंट में नए रोड पर केंद्रित 17 के व्रेडेस्टीन सेंचुरो एसटी टायर दिए गए हैं, जो अपने स्पोर्टी डीएनए के साथ गीली और कम फ्रिक्शन वाली सड़कों पर भी बेहतर ग्रिप प्रदान करते हैं। रेंज को बढ़ाते हुए एपेक्स रेड, एपेक्स ब्लैक और एपेक्स ग्रीन के साथ नई सीटीजी एक अधिक शार्प विज्युअल आईडेंटिटी प्रदान करती हैं। एपेक्स वैरिएंट के अलावा, मौजूदा फ्लैश और डैश वैरिएंट्स में अब बेहत सिएट ग्रिप एक्सएल आर.ई टायर आ रहे हैं, जिनमें ज्यादा कंपाउंड और ऑप्टिमाईज़्ड ट्रेड पैटर्न दिए गए हैं, ताकि गीली सतहों पर भी बेहतर ग्रिप और आत्मविश्वास मिल सके। साथ ही इसमें गोरिल्ला का बोल्ड और रोड-फोकस्ड कैरेक्टर भी बरकरार है। 2026 गरिल्ला 450 के सभी वैरिएंट में रॉयल एनफील्ड का ट्रिपर डैश दिया गया है। गोरिल्ला 450 के साथ हम एक ऐसी मशीन पेश कर रहे हैं, जिसमें दो फ्लेवर हैं। ग्राहक अपराईट, स्ट्रीट-फर्स्ट इर्गोनोमिक्स चुन सकते हैं, जिसमें जबरदस्त शक्ति है या फिर वो हर कॉर्नर पर ज्यादा ग्रिप वाली राईड चुन सकते हैं। इस लांच के साथ ही हमारे ब्रांड को इसी समय दो उपलब्धियां भी मिली हैं। रॉयल एनफील्ड की विरासत को 125 साल पूरे हुए हैं तथा शेरपा प्लेटफॉर्म पर हमने दुनिया में 125,000 मोटरसाइकिल बेचने की उपलब्धि हासिल की है। इस खुशी को अपने समुदाय के साथ मनाने के लिए हम 2026 गोरिल्ला 450 रेंज लिमिटेड-पीरियड सेलेब्रेटरी मूल्य के साथ पेश कर रहे हैं, जिससे बेहतर मूल्य प्रदान करने तथा इस सेगमेंट का लगातार विस्तार करने की हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। रॉयल एनफील्ड गरिल्ला ने प्रतिष्ठित मय थाई ब्रांड, फेयरटेक्स के साथ साझेदारी की है। यह विशेष सहयोग अनुशासन, प्रेसिजन और नियंत्रित पॉवर पर आधारित है, जो शहरी फाईटर के मुख्य गुण होते हैं। इस पार्टनरशिप के अंतर्गत फेयरटेक्स × गरिल्ला गियर की लिमिटेड रेंज पेश की गई है, जिसमें बॉक्सिंग ग्लव, मय थाई शॉर्ट और टी शर्ट शामिल हैं। 2026 गरिल्ला एक ज्यादा शार्प और स्पोर्टी लुक में है, जो हर शहरी राईडिंग में फुर्ती और नियंत्रण चाहते वाले राईडर्स के लिए इसका आकर्षण बढ़ाता है। इस रेंज की सेल आज से रॉयल एनफील्ड की अधिकृत डीलरशिप और रॉयलएनफील्ड.कॉम पर शुरू हो गई है। इसकी टेस्ट राईड और रिटेल सेल 31 मार्च, 2026 से शुरू होगी।

एसएसबी ने नबीनगर में सात गोवंश समेत तीन तस्करों को दबोचा

कोकराझाड़ (विभास)। 31वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की *एफ* कंपनी भेप्सु के तहत टीसी टाकंपुर की टीम ने तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए जवानों ने नबीनगर गांव के पास घेराबंदी कर सात बैलों को जब्त किया है। इस अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने तीन युवकों को भी पकड़ा है, जिनकी पहचान सैमसन किस्कू (18 वर्ष), पिता- बुधु किस्कू, बिलानसन हासदा (13 वर्ष), पिता- सोम हासदा, रॉकी दत्ता (13 वर्ष), पिता- राजीव दत्ता के रूप में की गई है। ये तीनों आरोपी कोकराझाड़ जिले के कचूगांव थाना क्षेत्र के अंतर्गत भारत नगर गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। एसएसबी सूत्रों के अनुसार जब्त किए गए गोवंश और पकड़े गए तीनों आरोपियों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए कचूगांव पुलिस स्टेशन को सौंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सीमावर्ती इलाकों में पशु तस्करी पर लगाम लगाने के लिए एसएसबी लगातार सतर्कता बरत रही है।

संपादकीय

भारत में 'तेल आपातकाल' नहीं

प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य के मुख्यमंत्रियों के साथ, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद और विमर्श किया। यह हमारे लोकतंत्र के संघीय चरित्र है। प्रधानमंत्री ने ईरान युद्ध से उपजे पश्चिम एशिया ही नहीं, बल्कि वैश्विक हालात पर चर्चा की होगी। ऐसी ही संघीय संवाद कोरोना महामारी के दौरान भी किए गए थे। तब एक खास किस्म का विषैला, जानलेवा संक्रमण दुनिया भर में फैला था। भारत में लॉकडाउन के साथ-साथ कई सख्त कदम भी उठाए गए थे। हमारी अर्थव्यवस्था नकारात्मक हो गई थी। बेहद भयावह माहौल और हालात थे। बहरहाल आज वैसे हालात नहीं हैं। तेल-गैस, उर्वरक आदि की आपूर्ति अवरुद्ध हुई है, लिहाजा किल्लत महसूस हो रही है। कुछ संकट का दौर तो है। अफवाहों और दुष्प्रचार की 'काली भेड़ों' ने लॉकडाउन की फर्जी खबरें चलाना भी शुरू कर दिया है। मीडिया के एक वर्ग में यह विश्लेषण भी छापा गया कि देश में तेल-गैस का स्टॉक मात्र 7-9 दिन का है। शायद उसी से आम आदमी घबराया है और पेट्रोल पंपों पर जन-सैलाब की स्थितियां हैं। मारा-पीटी भी हुई है। पुलिस पर भी प्रहार किया गया है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने हकीकत का खुलासा किया है कि देश में पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस (एलपीजी) का 60 दिन का स्टॉक सुरक्षित है। अगले 60 दिन के कच्चे तेल की बुकिंग सरकार ने कर ली है। करीब 8 लाख टन एलपीजी कार्गो सुरक्षित कर लिए गए हैं। वे रूस, अमरीका, ऑस्ट्रेलिया आदि कई देशों से आ रहे हैं। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, इराक, रूस आदि देशों से कच्चा तेल आ रहा है। यह आपूर्ति 60 दिन के लिए सुनिश्चित कर ली गई है। देश के एक लाख पेट्रोल पंपों में से एक पर भी पेट्रोल-डीजल खत्म नहीं हुए हैं। लगातार सप्लाई जारी है। देश में करीब 3.3 करोड़ मीट्रिक टन एलपीजी की सालाना खपत होती है और हमारी रिफाइनरियां हररोज औसतन 50,000 टन एलपीजी का उत्पादन कर रही हैं। उत्पादन 40 फीसदी बढ़ाया गया है। यदि जमाखोर, कालाबाजारी, मुनाफाखोर, चोर-लुटेरे, देश-विरोधी लोग सरकार के इस खुलासे से आश्वस्त नहीं हैं, तो देश में दूसरा कौनसा वैकल्पिक माध्यम है, जो तेल-गैस की अपडेट वस्तुस्थिति देश को बता सके? आप सरकार-विरोधी, प्रधानमंत्री-विरोधी, नीति-विरोधी हो सकते हैं, लेकिन राजनीतिक दुराग्रह भारत-विरोध की हद तक नहीं पहुंचना चाहिए। संकट, आपदा और तात्कालिक धक्का आदि समानार्थी शब्द लगते हैं, लेकिन ये अलग-अलग स्थितियों को बयां करते हैं। अमरीका और इजरायल ने ईरान पर युद्ध की शुरुआत की और ईरान ने पलटवार में खाड़ी देशों के तेल-गैस ठिकानों को तबाह किया। 17 अमरीकी बेस भी मिट्टी-मलबा कर दिए। नतीजतन आज एशिया, यूरोप, अफ्रीका, ग्लोबल साउथ के 113 देश प्रभावित हो रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, वियतनाम, कंबोडिया, म्यांमार, फिलीपींस, स्लोवाकिया, कनाडा, थाईलैंड, नाइजीरिया, लाओस, जर्मनी, फ्रांस सरीखे देशों में आपातकाल, कार-फ्री डे, पेट्रोल पंप तालाबंदी, राशनिंग और ऑड-ईवन आदि के हालात बने हैं। जापान जैसे विकसित देश को अपना रिजर्व तेल जारी करना पड़ा है। दुनिया में 140 अरब टन एलपीजी की कमी बताई जा रही है। कच्चे तेल का संकट अलग है। अमरीका में भी पेट्रोल-डीजल के दाम 22 फीसदी उछल गए हैं। कमोबेश भारत में अभी आपातकाल की स्थिति नहीं है। आम आदमी के लिए सरकार ने पेट्रोल-डीजल के दाम भी महंगे नहीं किए हैं। मोदी ने इन्हीं बिंदुओं के आसपास मुख्यमंत्रियों से बात की होगी।

भारत में लॉकडाउन के साथ-साथ कई सख्त कदम भी उठाए गए थे। हमारी अर्थव्यवस्था नकारात्मक हो गई थी। बेहद भयावह माहौल और हालात थे। बहरहाल आज वैसे हालात नहीं हैं। तेल-गैस, उर्वरक आदि की आपूर्ति अवरुद्ध हुई है, लिहाजा किल्लत महसूस हो रही है। कुछ संकट का दौर तो है। अफवाहों और दुष्प्रचार की 'काली भेड़ों' ने लॉकडाउन की फर्जी खबरें चलाना भी शुरू कर दिया है। मीडिया के एक वर्ग में यह विश्लेषण भी छापा गया कि देश में तेल-गैस का स्टॉक मात्र 7-9 दिन का है। शायद उसी से आम आदमी घबराया है और पेट्रोल पंपों पर जन-सैलाब की स्थितियां हैं। मारा-पीटी भी हुई है। पुलिस पर भी प्रहार किया गया है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने हकीकत का खुलासा किया है कि देश में पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस (एलपीजी) का 60 दिन का स्टॉक सुरक्षित है। अगले 60 दिन के कच्चे तेल की बुकिंग सरकार ने कर ली है। करीब 8 लाख टन एलपीजी कार्गो सुरक्षित कर लिए गए हैं। वे रूस, अमरीका, ऑस्ट्रेलिया आदि कई देशों से आ रहे हैं। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, इराक, रूस आदि देशों से कच्चा तेल आ रहा है। यह आपूर्ति 60 दिन के लिए सुनिश्चित कर ली गई है। देश के एक लाख पेट्रोल पंपों में से एक पर भी पेट्रोल-डीजल खत्म नहीं हुए हैं। लगातार सप्लाई जारी है। देश में करीब 3.3 करोड़ मीट्रिक टन एलपीजी की सालाना खपत होती है और हमारी रिफाइनरियां हररोज औसतन 50,000 टन एलपीजी का उत्पादन कर रही हैं। उत्पादन 40 फीसदी बढ़ाया गया है। यदि जमाखोर, कालाबाजारी, मुनाफाखोर, चोर-लुटेरे, देश-विरोधी लोग सरकार के इस खुलासे से आश्वस्त नहीं हैं, तो देश में दूसरा कौनसा वैकल्पिक माध्यम है, जो तेल-गैस की अपडेट वस्तुस्थिति देश को बता सके? आप सरकार-विरोधी, प्रधानमंत्री-विरोधी, नीति-विरोधी हो सकते हैं, लेकिन राजनीतिक दुराग्रह भारत-विरोध की हद तक नहीं पहुंचना चाहिए।

केरल में अंग्रेजी के साथ ही मलयालम को आधिकारिक भाषा के तौर पर प्रतिष्ठा रही है

मलयालम को ताकतवर बनाने का श्रेय लेने की होड़

उमेश चतुर्वेदी

राज्य का नाम केरलम किया जाना और इसके हफ्तेभर बाद ही मलयालम को आधिकारिक भाषा की मंजूरी मिलना कुछ लोगों की नजर में भले ही संयोग हो, लेकिन ऐसा नहीं है। राज्य में विधानसभा चुनाव की रणभेरी बजने की औपचारिकता भर बाकी है। इस संदर्भ में राजनीतिक दलों द्वारा इन दोनों कदमों का श्रेय लेने की होड़ मचना स्वाभाविक है। लेकिन भाषा विधेयक को लेकर केरल की सीमाओं के बाहर सवाल भी उठने शुरू हो गए हैं। इसमें दो राय नहीं कि गैर हिंदीभाषी इलाके अपनी भाषाओं और सांस्कृतिक परंपराओं को अपनी अस्मिता से जोड़कर देखते हैं। हिंदीभाषी राज्यों में अपनी हिंदी या स्थानीय भाषाओं को लेकर ऐसी सोच नहीं दिखती।

केरलम में विधानसभा चुनावों के बीच मलयालम को राज्य की आधिकारिक भाषा का दर्जा मिलने का श्रेय लेने का सियासी खेल बढ़ता जा रहा है। राज्य का नाम केरलम किया जाना और इसके हफ्तेभर बाद ही मलयालम को आधिकारिक भाषा की मंजूरी मिलना कुछ लोगों की नजर में भले ही संयोग हो, लेकिन ऐसा नहीं है। राज्य में विधानसभा चुनाव की रणभेरी बजने की औपचारिकता भर बाकी है। इस संदर्भ में राजनीतिक दलों द्वारा इन दोनों कदमों का श्रेय लेने की होड़ मचना स्वाभाविक है। लेकिन भाषा विधेयक को लेकर केरल की सीमाओं के बाहर सवाल भी उठने शुरू हो गए हैं। इसमें दो राय नहीं कि गैर हिंदीभाषी इलाके अपनी भाषाओं और सांस्कृतिक परंपराओं को अपनी अस्मिता से जोड़कर देखते हैं। हिंदीभाषी राज्यों में अपनी हिंदी या स्थानीय भाषाओं को लेकर ऐसी सोच नहीं दिखती। मलयालम को केरलम की आधिकारिक भाषा बनाने की मांग बहुत पुरानी है। इस दिशा में पहला प्रयास करीब दस साल पहले कांग्रेस की अगुआई वाली संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा यानी यूडीएफ की सरकार ने किया था। 2015 में ओमन चांडी सरकार ने इस विधेयक को पारित कराया था। लेकिन तब इस विधेयक पर पड़ोसी कर्नाटक सरकार ने कड़ा एतराज जताया था। जब इस विधेयक को मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा गया तो राष्ट्रपति ने इसे 1963 के ऑफिशियल भाषा एक्ट के नियमों को हटाकर जमा करने के सुझाव के साथ वापस भेज दिया था। फिर दस साल बाद मौजूदा वाममोर्चा की सरकार ने इसे नए रूप में पारित किया। इस बार भी कर्नाटक इस कानून का विरोध कर रहा है। अब तक केरल में अंग्रेजी के साथ ही मलयालम को आधिकारिक भाषा के तौर पर प्रतिष्ठा रही है। लेकिन नए कानून के तहत सरकारी और सरकारी अनुदान प्राप्त स्कूलों में कक्षा 10 तक मलयालम को पहली भाषा के तौर पर अनिवार्य रूप से पढ़ाना जरूरी होगा। इसके साथ ही अदालती फैसलों और कार्यवाही भी अनिवार्य तौर पर मलयालम भाषा में अनूदित की जाएंगी। अब से राज्य विधानसभा में सभी बिल और अध्यादेश मलयालम में पेश किए जाएंगे। इसके साथ ही, अंग्रेजी में प्रकाशित महत्वपूर्ण केंद्रीय और राज्य कानूनों का भी मलयालम में अनुवाद होगा। नए कानून के तहत सूचना तकनीकी विभाग को मलयालम के प्रभावी इस्तेमाल के लिए ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर और इंस्ट्रूमेंट विकसित करने की जिम्मेदारी दी जा रही है। राज्य सचिवालय में मौजूदा पर्सनल एंड एडमिनिस्ट्रेटिव रिफॉर्म्स (ऑफिशियल लैंग्वेज) विभाग का नाम बदलकर मलयालम भाषा विकास विभाग किया जा राह है। इन कदमों के साथ ही राज्य में मलयालम भाषा विकास निदेशालय भी गठित किया जाएगा। भाषायी अस्मिता के लिहाज से देखें तो केरल का यह कदम बेहद क्रांतिकारी

और भारतीय भाषाओं के हित में है। लेकिन कर्नाटक की आपत्तियों को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। यहां ध्यान दिया जाना चाहिए कि केरल के कासरगोड जिले में मलयालम की बजाय कन्नड़ भाषी लोग ज्यादा है। राज्य मे इसी तरह तमिल, तुलु, गुजराती और कोंकणीभाषी लोग भी हैं। उनकी अपनी भाषाओं में पढ़ाई वाले स्कूल भी हैं। हालांकि मलयालम भाषा कानून का विरोध तमिल मूल के लोगों ने तो नहीं किया है, लेकिन कर्नाटक के तर्कों में उनकी भी बातें एक तरह शामिल हैं। कर्नाटक सरकार का तर्क है कि यह कानून केरल में रहने वाले कन्नड़ भाषी अल्पसंख्यकों की भाषाई अस्मिता के लिए खतरा है। यह कानून, कर्नाटक भाषियों के अधिकारों का उल्लंघन है। कर्नाटक सीमा क्षेत्र विकास प्राधिकरण का तर्क है है कि कासरगोड और केरल के दूसरे कन्नड़ भाषी क्षेत्रों में भाषाई अल्पसंख्यक छात्र अभी स्कूलों में कन्नड़ को पहली भाषा के तौर पर पढ़ते हैं। केरल में स्कूलों में हिंदी भी पढ़ाई जाती रही है। इसलिए माना जाता है कि केरल में हिंदीविरोधी माहौल नहीं है। लेकिन दिलचस्प यह है कि केरल के विद्वान भी इस कानून के पक्ष में तर्क देते वक्त केंद्र सरकार पर केरल में हिंदी थोपने का आरोप लगाने से नहीं हिचक रहे। दिलचस्प यह है कि ऐसा ही आरोप कर्नाटक की ओर से लगाया जा रहा है, बस वहां हिंदी की जगह मलयालम को थोपे जाने की बात हो रही है। केरल सरकार ने हालांकि सफाई दी है कि जिनकी मातृभाषा तमिल, कन्नड़, तुलु या कोंकणी है, उनके लिए भी कानून में प्रावधान हैं। इस कानून में इस बात की चर्चा है कि राज्य के भाषायी अल्पसंख्यक अपनी भाषा में राज्य सचिवालय, विभागों और स्थानीय सरकारी कार्यालयों से पत्राचार कर सकेंगे। इसके साथ ही, मलयालम के अलावा दूसरी मातृभाषा वाले छात्रों को नेशनल एजुकेशन प्रोग्राम में शामिल भाषाओं में पढ़ाई कर सकेंगे। इसी तरह दूसरे राज्यों या विदेश से आने वाले छात्रों को नौवी, दसवीं और हायर सेकेंडरी स्तर पर मलयालम की परीक्षा देने से छूट मिलेगी। मलयालम को आधिकारिक भाषा बनाने का स्थानीय नागरिक स्वागत तो कर रहे हैं, लेकिन कुछ लोगों का मानना है कि इस कानून के नाम से ही अलगाववादी और वर्चस्ववादी झलक मिलती है।, केरल के बौद्धिकों के एक वर्ग का कहना है कि बेहतर होता है कि इस कानून का नाम 'मलयालम भाषा एक्ट 2025' की जगह 'केरल स्टेट लैंग्वेज एक्ट 2025' होता। इससे समावेशी संदेश जाता। यहां के बौद्धिकों का तर्क है कि इस विधेयक में मलयालम की जगह बेहतर होता कि राज्य में प्रयोग में लाई जाने वाली तमिल,कन्नड़, कोंकणी, तुलु और गुजराती का भी जिक्र होता। केरल में जंगलों और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों की अपनी भाषाएं भी हैं। वे मलयालम का इस्तेमाल कम करते हैं। इसलिए एक वर्ग का मानना है कि उनकी भाषाओं की अस्मिता की रक्षा का बोध भी इस कानून में होना चाहिए था। बेशक केरल के विधानसभा चुनाव में मलयालम को आधिकारिक दर्जा मिलना बड़ा मुद्दा होगा। राज्य की राजनीति में प्रभावी दखल देने की ताक में बैठी भाजपा, कांग्रेस और वाममोर्चा, सभी इसका श्रेय लेने की कोशिश करेंगे। लेकिन यहां के बौद्धिक समाज की चिंता है कि इस विधेयक से राज्य में एक भाषा के वर्चस्व का भाव पैदा हो सकता है। ऐसा लगता है कि जिन लोगों की भाषा मलयालम नहीं है, उनकी प्रशासनिक और शासन से जुड़ी चिंताओं को अंग्रेजी के जरिए हल किया जा सकता है। लेकिन केरल के बौद्धिक मानते हैं कि राज्य के बहुसंख्यक समुदाय की भाषा से इतर वाले लोगों की समस्याओं का समाधान अंग्रेज़ी के ज़रिए नहीं हो सकते। इसलिए भाषा विकास विभाग और निदेशालय को सिर्फ मलयालम भाषा तक सीमित नहीं रहना होगा, बल्कि केरल की सभी भाषाओं के लिए होना होगा। केरल में मांग उठ रही है कि वहां के सिविल सर्विस सुधार विभाग को मलयालम भाषा विकास विभाग के रूप में बदल दिया जाना चाहिए। कानून में इस विभाग के पुनर्गठन और मलयालम भाषा व कास निदेशालय बनाने का प्रावधान है। यहां के भाषाशास्त्री इसे स्वागत योग्य कदम बता तो रहे हैं। लेकिन, इसमें मलयालम के साथ दूसरी भाषा समूहों का भी प्रतिनिधित्व देने का सुझाव दे रहे हैं। इसमें दो राय नहीं कि भाषा का काम जोड़ना है, तोड़ना नहीं। शायद यही वजह है कि मलयालम भाषा कानून के स्वागत के साथ ही दूसरी भाषाओं को तवज्जो देने की मांग हो रही है। मातृभाषा से इतर समूहों से आने वाले लोग किसी भी भाषा को अवसरों और जरूरत के लिहाज से सीखते हैं। सीखने की इस प्रक्रिया में मजबूरी की बजाय उत्साह जुड़ जाता है तो भाषाएं समृद्ध होती हैं और वे सौहार्द का प्रतीक बनती हैं। आधिकारिक भाषा बनने के बाद मलयालम भी उसी तरह उम्मीद की भाषा बने, शायद यही केरल के बौद्धिक चाहते हैं। मलयालमभाषियों की इस सोच से हिंदीभाषी विद्वानों, राजनेताओं और प्रशासनिक तंत्र को प्रेरित होना चाहिए।

देश | दुनीया से

संवैधानिक संस्थाओं पर उठते सवाल

देश में समय के साथ लोकतंत्र के परिपक्व होने के बजाय कमजोर होने की आहट आ रही है। आजादी के बाद देश में ऐसा पहली बार हुआ है कि संवैधानिक संस्थाओं को पक्षपात के आरोपों के कारण कटघरे में खड़ा किया जा रहा है। इन संस्थाओं के कामकाज के तौर-तरीकों पर सवाल उठाए जा रहे हैं। इन पर पूरी तरह से सत्तारूढ़ केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के इशारों पर काम करने और विपक्ष के अधिकारों को दबाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। आरोपों के इस घेरे में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा के सभापति रहे जगदीप धनखड़, भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक और अब मुख्य चुनाव आयुक्त आ चुके हैं। लोकसभा स्पीकर को हटाने के लिए 118 विपक्षी सांसदों के समर्थन से अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। विपक्षी सांसदों का दावा था कि ओम बिरला ने 'पक्षपातपूर्ण व्यवहार' दिखाया है और उनका कार्यालय अपेक्षित निष्पक्षता बनाए रखने में विफल रहा है। अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि कई बार लोकतांत्रिक प्रक्रिया और स्पीकर की भूमिका पर चर्चा हुई है और कई बार मेरा नाम लिया गया, मेरे बारे में गंदी बातें कही गईं। उन्होंने कहा कि यह सदन भारत के लोगों की अभिव्यक्ति है। यह सदन किसी एक पार्टी का नहीं है, यह पूरे देश का प्रतिनिधित्व करता है। जब भी हम बोलने के लिए उठते हैं, हमें बोलने से रोक दिया जाता है। 'पिछली बार जब मैंने बात की थी, तब मैंने हमारे प्रधानमंत्री के किए गए समझौतों के बारे में एक बुनियादी सवाल उठाया था। कई बार मुझे बोलने से रोका गया है। पहली बार लोकसभा के इतिहास में नेता प्रतिपक्ष को बोलने नहीं दिया गया है। नेता विपक्ष राहुल गांधी पर हमला करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 17वीं लोकसभा में उनकी अटेंडेंस 51 फीसदी थी। नेशनल एवरेज 66 फीसदी था। 16वीं लोकसभा में उनकी अटेंडेंस 52 फीसदी थी। नेशनल एवरेज 80 फीसदी था। 15वीं लोकसभा में उनकी अटेंडेंस 43 फीसदी थी, जबकि नेशनल एवरेज 76 फीसदी था। उन्होंने कुछ सदस्यों की शिकायतों पर भी बात की कि उन्हें माइक्रोफोन की दिक्कतों की वजह से बोलने नहीं दिया गया। शाह ने कहा कि जो कोई भी नियमों का पालन नहीं करेगा या सदन में अनुशासन बनाए नहीं रखेगा, उसका माइक्रोफोन बंद कर दिया जाएगा और कहा कि संसद की कार्यवाही इसी तरह चलनी चाहिए। लोकसभा स्पीकर बिरला के कामकाज के तौर-तरीकों पर उनको हटाने का प्रस्ताव लाकर नाराजगी जताने से पहले राज्यसभा के सभापति रहे जगदीप धनखड़ पर इसी तरह के आरोप लगाते हुए विपक्ष ने दिसंबर 2024 में उन्हें पद से हटाने का नोटिस दिया था। विपक्ष का आरोप था कि राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ पक्षपातपूर्ण तरीके से सदन की कार्यवाही का संचालन करते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने आरोप लगाया था कि धनखड़ एक सरकारी प्रवक्ता के रूप में काम कर रहे हैं और एक स्कूल के प्रधानाध्यापक की तरह व्यवहार कर रहे हैं, जो अक्सर अनुभवी विपक्षी नेताओं को उपदेश देते हैं और उन्हें सदन में बोलने से रोकते हैं। खडगे ने यह भी दावा किया था कि सदन में हुई गड़बड़ी के लिए स्वयं श्री धनखड़ जिम्मेदार हैं। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने विपक्ष का सभापति धनखड़ को हटाने का नोटिस खारिज कर दिया था, जिसमें पक्षपातपूर्ण तरीके से उच्च सदन के संचालन का आरोप लगाते हुए सभापति जगदीप धनखड़ को पद से हटाने की मांग की गई थी। हरिवंश ने यह कहते हुए विपक्ष का नोटिस खारिज कर दिया कि यह तथ्यों से परे है और इसका मकसद केवल प्रचार हासिल करना है। उपसभापति ने कहा था कि धनखड़ के खिलाफ नोटिस अनुचित और त्रुटिपूर्ण है, जिसे उपराष्ट्रपति की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के लिए जल्दबाजी में तैयार किया गया है। राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी को सौंपे अपने फैसले में हरिवंश ने कहा कि नोटिस देश की संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा कम करने और मौजूदा उपराष्ट्रपति की छवि खराब करने की साजिश का हिस्सा है। इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया गठबंधन) के घटक दलों ने सभापति धनखड़ को उपराष्ट्रपति पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने संबंधी नोटिस 10 दिसंबर को राज्यसभा के महासचिव को सौंपा था। नोटिस पर कांग्रेस, टीएमसी, आम आदमी पार्टी, डीएमके, समाजवादी पार्टी और कई अन्य विपक्षी दलों के 60 नेताओं ने हस्ताक्षर किए थे। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, डीएमके नेता तिरुचि शिवा और टीएमसी के नेता डेरेक ओब्रायन ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर नहीं किए थे। समाजवादी पार्टी के नेता रामगोपाल यादव, आम आदमी पार्टी के संजय सिंह, तृणमूल कांग्रेस के सुखेंदु शेखर रॉय, राज्यसभा में कांग्रेस के उप नेता प्रमोद तिवारी, मुख्य सचेतक जयराम रमेश, वरिष्ठ नेता राजीव शुक्ला तथा कई अन्य सीनियर सदस्यों ने धनखड़ के खिलाफ दिए गए नोटिस पर हस्ताक्षर किए थे। संसद के दोनों सदनों के प्रमुखों के खिलाफ हटाने के प्रयासों के अलावा विपक्षी दलों ने देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए महाभियोग प्रस्ताव लाने के संबंध में लोकसभा और राज्यसभा में सौंपा है। एसआईआर को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठाता रहा है। विपक्ष का आरोप है कि इस प्रक्रिया का इस्तेमाल भाजपा को चुनावी लाभ पहुंचाने के लिए किया जा रहा है। हालांकि जिस तरह लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति को हटाने के विपक्ष के प्रयास सफल नहीं हो सके, उसी तरह मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ महाभियोग के भी पारित होने की संभावना क्षीण है। विपक्ष के पास महाभियोग पारित कराने के लिए आवश्यक संख्या बल नहीं है। इस तरह के संवैधानिक पदों पर आसीन लोगों को हटाने के लिए एकजुट विपक्ष के प्रयास बेशक सफल नहीं हो पाएं, किन्तु ऐसे प्रयासों से इन पदों की गरिमा कम हुई है। देश में विपक्ष को पूरी तरह से खारिज करके मजबूत लोकतंत्र की तरफ नहीं बढ़ा जा सकता। संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर उठते सवालों के घेरे में भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक (कैग) का पद भी आ चुका है। इस पद के चयन के लिए कमेटी बनाने की मांग पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका लंबित है। एनजीओ सेंटर फॉर पब्लिक इंट्रेस्ट लिटिगेशन की याचिका में कहा गया है कि अभी कैग की नियुक्ति प्रधानमंत्री की सिफारिश पर राष्ट्रपति करते हैं। इस पद की अहमियत को देखते हुए इसके लिए योग्य और निष्पक्ष व्यक्ति का चयन जरूरी है, इसलिए सुप्रीम कोर्ट प्रधानमंत्री, लोकसभा में नेता विपक्ष और सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की कमेटी के जरिए कैग के चयन का आदेश दे। सुप्रीम कोर्ट इस याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर चुका है। संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर उठते सवाल भारतीय लोकतंत्र में एक गंभीर विषय बन गए हैं। इन संस्थाओं को परिपक्वता से काम करना चाहिए ताकि उन पर सवाल न उठें।

आप का | नजरीया

आई पी एल की पर्यटन टिकट

क्रिकेट के जादू से सराबोर इक तमाशा तेरे शहर, तू गुलदस्ता चुने या औकात बदल ले, ये तुम पे टिका है। आई पी एल का कारवां फिर इस सीजन का ट्रैफिक धर्मशाला लाएगा और जहां धौलाधार और मौसम की निगाह से गुजरेगा सारा समां। इस बार पंजाब किंग्स की मेजबानी में दिल्ली, मुंबई और बंगलुरु की टीमें जब पिच पर होंगी तो मैदान की घास भी उम्मीदों की हरियाली की तरह स्वागत में बिछ जाएगी। यानी जो तमाशे मुंबई, दिल्ली या बंगलुरु जैसे महानगरों में होते हैं, वे हिमाचल के छोटे से शहर में विराजमान होंगे। क्या हम इस जुनून से पर्यटन की बेहतरी कर पाए। क्या हम खेल पर्यटन से अपनी किश्ती चला पाए। कई सालों से हिमाचल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों का मक्का बने धर्मशाला को इसकी ख्याति का ईनाम दे पाए। इस दौरान पर्यटन की योजनाएं बनीं, एशिया डिवलेपमेंट बैंक के सहयोग से कई परियोजनाएं सामने आईं, लेकिन किसी ने मुडक़र नहीं देखा कि क्रिकेट के कारवां को आगे कहां तक ले जाएं। आई पी एल के तीन मैचों का विश£षण करें या खेल प्रेमियों पर सर्वेक्षण करें, तो मालूम होगा कि यह सफर कितना आगे बढ़ सकता है। विडंबना यह है कि पर्यटन निगम की एक भी प्रॉपर्टी इस लिहाज से नहीं बनी कि सारा उत्साह, इनके प्रांगण तक पहुंच जाता। जो खेल पे्रमी आई पी एल की टिकट पर धर्मशाला आएंगे, वे अपना पूरा सप्ताह हिमाचल में कैसे गुजारें इस पर मंथन होना चाहिए। मैचों की घोषणा के बाद या तो प्राइवेट वोल्वो बसों ने अपने मंतव्य तय कर लिए या एयरलाइंस की फ्लाइट्स ने अपने मुनाफे के शैड्यूल तय कर लिए। प्रदेश चाहे तो इस अवसर की रूह से अपने परिवहन, मेहमाननवाजी और पूरे पर्यटन क्षेत्र की आबो हवा बदल सकता है। साहसिक खेलों के आसमान को आगे बढ़ाते हुए पौंग झील जलाशय को वाटर स्पोर्ट्स और मनोरंजन की किश्तियों में भर सकता है। इस दौरान कई फूड फेस्टिवल और पहाड़ी व्यंजनों के मेले सजा सकता है। इतना ही नहीं आर्ट फेस्टिवल से गीत-संगीत समारोहों के दरवाजे खोल सकता है। धर्मशाला में आई पी एल की संभावना प्रवेश द्वारों पर देखें, तो ऊना व जसूर-नूरपुर की फिजाओं में रंग भरे जा सकते हैं। हाईवे पर्यटन को ही मजबूत करें, तो कितनी ही सडक़ों पर हिमाचल की आर्थिकी मजबूत हो सकती है। क्रिकेट प्रेमी अपने साथ हिमाचल के लिए कई संभावनाएं भी ला रहे हैं। उन्हें आकर्षक पैकेज बनाने में क्या हिमाचल पर्यटन निगम मदद करेगा। क्या पर्यटन विभाग ने हिमाचल क्रिकेट एसोसिएशन के साथ मिलकर अपनी इटिनेररी जोड़ी। क्रिकेट के यात्रा कार्यक्रम में हिमाचल के मंदिर, झीलें, टी गार्डन, ऐतिहासिक-धरोहर स्थल, हिल स्टेशन तथा साहसिक खेलों के स्थल जुड़ जाएं, तो हम इस अवसर का दोहन कर सकते हैं, वरना इस शोर में हमारी मंजिलें खामोश ही रहेंगी। दूसरी ओर अगर क्रिकेट की संगत में बाकी खेल संगठन भी आगे बढ़ें, तो हिमाचल के हर आयोजन में पर्यटन का धंधा फले-फूलेगा। दरअसल इवेंट पर्यटन की तासीर में कई अभियान अधूरे हैं। अब अगर सैलानी ट्रैकिंग के लिए आ रहे हैं, तो न पर्वतारोहण संस्थान और न ही पर्यटन विभाग कुछ खास कर रहा है, बल्कि निजी प्लेयर यात्रा कार्यक्रम को विस्तार दे रहे हैं। निजी क्षेत्र ने कुछ समय में हिमाचल के विभिन्न क्षेत्रों की 'धाम' को परोस कर पर्यटकों का अनुभव बढ़ा दिया, तो इसी तरह खान-पान, मनोरंजन, सुकून, खरीद-फरोख्त जैसे अनुभवों की बिसात पर पर्यटन की प्लानिंग आगे बढ़नी चाहिए। अगर धर्मशाला में प्रस्तावित टूरिस्ट विलेज की परियोजना ही मुकम्मल होती तो क्रिकेट की टिकट से उसके अस्तित्व की हलचल भी बढ़ जाती। यह महज क्रिकेट नहीं, अगर अटल टनल से गुजरना भी एक इवेंट हो जाता है, तो हमें मनोरंजन के क्षण बढ़ाने की दिशा में नए सुर जोडऩे होंगे। कमाल के ट्राइबल अनुभव हैं जिन्हें सहेज कर पेश किया जा सकता है। बेशक वर्तमान सरकार ने कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार का खाका सजा कर भविष्य देखा है, लेकिन उस भविष्य का पर्यटन आज से भिन्न होगा और होना चाहिए।

आई पी एल का कारवां फिर इस सीजन का ट्रैफिक धर्मशाला लाएगा और जहां धौलाधार और मौसम की निगाह से गुजरेगा सारा समां। इस बार पंजाब किंग्स की मेजबानी में दिल्ली, मुंबई और बंगलुरु की टीमें जब पिच पर होंगी तो मैदान की घास भी उम्मीदों की हरियाली की तरह स्वागत में बिछ जाएगी। यानी जो तमाशे मुंबई, दिल्ली या बंगलुरु जैसे महानगरों में होते हैं, वे हिमाचल के छोटे से शहर में विराजमान होंगे। क्या हम इस जुनून से पर्यटन की बेहतरी कर पाए। क्या हम खेल पर्यटन से अपनी किश्ती चला पाए। कई सालों से हिमाचल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों का मक्का बने धर्मशाला को इसकी ख्याति का ईनाम दे पाए। इस दौरान पर्यटन की योजनाएं बनीं, एशिया डिवलेपमेंट बैंक के सहयोग से कई परियोजनाएं सामने आईं, लेकिन किसी ने मुडक़र नहीं देखा कि क्रिकेट के कारवां को आगे कहां तक ले जाएं। आई पी एल के तीन मैचों का विश£षण करें या खेल प्रेमियों पर सर्वेक्षण करें, तो मालूम होगा कि यह सफर कितना आगे बढ़ सकता है। विडंबना यह है कि पर्यटन निगम की एक भी प्रॉपर्टी इस लिहाज से नहीं बनी कि सारा उत्साह, इनके प्रांगण तक पहुंच जाता। जो खेल पे्रमी आई पी एल की टिकट पर धर्मशाला आएंगे, वे अपना पूरा सप्ताह हिमाचल में कैसे गुजारें इस पर मंथन होना चाहिए।

कुछ | अलग

सबको मिली मीठी गोली

लो जी, सबको मीठी गोली मिल गई। अब कोई माई का लाल यह नहीं कह सकता कि बजट में उसके हाथ कुछ नहीं आया। सरकार के पल्ले जो कुछ था, सबको थोड़ा-थोड़ा बांट दिया। हालांकि कुछ को कड़वी गोली भी मिली, लेकिन मीठी गोली ज्यादा को मिली, इसलिए यहां ज्यादा वालों की बात की जाएगी क्योंकि लोकतंत्र संख्या बल से चलता है। अब बेरोजगारों को नौकरी मिलेगी। जब तक नियुक्ति पत्र नहीं आ जाता, तब तक मीठी गोली चूसने को दे दी गई है। जिनके मुंह में दांत नहीं बचे हैं, उन्हें बुढ़ापा पेंशन अब थोड़ी बढ़-चढ़कर मिलेगी जिससे वे नकली दांत लगवा कर मीठी गोली चूस सकते हैं। बजट में दूध वालों को भी गोली दी गई है। गोबर वालों को भी दी गई है। लाइन में लगे वालों को भी दी गई है और कुर्सी में बैठने वालों को भी दी गई है। यानी सरकार ने बजट में कमाल कर दिया है। अब ना सारा धन मीठी गोलियों के निर्माण और वितरण में खर्च कर दिया है। अब इस मीठी गोली का असर भी बड़ा अद्भुत है। इसे खाते ही आदमी को लगता है कि उसका भविष्य उज्ज्वल है, भले ही वर्तमान अंधेरे में टटोल रहा हो। यह गोली पेट नहीं भरती, पर उम्मीद का गुब्बारा जरूर फुला देती है। और उम्मीद भी ऐसी कि आदमी अगले बजट तक उसे संभालकर रखे, जैसे गांव की दादी पुराने संदूक में शादी का जोड़ा संभालकर रखती थी। किसानों को भी मीठी गोली दी गई है, ऐसी कि खेत में फसल चाहे सूख जाए, पर भाषणों में हरियाली लहलहाती रहे। व्यापारी को भी गोली मिली है, टैक्स की उलझनों के साथ राहत का सपना मुफ्त में। मध्यम वर्ग को तो खासतौर पर मीठी गोली की आदत पड़ चुकी है।

दृष्टि | कोण

अक्षय ऊर्जा ही भविष्य की ऊर्जा हो सकती है

वैश्विक स्तर पर मनुष्य के समक्ष आज सबसे बड़ी चुनौती यह है कि लगातार बढ़ते प्रदूषण की रोकथाम कैसे की जाए, जो प्रतिवर्ष लाखों लोगों की जानें लेने लगा है और लगातार घटते प्राकृतिक संसाधन, जिनके अभाव में तो सुखद मानव जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। गौर करें तो इन दोनों ही चुनौतियों अथवा समस्याओं का समाधान एक ही है- ऊर्जा के परम्परागत संसाधनों पर से निर्भरता को समाप्त करते हुए अक्षय ऊर्जा का अधिकाधिक उपयोग एवं कार्यान्वयन करना। अक्षय ऊर्जा यानी ऊर्जा का ऐसा स्रोत, जिसका कभी क्षय नहीं होता। अक्षय ऊर्जा का एक नाम स्वच्छ ऊर्जा भी है, जिसका तात्पर्य ऐसी ऊर्जा से है, जो वातावरण की स्वच्छता को न केवल यथावत बनाए रखने में सहयोगी हो, बल्कि आज की वैश्विक पर्यावरणीय चिंताओं से मुक्ति दिलाने में भी सहायक बने, ताकि 'जलवायु परिवर्तन' (ग्लोबल वार्मिंग) की विकराल होती समस्या से वैश्विक समाज को राहत मिल सके। आज के दौर में यदि किसी भी राष्ट्र को सर्वांगीण विकास करना है तो उसे प्रदूषण रहित अक्षय ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों का उपयोग करना ही पड़ेगा। दरअसल, पृथ्वी पर ऊर्जा के परम्परागत संसाधन यथा- कोयला, पेट्रोलियम और कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, लकड़ी, बायोमास इत्यादि सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं, जबकि सदियों से इनका अंधाधुंध दोहन जारी है। उदाहरण के लिए, भारत समेत विश्व भर के सारे देश बिजली जैसी ऊर्जा की बुनियादी एवं महत्वपूर्ण आवश्यकताओं को पूरे करने के लिए अपने-अपने सीमित परम्परागत संसाधनों पर निर्भर हैं। इसके अतिरिक्त, पर्यावरणीय चुनौतियों यथा- पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर समस्याएं भी आज के मानव समुदाय के समक्ष खड़ी हैं। ऐसे में, यदि ऊर्जा के इन परम्परागत संसाधनों का समुचित उपयोग नहीं किया गया और इनका इसी प्रकार लगातार दोहन किया जाता रहा तो ऐसी संभावना है कि निकट भविष्य में ऊर्जा के ये संसाधन समाप्त हो जाएंगे और दुनिया भर में ऊर्जा का गंभीर संकट उत्पन्न हो जाएगा। ऊर्जा के आसन्न संकट की भयावहता को समझते हुए आज के दूरदर्शी समाज ने विश्व भर में ऊर्जा के गैर

परम्परागत स्रोतों के अधिकाधिक उपयोग को बढ़ावा देने की जरूरत महसूस की, जिसके उपरांत वैश्विक स्तर पर मनुष्य ने ऊर्जा के अक्षय स्रोतों से ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति करने का प्रयास शुरू किया। वहीं, भारत में भी ऊर्जा के अक्षय स्रोतों के विकास और उनके उपयोग को लेकर जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सन 2004 से ही राष्ट्रीय स्तर पर प्रयास जारी हैं। अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए उचित समय पर समुचित पहल किए जाने और देशों एवं राज्यों की सरकारों द्वारा समझदारी से उसमें निवेश करने से होने वाले संभावित लाभों का पता लगाने के उद्देश्य से वर्ष 2025 के मध्य में वैश्विक स्तर पर कराए गए एक सर्वेक्षण की रिपोर्ट में अक्षय ऊर्जा के व्यापक उपयोग को सुनिश्चित करने के अनेक लाभ बताए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, यदि अक्षय ऊर्जा से जुड़े लक्ष्यों को समुचित ढंग से नीति बनाकर उसे निवेश के साथ जोड़ा जाए तो इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था को मजबूती तो मिलेगी ही, साथ ही, पर्यावरणीय चुनौतियों से भी बहुत हद तक मुक्ति मिलेगी। इतना ही नहीं, अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में नीतिगत निवेश को बढ़ावा देकर दुनिया भर के करोड़ों लोगों के जीवन में भी सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी), डेनवर यूनिवर्सिटी और ऑक्टोपस एनर्जी द्वारा संयुक्त रूप से तैयार की गयी उक्त रिपोर्ट के मुताबिक, गरीबी रेखा के नीचे जीवन व्यतीत करने वाले करोड़ों लोगों के जीवन स्तर में सुधार आ सकता है। बता दें कि, इससे जहां एक ओर, जहरीले और प्राणघातक गैसों के लगातार बढ़ते उत्सर्जन में कमी आएगी, वहीं, दूसरी ओर, इस बदलाव के कारण ऊर्जा क्षेत्र में 20.4 ट्रिलियन डॉलर तक की बचत होने की संभावना भी है।

गैस की किल्लत के चलते उपभोक्ताओं ने जींद-गोहाना रोड पर लगाया जाम

जींद (हिंस)। घरेलू गैस सिलेंडर किल्लत के चलते उपभोक्ताओं ने जींद-गोहाना मार्ग पर जाम लगा दिया। जाम लगाए उपभोक्ताओं का कहना था कि पर्ची कटने के बाद भी उन्हें सिलेंडर नही मिल रहे हैं। जाम लगने की सूचना पाकर सिविल लाइन थाना प्रभारी पूजा मौके पर पहुंची और उपभोक्ताओं को शांत करवा कर जाम खुलवाया। देवीलाल ग्राउंड में पारस गैस एजेंसी उपभोक्ताओं ने शनिवार को दूसरे दिन भी सिलेंडर न मिलने पर जींद-गोहाना मार्ग पर जाम लगा दिया। इस दौरान उपभोक्ताओं ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उपभोक्ताओं का कहना था कि गैस किल्लत जबरदस्त बनी हुई है। गैस सिलेंडर लेने के लिए उन्हें लगातार शहर के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। उनकी पहले पर्ची कटी हुई है। कभी गैस सिलेंडरों की स्पलाई नही आती तो कभी कम संख्या में गैस सिलेंडर आ रहे हैं। मजबूरी में उन्हें अलसुबह लाइन में लगना पड़ रहा है। सौ से ज्यादा उपभोक्ता सिलेंडर लेने आए हुए।

विपक्ष आपदा में राजनीति की बजाए सहयोग करें : सीएम नायब सिंह सैनी

कालाबाजारी पर और मुनाफाखोरी पर सख्ती, पेट्रोलियम संकट पर सरकार अलर्ट

चंडीगढ़ (हिंस)। खाड़ी देशों में युद्ध की स्थिति से बढ़ते पेट्रोलियम संकट के बीच नायब सरकार अलर्ट मोड में है। सरकार की ओर से कालाबाजारी और मुनाफाखोरी पर सख्ती बरतने के साथ संवदेनशील स्थानों पर पुलिस की गश्त बढ़ाई जा रही है। पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी घटाने को लेकर मुख्यमंत्री नायब सैनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए स्पष्ट किया कि द्वारा पेट्रोलियम उत्पादों पर एक्साइज ड्यूटी में की गई कटौती से आम जनता को महंगाई के दबाव से राहत मिली है और ईंधन के दाम स्थिर बने हुए हैं। शनिवार को हरियाणा निवास में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि आपदा के समय में विपक्ष को राजनीति की बजाय सहयोग करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक संकट के बीच राष्ट्र प्रथम के संकल्प पर प्रतिबद्धता जताते हुए एक्साइज ड्यूटी में कटौती करके देश में ईंधन की कीमतों को नियंत्रित रखने का दूरदर्शी नेतृत्व का प्रमाण दिया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में

कुल 4032 पेट्रोल पंप संचालित हैं, जहां प्रतिदिन औसतन 4804 किलोलीटर पेट्रोल और 12003 किलोलीटर डीजल की बिक्री हो रही है। रसोई गैस की स्थिति भी पूरी तरह संतुलित है, हर दिन करीब 2 लाख सिलेंडर प्राप्त हो रहे हैं, जिनमें से लगभग 1.90 लाख सिलेंडर वितरित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि शहरी क्षेत्रों में 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन तक का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि अस्पतालों, स्कूलों और अन्य आवश्यक संस्थानों में गैस की आपूर्ति को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। वर्तमान में 1.73 लाख कमर्शियल सिलेंडर का स्टॉक उपलब्ध है और केंद्र सरकार द्वारा 70 प्रतिशत आवंटन सुनिश्चित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कालाबाजारी और जमाखोरी करने वालों पर सख्ती बरती जा रही है। अब तक 928 वाहनों को जब्त किया जा चुका है और अफवाह फैलाने वालों पर भी कड़ी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने जनता से आह्वान किया कि घबराकर अतिरिक्त खरीदारी न करें और सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों से बचें। पीएनजी गैस के क्षेत्र में एक बड़ा निर्णय लेते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि पाइपलाइन बिछाने के लिए पहले 3 लाख प्रति किलोमीटर की दर से 10 वर्षों का अग्रिम शुल्क लिया जाता था, जिसे अब घटाकर मात्र 1000 प्रति किलोमीटर एकमुश्त कर दिया गया है। इससे प्रदेश में गैस इंफ्रास्ट्रक्चर को तेजी से विस्तार मिलेगा।

हिंदूवादी नेताओं पर हो रहे हमलों के विरोध में शिवसेना का प्रदर्शन

मुरादाबाद (हिंस)। शिवसेना एकनाथ शिंदे गुट ने हिंदूवादी नेताओं पर हो रहे हमलों व गौ तस्करी के खिलाफ शनिवार को कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन भेजा है। मंडल प्रमुख गुड्डू सैनी व जिला प्रमुख नन्हे चौधरी ने विस्तार से बताया कि पार्टी ने मांग की है कि धाय को राष्ट्र माता घोषित किया जाए और गौ हत्या को संगीन अपराध घोषित किया जाए। हिंदूवादी नेताओं को सुरक्षा प्रदान की जाए और मारे गए नेताओं के परिजनों को आर्थिक मदद दी जाए। उन्होंने कहा कि गौ तस्करी रोकने के लिए वेतनभोगी गौरक्षकों की टीम गठित की जाए। पार्टी ने कहा कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गई तो वे आम जनमानस को जन आंदोलन के जरिए इस मांग को व्यापक स्तर पर उठाने के लिए बाध्य होंगे। प्रदर्शन करने वालों मे राज्य सचिव रामप्रसाद प्रजापति, मंडल प्रमुख गुड्डू सैनी, जिला प्रमुख नन्हे चौधरी, बाबा कुशाल सिंह राज्य प्रचारक, जिला उप प्रमुख, इंद्रजीत सिंह, ओम प्रकाश सैनी, राजेश कुमार आदि मौजूद रहे।

भारतीय जनता पार्टी का इतिहास संघर्ष, सेवा और राष्ट्रहित के मूल्यों से प्रेरित : कृष्ण बेदी

जींद (हिंस)। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी का इतिहास संघर्ष, सेवा और राष्ट्रहित के मूल्यों से प्रेरित रहा है। पार्टी की मजबूती का आधार समर्पित कार्यकर्ता हैं। जो संगठन की विचारधारा को समाज के बीच लेकर जाते हैं। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी शनिवार को सफीदों स्थित गीता विद्या मंदिर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान में भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए मंडल स्तरीय प्रशिक्षण शिविरों को संबोधित कर रहे थे। कैबिनेट मंत्री एवं प्रदेश महामंत्री कृष्ण बेदी ने अपने संबोधन में कहा कि 370 मंडलों में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के अंतर्गत कार्यकर्ताओं को प्रभावी वक्ता बनाने का मौका मिल रहा है। एक समर्पित कार्यकर्ता को इसका फायदा उठाना चाहिए ताकि पार्टी की नींव और मजबूत हो सके। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर कार्यकर्ताओं को संगठन की नीतियों और सिद्धांतों की गहराई से समझ प्रदान करते हैं। इससे कार्यकर्ताओं में संगठन के प्रति निष्ठा और सेवा भाव और अधिक मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि पार्टी द्वारा देश वासियों के लिए अनेक कदम उठाए हैं। पार्टी के लिए देश सर्वप्रथम है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सक्रिय रूप से कार्य करें। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि सफीदों में यह मंडल प्रशिक्षण 24 घंटे का है। इसमें पार्टी की नीति, सोच, विचार जनता तक पहुंचाने की पूरी गमबीरता के साथ काम किया जा रहा है। इस मौके पर मुख्यमंत्री के मीडिया एडवाइजर अशोक छाबड़ा, जिला प्रभारी मदन गोयल, जिला अध्यक्ष तेजेंदर ढुल, प्रदेश संयोजक विजयपाल सिंह, चेयरमैन श्रवण गर्ग, मंडल अध्यक्ष गीता सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नेशनल प्रिंटिंग एक्सपो का आगाज
उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने तकनीकी नवाचारों को सराहा

जयपुर (हिंस)। जयपुर के जेईसीसी में आयोजित नेशनल प्रिंटिंग एक्सपो 2026 में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने भाग लेकर प्रिंटिंग और पैकेजिंग उद्योग की अत्याधुनिक तकनीकों और नवाचारों का अवलोकन किया। यह आयोजन प्रिंटर्स क्लब ऑफ इंडिया एवं राजस्थान ऑफसेट प्रिंटर्स एसोसिएशन द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री ने प्रिंटिंग उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों और उद्यमियों से संवाद कर उनके अनुभवों और सुझावों को जाना। उन्होंने कहा कि प्रिंटिंग उद्योग राज्य की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और आधुनिक तकनीकों को अपनाकर इसे और अधिक मजबूत बनाया जा सकता है। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने प्रदर्शनी में लगाए गए विभिन्न स्टॉल्स का दौरा किया और नवीनतम तकनीकी नवाचारों की जानकारी ली। उन्होंने स्टार्टअप और युवाओं को इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि राज्य सरकार उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए लगातार प्रयासरत है। इस एक्सपो के माध्यम से प्रदेश में तकनीकी उन्नयन को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित भी होंगे। कार्यक्रम में सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा, प्रिंटिंग क्लब के एमडी आदित्य सिंह, डायरेक्टर ललित कुमावत व नितिन मानदेव, प्रोफेशनल डायरेक्टर आरडी भटनागर, राजस्थान ऑफसेट प्रिंटिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय गुप्ता, महासचिव विकास अग्रवाल सहित देश भर से पधारे उद्यमी, प्रिंटिंग के क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ आदि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने पटना शहर स्थित विभिन्न निर्माणाधीन योजनाओं का किया निरीक्षण

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज पटना शहर स्थित विभिन्न निर्माणाधीन योजनाओं का निरीक्षण किया और तेजी से कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने डॉ. राजेन्द्र प्रसाद समाधि स्थल के पास निर्माण कराये जा रहे लोकनायक जय प्रकाश नारायण पार्क (बिहार गौरव पार्क) के निर्माण कार्य का स्थल निरीक्षण किया। पटना में बांस घाट के पास लोकनायक जय प्रकाश नारायण पार्क का निर्माण लोकनायक के सम्मान में किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के प्रथम राष्ट्रपति देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की समाधि स्थल के पास इस पार्क का निर्माण बेहतर ढंग से करायें। इस पार्क के निर्माण से इस क्षेत्र के लोगों को काफी फायदा होगा। इस थीम पार्क के एक तरफ देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जी का समाधि स्थल है, वहीं दूसरी ओर जेपी गंगा पथ अवस्थित है, यहां का दृश्य काफी मनोरम होगा। ज्ञातव्य है कि देश के प्रथम राष्ट्रपति देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की समाधि स्थल एवं जेपी गंगा पथ के बीच 10 एकड़ भूमि में (बिहार गौरव पार्क) का निर्माण कराया जा है। इस पार्क में बिहार के गौरवपूर्ण इतिहास एवं संस्कृति के विभिन्न अवयवों को प्रदर्शित किया जाएगा। थीम पार्क में बिहार की महान विभूतियों- आर्यभट्ट, चाणक्य, सम्राट अशोक, लोकनायक जयप्रकाश नारायण एवं दशरथ मांझी मांझी की प्रेरणादायक गाथाओं को उद्धृत किया जाएगा। पार्क में बिहार की स्थापत्य कला नालंदा, विक्रमशिला, धार्मिक स्तूप, मंदिरों एवं मकबरों को दर्शाया जाएगा। साथ ही पर्यटकों के खाने-पीने की व्यवस्था एवं खेल मैदान का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा देश के प्रथम राष्ट्रपति देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की याद में उनके वर्तमान स्मारक स्थल पर एक भव्य स्मृति परिसर का निर्माण भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बांस घाट स्थित नये मुक्ति धाम परिसर का निरीक्षण किया और वहां की सुविधाओं की

जानकारी ली। लगभग साढ़े चार एकड़ भूमि में बांसघाट शवदाह गृह का नवीनीकरण कार्य कराया गया है। यहां दाह संस्कार की सुविधाओं के साथ-साथ नागरिक तथा धार्मिक एवं सांस्कृतिक सुविधायें उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री ने बांस घाट स्थित पुराने शवदाह गृह परिसर का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि इसको भी और बेहतर ढंग से बनाएं। जो नया मुक्ति धाम बना है उसके साथ-साथ इस पुराने शवदाह गृह परिसर में भी सारी सुविधायें उपलब्ध कराएं। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने गांधी मैदान के निकट बनाये जा रहे पटना हाट के निर्माण कार्य का भी जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने सभ्यता द्वार से कलेक्ट्रेट घाट तक निर्माण कराये जा रहे सैरगाह का स्थल निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को मैप के माध्यम से बताया कि सभ्यता द्वार से कलेक्ट्रेट घाट तक सैरगाह की सुविधा होगी जिसमें यहां आनेवाले लोगों के लिये पैदल पथ, स्ट्रीट लाइट, सिटिंग एरिया, छतरीनुमा स्तंभ सहित अन्य सुविधायें उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन सभी योजनाओं को तेजी से पूर्ण करें, ताकि शहरवासियों को इसका लाभ मिल सके। सभ्यता द्वार बहुत अच्छा बना है। लोग यहां आते हैं और पर्यटकीय सुविधाओं का आनंद उठाने के साथ-साथ बिहार के गौरवशाली अतीत को भी जानते समझते हैं। सभ्यता द्वार से सैरगाह के जुड़ जाने से लोग इसका और अच्छे ढंग से आनंद उठा सकेंगे। निरीक्षण के दौरान जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. चन्द्रशेखर सिंह, पटना प्रमंडल के आयुक्त अनिमेष पराशर, जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम, पटना नगर निगम के आयुक्त यशपाल मीणा सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

राजस्थान में नई व्यवसायिक एलपीजी वितरण नीति लागू, चरणबद्ध तरीके से बहाल हुई गैस आपूर्ति

जयपुर (हिंस)। प्रदेश में व्यवसायिक गतिविधियों को फिर से गति देने की दिशा में राज्य सरकार ने अहम पहल करते हुए नई व्यवसायिक एलपीजी वितरण नीति लागू कर दी है। खाद्य मंत्री सुमित गोदारा ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियों, विशेषकर पश्चिम एशिया में हुए घटनाक्रमों के कारण कुछ समय के लिए व्यवसायिक एलपीजी आपूर्ति बाधित करनी पड़ी थी, ताकि घरेलू उपभोक्ताओं को रसोई गैस की कमी का सामना न करना पड़े। अब हालात में सुधार के साथ केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से इस आपूर्ति को चरणबद्ध तरीके से बहाल कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में व्यवसायिक एलपीजी आपूर्ति पहले की स्थिति के लगभग 70 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है और नई नीति के जरिए इसे पूरी तरह सामान्य करने का प्रयास किया जा रहा है। यह नीति न केवल आपूर्ति व्यवस्था को व्यवस्थित करेगी, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों की जरूरतों के अनुसार गैस का संतुलित वितरण भी सुनिश्चित करेगी। नई व्यवस्था के तहत गैस आवंटन को प्राथमिकता के आधार पर तय किया गया है। शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों को पूरी आपूर्ति दी जाएगी, ताकि आवश्यक सेवाओं पर कोई असर न पड़े। वहीं होटल, रेस्तरां और डेयरियों को आंशिक राहत देते हुए 60 प्रतिशत गैस उपलब्ध कराई जाएगी। औद्योगिक इकाइयों और अन्य व्यवसायिक उपभोक्ताओं के लिए भी सीमित लेकिन नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। धार्मिक आयोजनों, मंदिरों और विवाह समारोहों को भी निर्धारित अनुपात में गैस दी जाएगी, जिससे सामाजिक गतिविधियां प्रभावित न हों। नीति का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि अब गैस आवंटन उपभोक्ताओं की पूर्व खपत के आधार पर तय होगा। अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 तक की औसत खपत को आधार मानते हुए, पीएनजी और अन्य वैकल्पिक ईंधनों के उपयोग को ध्यान में रखकर आपूर्ति निर्धारित की जाएगी। इससे अनावश्यक खपत पर नियंत्रण के साथ संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव हो सकेगा। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पंजीकरण को अनिवार्य किया गया है। अब कोई भी व्यवसायिक उपभोक्ता बिना पंजीकरण के एलपीजी सिलेंडर प्राप्त नहीं कर सकेगा। जिन क्षेत्रों में पाइप्ड नेचुरल गैस उपलब्ध है, वहां उपभोक्ताओं को पीएनजी कनेक्शन लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि एलपीजी पर निर्भरता कम हो सके। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के शासन सचिव अम्बरीष कुमार ने बताया कि नई नीति में जिला स्तर पर भी लचीलापन रखा गया है। यदि किसी जिले में गैस की बचत होती है, तो कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार अतिरिक्त आवंटन का निर्णय ले सकेगी। नई व्यवसायिक एलपीजी वितरण नीति प्रदेश में प्रभावित उद्योगों, होटल व्यवसाय और अन्य सेवाओं को राहत देने के साथ-साथ आपूर्ति व्यवस्था को संतुलित और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक ठोस कदम मानी जा रही है। इससे आने वाले समय में आर्थिक गतिविधियों के सामान्य होने की उम्मीद भी मजबूत हुई है।

भाजपा की नीतियों पर गहलोत का हमला
दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टेडियम अधर में

जयपुर (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपनी सोशल मीडिया सीरीज *इंतजारशास्त्र* की छठी कड़ी में प्रदेश की भाजपा सरकार की नीतियों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार की खेलों के प्रति उदासीनता के कारण जयपुर में प्रस्तावित अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का प्रोजेक्ट ठप पड़ा है। गहलोत ने कहा कि भाजपा सरकार का रवैया न केवल स्वास्थ्य और विकास परियोजनाओं के प्रति लापरवाही भरा है, बल्कि खेल सुविधाओं के विस्तार में भी रुचि की कमी साफ नजर आती है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बीते सवा दो साल में राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की स्थिति भी खराब हुई है और अब तक नए अध्यक्ष का चुनाव तक नहीं हो सका। पूर्व मुख्यमंत्री ने बताया कि कांग्रेस सरकार के दौरान जयपुर के चौंप क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का क्रिकेट स्टेडियम बनाने की योजना तैयार की गई थी। पांच फरवरी 2022 को इसका शिलान्यास किया गया था। यह स्टेडियम दुनिया का तीसरा और देश का दूसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम बनने वाला था। गहलोत के अनुसार, प्रोजेक्ट के पहले चरण में 45 हजार दर्शकों की क्षमता निर्धारित की गई थी, जिसे दूसरे चरण में बढ़ाकर 75 हजार तक किया जाना था। योजना के मुताबिक, पहला चरण फरवरी 2024 तक पूरा होना था, लेकिन 36 महीने से अधिक समय बीत जाने के बावजूद निर्माण कार्य अधूरा है। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी प्रोजेक्ट अधर में लटका है और निकट भविष्य में इसके पूरा होने के कोई आसार नहीं दिख रहे। गहलोत ने चेतावनी दी कि देरी के कारण निर्माण लागत लगातार बढ़ रही है, जिसका सीधा बोझ आम जनता और खेल प्रेमियों पर पड़ेगा। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या भाजपा सरकार राजस्थान को खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़ते देखना नहीं चाहती। पूर्व मुख्यमंत्री ने सरकार से मांग की कि राजनीतिक द्वेष से ऊपर उठकर इस अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम परियोजना को प्राथमिकता दी जाए और खिलाड़ियों के सपनों को साकार करने के लिए इसे जल्द से जल्द पूरा किया जाए।

30 मार्च को मोतिहारी में होगा जॉब कैंप का आयोजन

पूर्वी चंपारण (हिंस)। जिला नियोजनालय के परिसर में 30 मार्च प्रात: 11 बजे एक दिवसीय जॉब कैंप सह कैरियर मार्गदर्शन कैम्प का आयोजन किया जाएगा। डीपीआरओ की इसकी जानकारी देते बताया कि इस जॉब कैम्प में सिंदूजा माइक्रो क्रेडिट प्राइवेट लिमिटेड योग्य अभ्यर्थियों का चयन टीसीओ (फील्ड ऑफिसर) पद के लिए करेगी। इन पदो के लिए योग्यता 12 वीं पास व उम्र पुरुष 18-32 वर्ष निर्धारित है। जॉब का कार्यस्थल बिहार के भिन्न जिलों में होगा और मानदेय 15311 सीटीसी निर्धारित किया गया है। साथ ही साथ अन्य सुविधाएं भी दी जाएगी, जैसे आवास, खाना इंसेंटिव, पीएफ, मेडिकल, ग्रैच्युटी इत्यादि इस जॉब कैंप मे कुल-100 रिक्त पदों पर भर्ती किया जाएगा। अभ्यर्थी अपने रिज्यूम बॉयोडाटा, मूल प्रमाणपत्रों, आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक पासबुक, फोटो के साथ जिला नियोजनालय के कैंपस में रोजगार कैम्प में प्रात: 11 उपस्थित हो सकते हैं।

बदलती दुनिया में एआई बना नई प्रतिस्पर्धा का केंद्र : प्रो. योगेश उपाध्याय

जौनपुर (हिंस)। यूपी के जौनपुर में स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में *भारतीय कॉरपोरेट कार्यप्रणाली में उभरते मुद्दे एवं चुनौतियां* विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ शनिवार को अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में हुआ। कार्यक्रम में देशभर से आए शिक्षाविदों, शोधार्थियों और उद्योग विशेषज्ञों ने भाग लेकर समकालीन विषयों पर विचार साझा किए। मुख्य अतिथि आईटीएम विश्वविद्यालय, ग्वालियर के कुलपति प्रो. योगेश उपाध्याय ने कहा कि आज दुनिया भारतीय प्रतिभा को सम्मान दे रही है, लेकिन कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते प्रभाव ने नई प्रतिस्पर्धा और चुनौतियों को जन्म दिया है। उन्होंने कहा कि पहले मशीनों ने मानव श्रम का स्थान लिया और अब बुद्धिमत्ता के स्तर पर भी प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है। यह बदलाव भविष्य में जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित करेगा। उन्होंने एआई के कारण रचनात्मकता में वृद्धि के साथ-साथ मौलिकता पर संभावित असर को लेकर भी चिंता जताई। अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि डिजिटल परिवर्तन के इस दौर में नवाचार, समन्वय और उत्तरदायी नेतृत्व की आवश्यकता पहले से अधिक बढ़ गई है। उन्होंने कॉरपोरेट क्षेत्र को आर्थिक विकास के साथ सामाजिक परिवर्तन का भी महत्वपूर्ण माध्यम

बताया और शिक्षा, उद्योग व नीति-निर्माताओं के बीच बेहतर संवाद पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि बीएचयू के प्रबंधन संस्थान के निदेशक प्रो. आशीष बाजपेई ने कहा कि भारतीय कॉरपोरेट सेक्टर प्रगति कर रहा है, लेकिन विश्वसनीयता में गिरावट चिंता का विषय है। उन्होंने नैतिकता और सकारात्मक नेतृत्व को मजबूत करने की जरूरत बताई। पूर्व डीन, अन्नामलाई विश्वविद्यालय चेन्नई के प्रो. एस रामनाथन ने कहा कि व्यवसाय का उद्देश्य केवल लाभ कमाना नहीं होना चाहिए, बल्कि वित्तीय प्रबंधन और सामाजिक जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। संगोष्ठी में आईआईआईटी प्रयागराज के प्रो. रंजीत सिंह ने एआई पर व्याख्यान देते हुए कहा कि यह स्वयं ज्ञानी नहीं, बल्कि मानव द्वारा दिए गए डेटा पर आधारित है। कार्यक्रम में विभिन्न तकनीकी सत्रों में शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। आयोजन का संचालन डॉ. आशुतोष के सिंह ने किया।

भारतीय संस्कृति में लोक कलाओं का बदलता स्वरुप विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित

भागलपुर (हिंस)। एसएम कॉलेज भागलपुर में भारतीय संस्कृति में लोक कलाओं का बदलता स्वरुप विषय पर आयोजित दो-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का उदघाटन शनिवार को तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति प्रो. बिमलेन्दु शेखर झा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि भागलपुर प्रमंडल के आयुक्त अवनीश कुमार सिंह थे। अपने अध्यक्षयीय संबोधन में कुलपति प्रो. बिमलेन्दु शेखर झा ने कहा भारतीय संस्कृति में लोक कलाएं (फोक आर्ट्स) हमेशा से समाज के जीवन, परंपराओं और मान्यताओं का जीवंत दर्पण रही हैं। हालांकि समय के साथ इनका स्वरूप लगातार बदलता रहा है। आज के दौर में यह बदलाव और भी तेजी से दिखाई देता है। भारतीय लोक कलाएं आज परंपरा और आधुनिकता के संगम पर खड़ी हैं। उनका स्वरूप बदल जरूर रहा है, लेकिन उनकी आत्मा अभी भी भारतीय संस्कृति से काफी गहराई के साथ जुड़ी हुई है। जरूरत है कि हम इन कलाओं को संरक्षित करते हुए उन्हें आधुनिक समय के साथ आगे बढ़ने का अवसर

दें। उन्होंने कहा की भारतीय लोक कला देश की समृद्ध परंपरा और समाज का जीवंत दस्तावेज है। यह हमारी सांस्कृतिक पहचान है। वीसी ने सेमिनार के विषय वस्तु की काफी सराहना की और आयोजकों को बधाई दिए। मुख्य अतिथि भागलपुर प्रमंडल के आयुक्त अवनीश कुमार सिंह ने कहा की सेमिनार का विषय काफी समसामयिक और रोचक है। लोक कलाओं को संरक्षित रखने के लिए इसे आम लोगों से जोड़ना होगा। जनता से जुड़ाव जरुरी है। भारत को आज जो विश्व गुरु बनाने का सपना है, उसमें नॉलेज का बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा की सेमिनार से निकले निष्कर्ष समाज के लिए काफी उपयोगी साबित होंगे। एसएम कॉलेज की प्राचार्या और सेमिनार की कन्वेनर प्रो. निशा झा ने सेमिनार का विषय प्रवेश कराया। उन्होंने पारंपरिक संगीत से सबों को अवगत कराया, साथ ही लोक संगीत का वर्गीकरण पेश की। इसके पूर्व कुलपति, आयुक्त सहित अन्य आगंतुक अतिथियों का सम्मान अंग वस्त्र भेंट कर किया गया। संगीत विभाग की छात्राओं ने कुलगीत और वेदगान की प्रस्तुति दी। पुष्प वर्षा से अतिथियों का स्वागत किया गया। धन्यवाद ज्ञापन सेमिनार की आयोजन सचिव ने किया। अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में यूएसए, श्रीलंका, मॉरीशस सहित भारत के कई राज्यों के विश्वविद्यालयों के विषय विशेषज्ञ और शिक्षाविद ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड में भाग ले रहे हैं। उदघाटन सत्र के दौरान सोविनयर का भी विमोचन किया गया। सेमिनार के पहले प्लेनरी बौद्धिक सत्र में नेपाल के त्रिभुवन यूनिवर्सिटी के हिन्दी विभाग की एचओडी डॉ. श्वेता दीप्ती ने भारतीय संस्कृति में लोक कला का महत्व विषय पर व्याख्यान दिया। वहीं संस्कार भारती जौनपुर से आयीं डॉ. ज्योति सिन्हा ने भोजपुरी के संदर्भ में भारतीय संस्कृति और लोक गीत, मगध विश्वविद्यालय के डॉ. नीरज कुमार ने भारतीय साहित्य में लोक संस्कृति सिक्किम यूनिवर्सिटी के डॉ. संतोष कुमार ने पूर्वोत्तर भारत में सुषिर वाद्य परम्परा और संस्कृति, प्रयागराज की मधुरानी शुक्ला ने भारतीय लिखा संस्कृति पर अपने विचार रखे। सेमिनार में सभी संकायों और विषयों के शिक्षक और शोधार्थी भाग ले रहे हैं।

पेट्रोल, डीजल की कीमतों को बढ़ने से रोकने सरकार ने घटाई एक्साइज ड्यूटी

अगले वित्त वर्ष में सरकार का राजस्व 1.3 लाख करोड़ रुपए हो सकता है कम

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को देखते हुए सरकार ने शनिवार को पेट्रोल और डीजल पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क में 10 रुपए प्रति लीटर की भारी कटौती की है। पेट्रोल, डीजल की कीमतों को बढ़ने से रोकने के लिए यह फैसला लिया गया है ताकि उपभोक्ताओं पर बोझ नहीं पड़े लेकिन इससे अगले वित्त वर्ष में सरकार का राजस्व करीब 1.3 लाख करोड़ रुपए कम हो सकता है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक पेट्रोल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क 13 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है और डीजल पर यह 10 रुपए प्रति लीटर से घटाकर शून्य कर दिया है। कटौती तुरंत लागू हो गई है। सरकार ने पिछले साल अप्रैल पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 2 रुपए प्रति लीटर बढ़ाया था। सरकार ने देसी बाजार में दोनों की पर्याप्त उपलब्धता तय करने के लिए डीजल और विमान ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर एक बार फिर शुल्क लगा दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीजल निर्यात पर 21.5 रुपए प्रति लीटर और एटीएफ निर्यात पर 29.5 रुपए प्रति लीटर का शुल्क लगाया है। पहले इनके निर्यात पर शुल्क नहीं था। अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 के बीच भारत से 1.4 करोड़ टन पेट्रोल और 2.36 करोड़ टन डीजल का निर्यात किया, जिसमें बड़ा हिस्सा रिलायंस इंडस्ट्रीज का रहा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि पश्चिम एशिया संकट को देखते हुए घरेलू खपत के लिए पेट्रोल और डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क में प्रति लीटर 10 रुपए की कमी की गई है। इससे उपभोक्ता कीमत में इजाफे से बच जाएंगे। सरकार के अधिकारियों का अनुमान है कि शुल्क में कटौती से अगले पंद्रह दिनों में करीब 7,000 करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान होगा, जिसके बाद स्थिति की समीक्षा की जाएगी। इससे संकेत मिलता है शुल्क में यह कटौती कुछ समय के लिए ही है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के चेयरमैन ने कहा कि सरकार हर पंद्रह दिनों में डीजल और एटीएफ पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क की समीक्षा करेगी। पेट्रोल की कीमतें रोजाना बदलने वाली मूल्य व्यवस्था से तय की जाती हैं, जो कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमत, विनिमय दर और करों के पिछले 15 दिन के औसत पर काम करती हैं। अंतिम उपभोक्ता मूल्य में आधार मूल्य, केंद्रीय उत्पाद शुल्क, डीलर कमीशन और राज्य-स्तरीय वैट शामिल होता है। उन्होंने कहा कि शुल्क कटौती से अगले 15 दिन में इंडियन आयल कारपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन जैसी तेल कंपनियों को करीब 1,500 करोड़ रुपए की अतिरिक्त आय होने की उम्मीद है।

न्यूज ब्रीफ

बाजार में पावरफुल और मजेदार टर्बो पेट्रोल एसयूवी के विकल्प मौजूद

नई दिल्ली। यदि आप कम बजट में दमदार एसयूवी खरीदने के बारे में सोच रहे हैं, तो बाजार में आपके पास कई विकल्प मौजूद हैं। इन गाड़ियों में टर्बो पेट्रोल इंजन मिलता है, जो कम इंजन क्षमता के बावजूद बेहतर पावर और स्मूद ड्राइविंग एक्सपीरियंस देता है। इस लिस्ट में टाटा मोटर्स, किआ, महिंद्रा एंड महिंद्रा के माडल के साथ-साथ नई रिनाल्ट डस्टर भी शामिल है, जो एक बार फिर चर्चा में है। आज के ग्राहक सिर्फ माइलेज पर नहीं, बल्कि परफार्मेंस और ड्राइविंग अनुभव पर भी ध्यान देते हैं। टर्बो पेट्रोल इंजन वाली एसयूवी शहर और हाईवे दोनों पर मजेदार और रेस्पान्सिव ड्राइव देती है। स्कोडा कियाक कम बजट में एक शानदार विकल्प है। यह एमक्यूबी एओ इन प्लेटफार्म पर तैयार की गई है और इसमें 1.0 लीटर टीएसआई टर्बो पेट्रोल इंजन है, जो 118एचपी पावर और 178एनएम टार्क देता है। ट्रांसमिशन के लिए 6-स्पीड मैन्युअल और 6-स्पीड आटोमैटिक आप्शन उपलब्ध है। सुरक्षा के लिहाज से भी यह मजबूत है और इसे भारत एनकैप में 5-स्टार रेटिंग मिली है। कीमत लगभग 7.59 लाख से 12.99 लाख रुपये के बीच है। किआ सोनेट फीचर्स और परफार्मेंस का बेहतरीन बैलेंस देती है। इसमें 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन है, जो 118एचपी और 172एनएम टार्क जनरेट करता है। आईएमटी और डीसीटी आटोमैटिक जैसे एडवांस ट्रांसमिशन विकल्प इसमें उपलब्ध हैं। आरामदायक सस्पेंशन और अलग-अलग वेरिएंट्स इसे 15 लाख रुपये से कम बजट में आकर्षक बनाते हैं। नई रिनाल्ट डस्टर भारतीय बाजार में एक बार फिर वापसी कर रही है। इसमें टर्बो पेट्रोल इंजन का विकल्प और नया डिजाइन मिलेगा, जो इसे मौजूदा सेगमेंट में मजबूत प्रतिस्पर्धी बनाएगा।

ईंधन बचाने वाली 5 पेट्रोल-हाइब्रिड कारें बाजार में उपलब्ध

नई दिल्ली। पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के बीच अब बाजार में पेट्रोल-हाइब्रिड कारें आ चुकी हैं, जो माइलेज के मामले में डीजल को भी टक्कर देती हैं। इनमें पेट्रोल इंजन के साथ स्मार्ट इलेक्ट्रिक मोटर होती है, जो ईंधन की बचत करती है। मारुति सुजुकी विक्टोरिस इस लिस्ट में सबसे आगे है। यह कार एक लीटर पेट्रोल में 28.6 किमी तक चलती है। 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर का काम्बिनेशन लंबी ट्रिप के लिए इको, नार्मल और पावर तीन ड्राइविंग मोड देता है। होंडा सिटी हाइब्रिड 1.5-लीटर इंजन और दो इलेक्ट्रिक मोटरों से 125बीएचपी पावर देती है और 26.5 किमी प्रति लीटर का माइलेज देती है। इसमें लेन वाच असिस्ट जैसे स्मार्ट फीचर्स सुरक्षा में मदद करते हैं। बड़ी फैमिली के लिए टोयोटा इनोवा हाइक्रास हाइब्रिड 23.24 किमी प्रति लीटर का माइलेज देता है। इसका 2.0-लीटर इंजन फैमिली और सामान के साथ भी हाईवे पर दमदार प्रदर्शन करता है। इसमें जेबीएल साउंड सिस्टम और बड़ी सनरूफ जैसी लग्जरी सुविधाएं दी गई हैं। टोयोटा कैमरी 2.5-लीटर इंजन के बावजूद 25.49 किमी प्रति लीटर का माइलेज देती है। इसका इंटीरियर लग्जरी और आरामदायक है, जिसमें सीटें रीक्लाइन करने योग्य हैं। वोल्वो एक्ससी90 अपनी सेफ्टी और रुतबे के लिए लोकप्रिय है। 2.0-लीटर इंजन और 48वी सिस्टम ईंधन बचाने में मदद करता है। इसमें लग्जरी लेदर सीट्स और बेहतरीन सेफ्टी फीचर्स लंबे सफर को सुरक्षित बनाते हैं। ये पांच पेट्रोल-हाइब्रिड कारें अब हाईवे ट्रिप के लिए बेहतरीन विकल्प बन गई हैं।

लंबी ट्रिप के लिए सुरक्षित और आरामदायक हैं ये 5 दमदार एसयूवी

नई दिल्ली। लंबी दूरी और अनजान रास्तों पर भरोसेमंद गाड़ी होना सबसे जरूरी होता है। होंडा एलीवेट अपनी मजबूत इंजीनियरिंग और भरोसेमंद 1.5-लीटर आई-वीटेक पेट्रोल इंजन के लिए जानी जाती है। इसकी केबिन आरामदायक और ड्राइव स्मूथ है, जिससे लंबी दूरी का सफर आसान हो जाता है। टोयोटा फार्च्यूनर फुल-साइज एसयूवी में 2.8-लीटर डीजल इंजन और 4×4 विकल्प है, जो दुर्गम रास्तों और कीचड़ वाले इलाके में भी बेहतरीन प्रदर्शन देती है। इसुजु एमयू-एक्स में 1.9-लीटर टर्बोचार्ज्ड डीजल इंजन है। इसकी मजबूती इसे कठिन रास्तों के लिए आदर्श बनाती है। 4गुणा 2 और 4गुणा4 विकल्प लंबी ट्रिप में सुरक्षा और नियंत्रण सुनिश्चित करते हैं। स्कोडा कोडियाक प्रीमियम एसयूवी है, जिसमें 2.0-लीटर टीएसआई टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन और एडब्ल्यूडी सिस्टम दिया गया है, जो पहाड़ों और फिसलन वाले रास्तों पर बेहतरीन ग्रिप देता है।

रुपया रिकार्ड गिरावट पर, विदेशी भंडार का पहरा आरबीआई संभालेगा

विदेशी दबाव और निवेशक आउटफ्लो के चलते आरबीआई का आर्थिक संतुलन चुनौतीपूर्ण

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) इस समय ऐतिहासिक चुनौती का सामना कर रहा है। ईरान और इजराइल के बीच युद्ध, वैश्विक तेल की बढ़ती कीमतें और विदेशी निवेशकों के अचानक अरबों डालर की निकासी ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ा दिया है। रुपये की गिरावट रिकार्ड स्तर तक पहुंच चुकी है, वहीं विदेशी मुद्रा भंडार को सुरक्षित रखना भी अनिवार्य हो गया है। आम आदमी की जेब, उद्योग और सरकार– सब इस अस्थिरता से सीधे प्रभावित हैं। आरबीआई के सामने दो विकल्प हैं: या तो रुपये को स्थिर रखें, जिससे घरेलू नकदी और ब्याज दरों पर असर पड़ेगा, या विदेशी मुद्रा भंडार की रक्षा करें, जिससे रुपये में गिरावट आ सकती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा परिस्थितियों में आरबीआई शायद रुपये की कुछ कमजोरी सहन करके विदेशी मुद्रा भंडार को प्राथमिकता देगा, ताकि लंबी अवधि में देश की आर्थिक स्थिरता सुरक्षित रह सके। ईरान और इजराइल के बीच युद्ध और वैश्विक तेल की बढ़ती कीमतों ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर अप्रत्याशित दबाव डाला है। विदेशी निवेशकों ने मार्च में 12.1 अरब डालर निकाल लिए, जो एक महीने में अब तक का सबसे बड़ा आउटफ्लो है। इस वजह से रुपये की गिरावट 74 के स्तर तक पहुंच गई, जबकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को विदेशी मुद्रा भंडार और रुपये की स्थिरता के बीच संतुलन बनाए रखना मुश्किल हो गया है। भारत के कुल विदेशी मुद्रा भंडार 13 मार्च तक 710 अरब डालर था, जिसमें मुख्य रूप से विदेशी मुद्राएं, सोना, विशेष निकासी सुविधा (एसडीआर) और आईएमएफ में विशेष ट्रेंच पोजिशन शामिल हैं। सोना लगभग कभी बेचा नहीं गया और एसडीआर या ट्रेंच पोजिशन की सीमा सीमित है। इसका मतलब यह है कि वास्तविक तौर पर आरबीआई के पास विदेशी मुद्राओं का मुख्य भंडार ही इस्तेमाल करने योग्य है।

आरबीआई के पास रुपये की गिरावट को रोकने के दो विकल्प हैं। पहला, हाजिर बाजार में विदेशी मुद्रा बेचकर रुपये को खरीदना, जिससे रुपये की कीमत स्थिर हो सकती है लेकिन घरेलू नकदी कम हो जाएगी और ब्याज दरों में वृद्धि का खतरा बढ़ेगा। दूसरा, फारवर्ड या फ्यूचर मार्केट में मुद्रा बेचना, जिससे रुपये की गिरावट रोकी जा सकती है और ब्याज दरों पर असर नहीं पड़ेगा। जनवरी से अब तक आरबीआई ने लगभग 68 अरब डालर फारवर्ड मार्केट में बेचे, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 500 अरब डालर तक घट गया। हालांकि रुपये की गिरावट आम आदमी और उद्योग दोनों पर असर डालती है, लेकिन वर्तमान वैश्विक अस्थिरता और उच्च आयात बिल के दबाव में आरबीआई के लिए विदेशी मुद्रा भंडार को बचाए रखना अहम हो गया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि रुपये की गिरावट अभी 97 तक जा सकती है। इसलिए, आरबीआई संभवत: रुपये की कुछ गिरावट सहन कर विदेशी मुद्रा भंडार को प्राथमिकता देगा। इस स्थिति में रुपये में गिरावट का सीधा असर आम आदमी की जेब पर दिखाई देगा। ईंधन, आयातित वस्तुएं और महंगाई बढ़ सकती है। वहीं यदि आरबीआई विदेशी मुद्रा भंडार की रक्षा में सफल रहता है, तो देश लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय भुगतान और आयात बिल की जरूरतों को पूरा कर सकेगा।

जेवर एयरपोर्ट से यमुना एक्सप्रेस-वे के आसपास जमीन के दाम बढ़ने की उम्मीद

नोएडा

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन से यमुना एक्सप्रेस-वे के आसपास जमीन के दाम बढ़ने के आसार हैं। बाजार विश्लेषकों और डेवलपरों का कहना है कि रिहायशी और औद्योगिक दोनों इकाइयों की कीमतों में इजाफा होगा जिसका असर नोएडा और ग्रेटर नोएडा के बाजारों पर भी पड़ेगा। रियल एस्टेट सलाहकार फर्म कालियर्स के आंकड़ों के मुताबिक यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में अगले दो सालों में भूखंड के दाम करीब 28 फीसदी और अपार्टमेंट की कीमतें करीब 22 फीसदी बढ़ने की उम्मीद है।

एसईजेड के कुछ सेक्टरों में दरें पहले ही करीब 8,000 रुपए प्रति वर्ग फुट पहुंची

जेवर भी इसी इलाके में स्थित है जहां नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन होना है। रिपोर्ट के मुताबिक जेवर हवाई अड्डे की घोषणा 2021 में की गई थी। उसके बाद से ही इस क्षेत्र के रियल एस्टेट में काफी हलचल रही है। पिछले पांच सालों में यीडा इलाके के अपार्टमेंट की कीमतें करीब तीन गुना बढ़ चुकी हैं। कीमतें 2020 में 3200 रुपए प्रति वर्ग फुट से बढ़कर 2025 में 9,600 रुपए प्रति वर्ग फुट दर्ज की गई। नैशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल (नरेडको) के अध्यक्ष ने कहा कि यमुना एक्सप्रेस-वे एसईजेड के कुछ सेक्टरों में दरें पहले ही करीब 8,000 रुपए प्रति वर्ग फुट तक पहुंच चुकी हैं। उन्होंने कहा कि यह काफी अहम है। खास तौर पर यह देखते हुए कि जेवर के प्रभाव वाले इलाकों जमीन के दाम पिछले पांच सालों में करीब 40 फीसदी बढ़ चुके हैं।

नए फोन रियलमी 16 5जी जल्द होगा लॉन्च

नई दिल्ली। चायनीज कंपनी रियलमली जल्द ही अपने नए फोन रियलमी 16 5जी को लान्च करने जा रही है, जिसमें भारत का पहला सेल्फी मिरर फीचर दिया गया है। इसे सेल्फी मिरर फोन के नाम से टीज किया गया है। अब यूजर पीछे वाले कैमरे से भी आसानी से शानदार सेल्फी ले सकेंगे। फोन के रियर कैमरा माड्यूल के साथ एक छोटा मिरर जुड़ा होगा, जिससे खुद को देखकर हाई क्वालिटी फोटो क्लिक की जा सकेगी। रियलमी 16 5जी का डिजाइन भी यूनिक और प्रीमियम बताया जा रहा है। पीछे की तरफ लंबा कैमरा बार दिया गया है, जो पिक्सल और आईफोन जैसी याद दिलाता है। कंपनी इसे एयर डिजाइन कह रही है, यानी फोन हल्का और पकड़ने में आरामदायक रहेगा। कलर चेंजिंग फिनिश इसे और स्टाइलिश बनाती है। फोन के कैमरा सेटअप पर खास फोकस है। इसमें 50एमपी का सोनी आईएमएक्स 852 मेन कैमरा और 2एमपी सेकेंडरी सेंसर दिए जाने की संभावना है। साथ ही 50एमपी का फ्रंट कैमरा भी मिलेगा। सेल्फी मिरर फीचर के साथ यह सेटअप यूजर्स को नया डिजिटल अनुभव देगा।

भारतीय घरों में रखे सोने का मूल्य 5 ट्रिलियन डालर के पार, वैल्यू जीडीपी से ज्यादा

गहने खरीदने में चीन को पीछे छोड़ भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बना

नई दिल्ली

सोने की कीमतों में आई रिकार्ड तोड़ तेजी के कारण भारतीय घरों में रखे सोने का कुल मूल्य अब 5 ट्रिलियन डालर यानी करीब 450 लाख करोड़ रुपए के पार हो गया है। भारतीय घरों में रखे सोने की वैल्यू अब भारत की जीडीपी का करीब 125फीसदी हो गई है। आईएमएफ के वर्ल्ड इकोनामिक आउटलुट के मुताबिक 2025-26 के लिए भारत की नामिनल जीडीपी 4.125 ट्रिलियन डालर रहने का अनुमान लगाया गया है। रिकार्ड कीमतों के कारण घरेलू सोना ही भारत की सबसे बड़ी संपत्ति बन गया है। इस वृद्धि के साथ भारत सोने के गहने खरीदने में चीन को पीछे छोड़ दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बन गया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी 2026 तक भारतीय परिवारों के पास मौजूद सोने का मूल्य अब बाम्बे स्टाक एक्सचेंज के कुल मार्केट कैप के करीब पहुंच गया है। जहां बीएसई का कुल बाजार पूंजीकरण 460 लाख करोड़ है, वहीं घरों में रखे सोने की कीमत 445 लाख करोड़ रुपए आंकी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अब यह सोना भारतीय परिवारों की गैर-रियल एस्टेट संपत्ति का करीब 65फीसदी हिस्सा बन चुका है। भारतीय अब बैंक या शेयर बाजार से ज्यादा सोने पर भरोसा कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक घरों में रखे सोने का मूल्य उनके कुल बैंक डिपाजिट और इक्विटी निवेश के संयुक्त मूल्य का करीब 175फीसदी है। पिछले पांच सालों में भारतीय घरों में रखे सोने की वैल्यू में जोरदार इजाफा हुआ है। मार्च 2019 में जिस सोने की वैल्यू 109 लाख करोड़ रुपए थी, वह जनवरी 2026 तक चार गुना से ज्यादा बढ़कर 445 लाख करोड़ रुपए हो गई है। यह रिपोर्ट भारतीय घरों में रखे सोने को अर्थव्यवस्था के लिए एक चुनौती के रूप में देखती है। विशेषज्ञों का कहना है कि हर साल भारी मात्रा में सोने की खरीद असल में वित्तीय बचत जैसे बैंक जमा को भौतिक संपत्तियों में बदलने जैसा है।

भारत के लिए ईरानी कच्चे तेल की आपूर्ति सीमित, चीन बन रहा प्राथमिक खरीदार

अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्थिति- ईरान के पास अंतरराष्ट्रीय बिक्री के लिए अतिरिक्त तेल उपलब्ध नहीं

नई दिल्ली

भारतीय रिफाइनरियों के लिए ईरानी कच्चा तेल अब उपलब्ध तो है, लेकिन मात्रा बेहद सीमित और समय-सीमा बहुत संकीर्ण है। वाशिंगटन द्वारा फ्लोटिंग स्टोरेज और ट्रांजिट में मौजूद ईरानी तेल की बिक्री के लिए हालिया छूट देने के बाद इसका रुख बदल गया है, और अधिकांश तेल चीन की ओर जा रहा है।

भारत मार्च और अप्रैल में डिलीवरी के लिए रूस से स्टोरेज में मौजूद 100 मिलियन बैरल तेल का 60 फीसदी पहले ही खरीद चुका है, जबकि ईरानी तेल के लिए भारत के हिस्से में 10 मिलियन बैरल से कम मिल सकते हैं। एक वरिष्ठ ट्रेडर ने बताया कि डिलीवरी के लिए केवलएक महीने की सीमित समय-सीमा (19 अप्रैल तक) ने भारतीय सरकारी रिफाइनरियों के लिए सप्लाई चेन प्रबंधन को चुनौतीपूर्ण बना दिया है। इस समय में विक्रेताओं की पहचान, उनकी विश्वसनीयता की जांच और शिपिंग व्यवस्था करना मुश्किल हो रहा है।

पहले ईरानी कच्चे तेल की बिक्री पूरी तरह नेशनल ईरानियन आयल कंपनी (एनआईओसी) के नियंत्रण में थी। लेकिन अब यह बिक्री मुख्य रूप से उन ट्रेडर्स के नियंत्रण में है, जो इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) से जुड़े हैं। ब्रिटेन स्थित एनर्जी इंटेलिजेंस की रिपोर्ट के अनुसार प्रतिबंधित तेल की आपूर्ति अब संदिग्ध हितों द्वारा की जा रही है, जिनके पास फ्रंट कंपनियों और किराये पर लिए गए जहाजों का नेटवर्क है। एक सीनियर रिफाइनिंग अधिकारी ने कहा कि इस नई व्यवस्था में तेल खरीदना और डिलीवरी सुनिश्चित करना भारतीय रिफाइनरियों के लिए और कठिन हो गया है। मुंबई स्थित ईरानी वाणिज्य दूतावास ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में ईरान के पास अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए अतिरिक्त तेल उपलब्ध नहीं है। अमेरिकी वित्त मंत्री की हालिया टिप्पणियां मुख्य रूप से खरीदारों को आश्वस्त करने और बाजार को स्थिर करने के उद्देश्य से प्रतीत होती हैं।

कई वर्षों से ईरानी तेल का खुले तौर पर व्यापार नहीं हुआ है, जिससे इसकी गुणवत्ता और सप्लाई को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। भारतीय रिफाइनर-सरकारी या निजी ईरानी तेल खरीदने के इच्छुक थे, खासकर तब जब अमेरिका ने 20 मार्च को स्टोरेज और ट्रांजिट में मौजूद तेल पर 30 दिन की छूट दी। लेकिन सीमित समय-सीमा, सप्लाई की कमी और आईआरजीसी से जुड़े नेटवर्क के कारण इस दिशा में आगे बढ़ना मुश्किल हो गया। इस स्थिति में भारत के लिए मुख्य तेल स्रोत अभी भी रूस और अन्य पारंपरिक आपूर्तिकर्ता हैं। ईरानी तेल संभावित स्रोत के रूप में मौजूद है, लेकिन मात्रा कम और जोखिम अधिक है।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 : पुरुष भारोत्तोलन 88 किग्रा वर्ग में अरुणाचल के रुबा ताड़ु बने चैंपियन

देवराकोंडा प्रेम सागर और सोरम हिटलर टाग्रू ने दिखाया दमखम, रायपुर में शानदार प्रतिस्पर्धा का रहा रोमांच

रायपुर

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 प्रतियोगिता में 88 किलोग्राम वर्ग पुरुष भारोत्तोलन में अरुणाचल प्रदेश के रुबा ताड़ु ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर कुल 274 किलोग्राम वजन उठाकर पहला स्थान हासिल किया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

रुबा ताड़ु ने स्नैच में 117 किग्रा तथा क्लीन एंड जर्क में 157 किग्रा वजन उठाकर शीर्ष स्थान सुनिश्चित किया। खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का दिल जीत लिया। प्रतियोगिता में देशभर के अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने भाग लिया और प्रतिस्पर्धा में कड़े मुकाबले देखने को मिले।

दूसरे स्थान पर आंध्र प्रदेश के देवरकोंडा प्रेम सागर रहे, जिन्होंने कुल 270 किलोग्राम वजन उठाकर रजत पदक जीता। वहीं अरुणाचल प्रदेश के ही सोरम हिटलर टाग्रू ने 262 किलोग्राम के साथ तीसरा स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक हासिल किया। प्रतियोगिता में ओडिशा के सनातन मलिक (249 किग्रा) चौथे स्थान पर रहे, जबकि असम के प्रीतम सोनोवाल (248 किग्रा) ने पांचवां स्थान प्राप्त किया। मध्यप्रदेश के पृथ्वीराज चौहान (226 किग्रा) छठे स्थान पर रहे। इसके अलावा त्रिपुरा के डेनियल जमातिया (192 किग्रा), गोवा के एलेस्टर गोम्स (152 किग्रा), तेलंगाना के सिद्दाबोइना नवीन (146 किग्रा) और छत्तीसगढ़ के छत्रपाल ठाकुर (130 किग्रा) ने भी प्रतियोगिता में भाग लेकर अपने-अपने प्रदर्शन से अनुभव हासिल किया। इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, जहां हर खिलाड़ी ने अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास किया। आयोजन ने न केवल खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच दिया, बल्कि देश के विभिन्न राज्यों के बीच खेल भावना और एकता को भी मजबूत किया। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के इस आयोजन से यह स्पष्ट होता है कि आदिवासी क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। सही मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर ये खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

आईपीएल 2026: बांग्लादेश ने प्रसारण पर से हटाया प्रतिबंध, टेलीकास्ट के लिए दिखाई सकारात्मकता

ढाका। बांग्लादेश सरकार ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के प्रसारण को लेकर बड़ा फैसला लिया है।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री जहीर उद्दीन स्वपन ने स्पष्ट किया कि यदि कोई चैनल आईपीएल का प्रसारण करना चाहता है, तो सरकार उसे सकारात्मक रूप से देखेगी। जनवरी में बांग्लादेश के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने इंडियन प्रीमियर लीग के प्रसारण पर प्रतिबंध लगा दिया था। यह फैसला बांग्लादेशी खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान को लीग से बाहर किए जाने के बाद लिया गया था। हालांकि, अब नए घटनाक्रम में मंत्री स्वपन ने पिछली सरकार के इस आदेश को वापस ले लिया है। उन्होंने कहा, हम खेल को राजनीति से नहीं जोड़ना चाहते। अगर कोई चैनल आईपीएल का प्रसारण करना चाहता है, तो हम इसे व्यावसायिक नजरिए से देखते हुए सकारात्मक निर्णय लेंगे। मंत्री ने स्पष्ट किया कि आईपीएल के आधिकारिक ब्राडकास्टर स्टार स्पोर्ट्स को भी टूर्नामेंट के प्रसारण की अनुमति होगी और केबल आपरेटरों पर भी कोई रोक नही है। उन्होंने कहा, हम किसी को प्रसारण से नहीं रोकेंगे। अगर स्टार स्पोर्ट्स या कोई स्थानीय चैनल आईपीएल दिखाना चाहता है, तो हम उसे सकारात्मक रूप से देखेंगे, लेकिन किसी पर कोई दबाव नहीं होगा। इस फैसले के बाद बांग्लादेश में आईपीएल 2026 के प्रसारण का रास्ता साफ हो गया है।

ब्रिटेन की पहली महिला ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता मैरी रैंड का 86 वर्ष की उम्र में निधन

नई दिल्ली। ब्रिटेन की दिग्गज एथलीट और ओलंपिक चैंपियन मैरी रैंड का 86 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह ओलंपिक इतिहास में एक ही खेलों में तीन पदक जीतने वाली पहली ब्रिटिश महिला थीं। मैरी रैंड ने टोक्यो ओलंपिक 1964 में शानदार प्रदर्शन करते हुए लंबी कूद में स्वर्ण, पेंटाथलान में रजत और 4×100 मीटर रिले में कांस्य पदक जीता था। उनका यह प्रदर्शन उन्हें उस दौर की सबसे प्रेरणादायक खिलाड़ियों में शामिल करता है। यूके एथलेटिक्स ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि रैंड अपने करियर की शुरुआत से ही एक ट्रेलब्लेजर (राह दिखाने वाली) थीं। मात्र 17 साल की उम्र में उन्होंने पेंटाथलान में अपना पहला ब्रिटिश रिकार्ड बनाया और कुछ ही समय बाद कार्डिफ में कामनवेल्थ गेम्स में लंबी कूद में रजत पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान बनाई। टोक्यो ओलंपिक में रैंड ने 6.76 मीटर की छलांग लगाकर विश्व रिकार्ड भी स्थापित किया था, जो उस समय एक ऐतिहासिक उपलब्धि मानी गई। यूके एथलेटिक्स के अनुसार रैंड के स्वर्ण पदक ने पूरी टीम को प्रेरित किया और उसी प्रेरणा से ब्रिटिश दल ने कुल 12 पदक जीते। उनकी साथी और 800 मीटर ओलंपिक चैंपियन एन पैकर ने भी कहा था कि मैरी की जीत ने पूरी टीम का आत्मविश्वास बढ़ा दिया था। मैरी रैंड का योगदान ब्रिटिश एथलेटिक्स में हमेशा याद किया जाएगा और वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनी रहेंगी।

टाइगर वुड्स डीयूआई मामले में गिरफ्तार, कुछ घंटों बाद जमानत पर रिहा

जुपिटर आइलैंड (फ्लोरिडा)। दिग्गज गोल्फर टाइगर वुड्स को ड्राइविंग अंडर द इन्फ्लुएंस (संदिग्ध हालत में

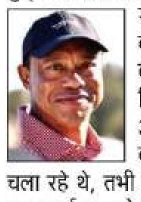

गाड़ी चलाना) के आरोप में शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया, हालांकि कुछ ही घंटों बाद उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। अधिकारियों के अनुसार वुड्स अपनी लैंड रोवर कार को रिहायशी इलाके में तेज गति से चला रहे थे, तभी उनकी गाड़ी एक ट्रक से टकराकर पलट गई। हादसे के बाद उनमें नशे या किसी तरह के प्रभाव के लक्षण दिखाई दिए। मार्टिन काउंटी के शेरिफ जान बुडेन्सीक ने बताया कि वुड्स ने ब्रेथएनालाइजर टेस्ट दिया, जिसमें शराब के सेवन के संकेत नहीं मिले। हालांकि उन्होंने यूरिन टेस्ट कराने से इनकार कर दिया, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। जांच में यह भी आशंका जताई गई है कि उन्होंने कोई दवा या अन्य पदार्थ लिया हो। फ्लोरिडा कानून के तहत वुड्स को जमानत से पहले कम से कम आठ घंटे जेल में रहना अनिवार्य था। इस दौरान उन्हें अन्य कैदियों से अलग रखा गया। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में वुड्स को कोई चोट नहीं आई। वहीं, उनके मैनेजर की ओर से इस मामले पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई। यह दूसरी बार है जब वुड्स को शराब के अलावा किसी अन्य कारण से डीयूआई के मामले में गिरफ्तार किया गया है।

आस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 103 रन से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई

सेंट किट्स

सेंट किट्स के बासेटेरे में शुक्रवार रात खेले गए पहले वनडे मुकाबले में आस्ट्रेलिया ने दमदार प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज को 103 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। नई कप्तान सोफी मोलिन्यूक्स के नेतृत्व में टीम ने शानदार जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए आस्ट्रेलिया ने 341 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया। टीम की शुरुआत मजबूत रही और ओपनिंग जोड़ी ने 75 रन जोड़े।

जार्जिया वोल ने 32 गेंदों में 42 रन बनाए, जबकि फोएबे लिचफील्ड ने 72 गेंदों पर 77 रनों की अहम पारी खेली। एलिस पेरी ने 46 गेंदों में 44 रन बनाकर टीम को मजबूती दी। मध्यक्रम में कप्तान सोफी मोलिन्यूक्स ने 47 रन बनाए और निकोला कैरी (49) के साथ 91 रनों की साझेदारी की। अंत में जार्जिया वेयरहैम ने 42 रन बनाकर टीम को 300 के पार पहुंचाया। वेस्टइंडीज की ओर से अफी फ्लेचर ने 3 विकेट लिए, लेकिन काफी महंगे साबित हुईं। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही और टीम ने जल्दी विकेट गंवा दिए, जिसमें कप्तान हेले मैथ्यूज का विकेट भी शामिल था। अनुभवी बल्लेबाज स्टेफनी टेलर ने शानदार नाबाद 105 रन बनाकर टीम को संभालने की कोशिश की, जो उनका 2021 के बाद पहला वनडे शतक था, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त समर्थन नहीं मिला। चिनेल हेनरी ने 38 रन बनाए। आस्ट्रेलिया की ओर से किम गर्थ ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट झटके, जबकि एश्ले गार्डनर ने भी अहम योगदान दिया। अंततः वेस्टइंडीज की टीम 238/8 तक ही पहुंच सकी और मुकाबला गंवा बैठी।

संक्षिप्त स्कोरः

- आस्ट्रेलिया – 341 आल आउट (फोएबे लिचफील्ड 77, अफी फ्लेचर 3/83)।
- वेस्टइंडीज – 238/8 (स्टेफनी टेलर 105*, किम गर्थ 3/37)
- आस्ट्रेलिया 103 रन से विजेता।

मियामी ओपन 2026 : यानिक सिनर ने ज्वेरेव को हराकर फाइनल में बनाई जगह, लेहेका से होगी भिड़ंत

मियामी। मियामी ओपन 2026 में दुनिया के नंबर-2 टेनिस खिलाड़ी इटली के यानिक सिनर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर फाइनल में जगह बना ली है। अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना चेक गणराज्य के जिरी लेहेका से होगा। 24 वर्षीय सिनर ने सेमीफाइनल में ज्वेरेव को 6-3, 7-6 (7/4) से हराया। यह ज्वेरेव के खिलाफ उनकी लगातार सातवीं जीत रही। इसके साथ ही सिनर ने मास्टर्स 1000 स्तर पर लगातार जीते गए सेट्स की संख्या 32 तक पहुंचा दी। विंबलडन चैंपियन सिनर इससे पहले इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में भी ज्वेरेव को हरा चुके हैं और अब वह तीन साल में अपना दूसरा मियामी ओपन खिताब जीतने के करीब हैं। वह 2017 में रोजर फेडरर के बाद सनशाइन डबल' (इंडियन वेल्स और मियामी दोनों खिताब) हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश में हैं। दूसरी ओर, 21वीं वरीयता प्राप्त लेहेका ने फ्रांस के आर्थर फिल्स को एकतरफा मुकाबले में 6-2, 6-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। लेहेका ने पूरे टूर्नामेंट में अब तक एक भी सेट नहीं गंवाया है और यह उनका पहला एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल होगा। हालांकि, लेहेका का रिकार्ड सिनर के खिलाफ अच्छा नहीं रहा है। दोनों के बीच अब तक खेले गए तीनों मुकाबलों में सिनर ने जीत दर्ज की है और लेहेका एक भी सेट नहीं जीत सके हैं। महिला वर्ग में दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका भी सनशाइन डबल' पूरा करने की कोशिश में हैं। वह फाइनल में अमेरिका की कोको गाफ के खिलाफ अपने खिताब का बचाव करेंगी। लेहेका ने मैच के बाद कहा कि वह इस प्रदर्शन से बेहद खुश हैं और पूरे सीजन की मेहनत का नतीजा अब देखने को मिल रहा है।

आईपीएल 2026: चोट के कारण शुरुआती दो हफ्तों से बाहर रहेंगे महेंद्र सिंह धोनी, सीएसके को बड़ा झटका

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से पहले महेंद्र सिंह धोनी की चोट ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को बड़ा झटका दिया है। फ्रेंचाइजी द्वारा शनिवार को जारी बयान के अनुसार, धोनी टूर्नामेंट के पहले दो हफ्तों में नहीं खेल पाएंगे।

टीम ने अपने आधिकारिक बयान में बताया कि धोनी इस समय काफ स्ट्रेन (पिंडली की मांसपेशियों में खिंचाव) से उबर रहे हैं और रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजर रहे हैं, जिसके चलते वह शुरुआती मुकाबलों से बाहर रहेंगे।

धोनी आईपीएल इतिहास के सबसे सफल कप्तानों में से एक हैं और उनकी कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स ने पांच बार खिताब जीता है। उनके अनुभव की कमी टीम को शुरुआती मैचों में खल सकती है।

पिछले सीजन में धोनी ने 13 पारियों में 196 रन बनाए थे, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 135.17 रहा। उन्होंने सीजन में 12 चौके और 12 छक्के लगाए थे, जबकि डेथ ओवर्स में उनका स्ट्राइक रेट 151.72 रहा था।

सीएसके की मुश्किलें यहीं खत्म नहीं होतीं। टीम के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज मैथ्यू शार्ट भी अंगूठे में फ्रैक्चर के कारण शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे। वहीं तेज गेंदबाज नाथन एलिस हैमस्ट्रिंग इंजरी के चलते पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं।

ऐसे में आईपीएल 2026 की शुरुआत से पहले ही चेन्नई सुपर किंग्स को कई बड़े झटके लगे हैं, जिससे टीम की रणनीति पर असर पड़ सकता है।

फार्मुला वन

जापान में फार्मुला वन जापानी ग्रांपी से पहले दूसरे अभ्यास सत्र को देखते हुए लोग।

नवनीत कौर ने प्लेयर आफ द ईयर अवार्ड मिलने पर जताई खुशी, टीम को किया समर्पित

नई दिल्ली

भारतीय महिला हाकी टीम की स्टार फारवर्ड नवनीत कौर ने हाकी इंडिया आठवें वार्षिक अवार्ड्स 2025 में प्लेयर आफ द ईयर (महिला) का प्रतिष्ठित सम्मान मिलने पर खुशी जाहिर की। उन्हें यह सम्मान हाकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर अवार्ड के तहत प्रदान किया गया।

नवनीत कौर के लिए बीता साल बेहद शानदार रहा, जहां उन्होंने भारतीय टीम के लिए लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया। हैदराबाद में आयोजित एफआईएच हाकी महिला विश्व कप क्वालीफायर में उन्होंने अहम भूमिका निभाते हुए भारत को रजत पदक दिलाने में योगदान दिया। इस टूर्नामेंट में उन्होंने चार गोल किए और प्लेयर आफ द टूर्नामेंट भी चुनी गईं।

इसके अलावा महिला एशिया कप 2025 में भी नवनीत का प्रदर्शन दमदार रहा, जहां भारत ने रजत पदक जीता। इस प्रतियोगिता में उन्होंने छह गोल दागे। इसी दौरान उन्होंने अपने करियर का एक बड़ा मुकाम हासिल करते हुए 200 अंतरराष्ट्रीय मैच भी पूरे किए।

पुरस्कार मिलने के बाद नवनीत कौर ने कहा, इस सम्मान को पाकर मैं बेहद गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। यह उपलब्धि मेरी टीम के साथियों के सहयोग और विश्वास के बिना संभव नहीं थी। मैं हाकी इंडिया का भी धन्यवाद करना चाहती हूं, जो हर साल इस तरह का मंच उपलब्ध कराता है, जिससे खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलती है।

आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स को लेकर उन्होंने कहा, आने वाला समय काफी व्यस्त रहने वाला है। नेशंस कप, वर्ल्ड कप और एशियन गेम्स जैसे बड़े टूर्नामेंट हमारे सामने हैं। हमारा कैंप जल्द शुरू होगा और हम अपनी कमजोरियों पर काम कर टीम के प्रदर्शन को और बेहतर बनाने पर ध्यान देंगे।

अपने व्यक्तिगत लक्ष्य को लेकर नवनीत ने कहा, मैं अपने खेल में लगातार सुधार करना चाहती हूं। अभी तक के प्रदर्शन से संतुष्ट हूं, लेकिन आगे और बेहतर करने की गुंजाइश है। बड़े टूर्नामेंट चार साल में एक बार आते हैं, इसलिए मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए पूरी तरह तैयार हूं।

आगामी बड़े टूर्नामेंट्स को देखते हुए नवनीत कौर पूरी तरह फोकस्ड हैं और भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता दिलाने के लिए प्रतिबद्ध नजर आ रही हैं।

नसीम शाह को मरियम नवाज पर टिप्पणी करना भारी पड़ा पीसीबी ने नोटिस दिया

लाहौर

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के तेज गेंदबाज नसीम शाह को अपनी एक पोस्ट भारी पड़ गयी है। इसमें नसीम ने पीएसएल के उद्घाटन मैच में पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज को लेकर आपत्ति जनक टिप्पणी की थी। उन्हें इसी कारण केन्द्रीय और मीडिया नियमों के उल्लंघन के आरोप में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। यह मामला पाकिस्तान सुपर लीग 2026 सत्र के उद्घाटन को है। इस पोस्ट में नसीम ने मरियम के कार्यक्रम में किए गए व्यवहार की आलोचना की थी। पीसीबी ने कहा है कि इस तेज गेंदबाज के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। बोर्ड ने हालांकि ये नहीं बताया है कि किस अनुबंध की शर्त का उल्लंघन हुआ है, लेकिन यह जरूर कहा कि नसीम के जवाब की बाद में समीक्षा होगी। यह विवाद नसीम शाह के एक्स अकाउंट से पीएसएल के उद्घाटन मैच के दौरान किए गए एक पोस्ट से शुरू हुआ। इस पोस्ट में मरियम के स्टेडियम पहुंचने का वीडियो था और लिखा था, इन्हें लार्ड्स में रानी जैसा क्यों ट्रीट किया जा रहा है विवाद होने पर ये यह पोस्टडिलीट कर दी गई और बाद में कहा गया कि नसीम का अकाउंट हैक हो गया था। इस सफाई के बावजूद मामला शांत नहीं हुआ।. यह घटना और भी चर्चा में आ गई क्योंकि उद्घाटन समारोह में कई बड़े नेता मौजूद थे, जबकि पहले ही बाहरी कारणों से आम जनता की उपस्थिति सीमित करने का फैसला लिया गया था।

.दूसरी ओर पीसीबी का कहना है कि तेज गेंदबाज की इस हरकत से उनके अनुबंध और मीडिया पालिसी का उल्लंघन हुआ है।. इसमें अधिकारियों, संस्थाओं या हितधारकों के खिलाफ सार्वजनिक आलोचना या अनुचित टिप्पणी करने पर रोक है। बोर्ड ने पिछले कुछ समय में खिलाड़ियों के आचरण, खासकर सार्वजनिक बयानों और राजनीतिक टिप्पणियों को लेकर सख्त रुख अपनाया है। अब यह मामला नसीम के जवाब के आधार पर आगे बढ़ेगा, जिसके बाद ही कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई तय की जाएगी। नसीम उनके अगले मैच में पेशावर जाल्मी के खिलाफ खेलते दिखेंगे।

वनडे क्रिकेट की पहली हैट्रिक : जलालुद्दीन ने रचा था इतिहास

नई दिल्ली। साल 1971 में एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की शुरुआत हुई थी और तब से इस फार्मेट में कई बदलाव देखने को मिले हैं। समय के साथ बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में नए-नए कीर्तिमान बने, लेकिन कुछ रिकार्ड ऐसे होते हैं जो हमेशा इतिहास के पन्नों में दर्ज रहते हैं। ऐसा ही एक खास रिकार्ड है हैट्रिक लेने का, जो किसी भी गेंदबाज के लिए बेहद बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। क्रिकेट में जब कोई गेंदबाज लगातार तीन गेंदों पर तीन विकेट हासिल करता है, तो उसे हैट्रिक कहा जाता है। यह न सिर्फ मैच का रुख बदलने वाला पल होता है, बल्कि गेंदबाज के करियर का भी एक यादगार क्षण बन जाता है। वनडे क्रिकेट में पहली हैट्रिक का रिकार्ड जलालुद्दीन के नाम दर्ज है। पाकिस्तान के इस तेज गेंदबाज ने साल 1982 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की थी। उस मुकाबले में जलालुद्दीन ने लगातार तीन गेंदों पर राड मार्श, ब्रूस यार्डली और ज्योफ लासन को आउट कर सनसनी मचा दी थी। उनकी इस शानदार गेंदबाजी की बदौलत पाकिस्तान ने वह मैच 59 रन से जीत लिया था। जलालुद्दीन की यह हैट्रिक वनडे क्रिकेट के इतिहास में मील का पत्थर साबित हुई। इसके बाद से अब तक इस फार्मेट में कई गेंदबाजों ने हैट्रिक लेने का कारनामा किया है। आंकड़ों के अनुसार, पिछले चार दशकों में वनडे क्रिकेट में 50 से ज्यादा बार हैट्रिक देखने को मिल चुकी है, लेकिन पहली हैट्रिक का गौरव हमेशा जलालुद्दीन के नाम ही रहेगा। हालांकि, इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल करने के बावजूद जलालुद्दीन का अंतरराष्ट्रीय करियर बहुत लंबा नहीं रहा। उन्होंने पाकिस्तान के लिए टेस्ट और वनडे मिलाकर कुल 14 मैच खेले, जिनमें 25 विकेट अपने नाम किए। वहीं, फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनका प्रदर्शन बेहतर रहा, जहां उन्होंने 70 मैचों में 261 विकेट लिए।

डिंपल भी कुछ कहता है...

मुस्कराते या हंसते समय गालों में गड्ढे यानी डिंपल पड़ते हैं उन्हें ब्यूटी स्पॉट के तौर पर देखा जाता है। वैसे तो ये गड्ढे लड़के और लड़कियों के समान रूप से पड़ते हैं लेकिन लड़कियों के बारे में शास्त्रों और पुराणों के हैरान करने वाले मत हैं। विष्णु पुराण में बताया गया है हंसते वक्त जिन कन्याओं की गालों में गड्ढे पड़ते हैं वे सुखी वैवाहिक जीवन व्यतित करती हैं। पति-पत्नी के संबंधों में लव, केयर और रोमांस हमेशा बना रहता है लेकिन ससुराल से संबंधित एक मामले में डिंपल अशुभ माना जाता है। पुराणों में वर्णित है गालों में गड्ढे पड़ने वाली लड़की की सास स्वर्गवासी होती है और अगर हो भी तो सास-बहू का साथ अधिक दिनों तक नहीं रहता। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार शुक्र अर्थात वीनस को स्त्री, विवाह सुख, आभूषण, भौतिक सुख सुविधाओं का कारक ग्रह माना जाता है। ज्योतिष में शुक्र ग्रह से लव रिलेशनशिप, परफ्यूम, इत्र, अच्छे कपड़े, सुन्दरता, सजावट, नृत्य, संगीत, गाना बजाना, विलासिता, कलात्मक गुण, आदि गुण देखे जाते हैं। लाइफ पार्टनर से सुख कुंडली में शुक्र की स्थिति पर निर्भर करता है। शुक्र का शुभ प्रभाव व्यक्ति को रोमांटिक बनाता है। ज्योतिषशास्त्री कहते हैं कि जन्म से ही गालों में गड्ढे होने से शुक्र मजबूत स्थिति में होता है।

किस दिन कैसे मोजे पहनें...?

शास्त्रों में शनि को सबसे असाधारण ग्रह कहा गया है। जो समय आने पर व्यक्ति को रंक से राजा और राजा से रंक बना देता है। कई ज्योतिषविदों और दर्शन शास्त्रीयों ने शनि को क्रूर, पापी निर्दयी ग्रह कहकर संबोधित किया है लेकिन शिव भक्त शनिदेव भगवान शंकर द्वारा निहित जगत के न्यायाधीश हैं जो व्यक्ति को उसके कर्म अनुसार फल देते हैं। शास्त्रों में शनि की कृपा प्राप्त करने के लिए कुछ सरल और आसान उपाय बताएं हैं। जिसके पीछे बहुत गहन अध्ययन और वैज्ञानिक कारण भी हैं। कुछ विशेष उपाय अपनाकर शनि कृपा पाई जा सकती है

- शनिवार को पांव में काले मोजे पहनने से शनि का प्रभाव सातवें भाव में आ जाता है।
- बुधवार के दिन नीले मोजे पहनने से शनि का प्रभाव भाग्य को प्रबल कर देता है।
- मंगलवार के दिन सफेद मोजे शनि के प्रभाव में तेजी लाते हैं और कारोबार में बढ़ोतरी होती है।
- रविवार को खाकी मोजे पहनने से व्यक्ति को अकस्मात अर्थिक लाभ मिलता है।
- सोमवार को लाल मोजे पहनने से शनि व्यक्ति को आत्मशांति प्रदान करते हैं।
- गुरुवार के दिन हरे मोजे पहनने से व्यक्ति चिंताओं से मुक्ति पाता है।
- शुक्रवार को ग्रे रंग के मोजे पहनने से व्यक्ति को दलाली के कामों में सफलता मिलती है।

अगर आप सच के साथ हैं तो आप हमेशा आराम में रहते हैं और अगर आप झूठ के साथ हैं तो आपको हरदम, रात-दिन मेहनत करनी पड़ती है। आपको अपना झूठ नींद में भी याद रखना पड़ता है। सपने में भी आप वही देखते हैं, क्योंकि अगर आपने इसे हर पल याद नहीं रखा तो वह मिट जाएगा और सच सामने आ जाएगा। जिन चीजों का कोई अस्तित्व ही नहीं है, उनसे लड़ना सबसे मुश्किल काम है। अगर यह किसी चीज का जाल होता तो आप उससे जूझकर उससे आगे निकल जाते, लेकिन यह झूठ का जाल तो ऐसी चीजों का बना है, जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं है।

ईमानदार होना मुश्किल क्यों...?

कई ऐसे सच होते हैं, जिनके दूसरों के सामने आने से हम डरते हैं। कभी-कभी तो खुद भी स्वीकार नहीं करते। ये राज भीतर ही भीतर हमें खाए जाते हैं। हम दोहरी जिंदगी जीते चले जाते हैं। बात छोटी हो या बड़ी, ये छोटे-बड़े झूठ हमें मुक्त नहीं होने देते, हमें डराते हैं, हमें कमजोर बनाए रखते हैं। बहुत से लोग हैं, जो दोहरी जिंदगी जीते हैं और बनावट की चादर ओढ़कर खुद में घुटते रहते हैं। एक कहावत आपने सुनी ही होगी- 'सच छिपता नहीं बनावट के उसूलों से, झूठ बिकता नहीं झूठी दलीलों से', यानी सच पर कितने ही पहरे बिठाए जाएं, वह एक न एक दिन बाहर आ ही जाता है। जीत हालांकि सच की ही होती है, लेकिन किस कीमत पर? किसी बात को अपने भीतर छिपाने की शर्म बीमारी, डिप्रेशन, चिंता, गुस्सा या किसी और दर्दनाक तरीके से अभिव्यक्त होती है। किसी भयानक राज को खुद तक सीमित रखना भी खुद को सजा देना जैसा है। अगर आप किसी और की जिंदगी जी रहे हैं, झूठ बोल रहे हैं, आधा सच ही बयां कर रहे हैं, तो यह जिंदगी को खुशमिजाजी और जिंदादिली से जीने में कहीं न कहीं जरूर रुकावट डालेगा। आखिर ईमानदार होना इतना मुश्किल कैसे हो जाता है, जबकि हम सभी सच की अहमियत से वाकिफ हैं। हम सभी बचपन से सच बोलने के आदर्श पाठ सुनते आए हैं, लेकिन फिर भी हम झूठ बोलते ही रहते हैं।

बड़ों की राह पर बच्चे भी

बच्चे मन के सच्चे होते हैं, हमें भले ही लगे कि हम उन्हें धोखा दे रहे हैं, लेकिन वास्तव में ऐसा होता नहीं है। वे हमारे झूठ पहचान लेते हैं और किसी मुश्किल में पड़ने पर वे भी इसी आसान राह पर चलने का प्रयास करते हैं। बच्चे निश्छल होते हैं, इसलिए झूठ बोलते समय सकुचाते भी हैं। पर बड़े माहिर हो जाते हैं। झूठ की बुनियाद पर बहुत से लोग बड़ी-बड़ी इमारतें खड़ी कर देते हैं और सच उनके डर व अहंकार के नीचे कहीं दब सा जाता है।

ऐसे मिलेगा सुकून

हम क्या हैं, यह साफगोई से बता देने में भी कई तरह की चुनौतियां खड़ी होती हैं। कड़वे सच न पचा पाने वाले अक्सर ऐसे लोगों को नकारते हैं, उनका विरोध करते हैं और कई बार उनकी जान के दुश्मन भी बन जाते हैं। लेकिन इन मुश्किलों के बावजूद सच छिपाना इंसान के लिए कहीं ज्यादा मुश्किल हो सकता है। कभी-कभी ऐसी स्थिति भी आती है कि झूठ का बोझ उठाकर लोग इतना उकता चुके होते हैं कि वे हर कीमत पर सच बयां कर देना चाहते हैं। ऐसी स्थिति में लगता है कि सिर्फ सच बयां करके ही सुकून मिलता है। पर आप सच के साथ खड़े हैं, भले ही इसके कारण आपको शर्मिंदगी महसूस हो, आपकी जिंदगी पूरी तरह बदल जाए या फिर आपको इसकी सजा मिले। ऐसा इसलिए, क्योंकि सच बोलने के साथ दिल का बोझ खत्म होने से आपका दुःख भी बहुत हद तक हल्का हो जाता है। आप तकलीफ सहने के लिए खुद को सक्षम बनाने लगते हैं।

कर लें खुद को तैयार

अगर आप महीनों से या सालों से किसी राज को खुद में दफन कर जी रहे हैं, तो आप सच को किस तरह स्वीकार करेंगे और उसे अपनी जिंदगी में पनाह देंगे? यह बहुत कुछ आपके राज या झूठ की गहराई पर निर्भर करता है। लंबे वक्त तक किसी झूठ को जीना जैसे कि किसी का सामान चुराना या किसी को धोखा देना जैसी चीजों को स्वीकार करने के लिए भी खुद को मानसिक रूप से तैयार करने की जरूरत होती है। झूठ चाहे छोटा हो या बड़ा, उससे अपनी शख्सियत को पूरी तरह मुक्त कर लेने पर ही आजादी और सुकून मिलता है।

जल्द स्वीकार करें

अगर आपने झूठ बोला है तो जल्द से जल्द उसे स्वीकार कर लें और उसके लिए माफी मांग लें। सच की बुनियाद आपके अंदर साहस पैदा कर आपको अंदर से मजबूत बना देगी। अगर आपको लगता है कि आपके सच बोल देने से किसी इंसान की जिंदगी बर्बाद हो सकती है तो आप किसी सलाहकार की मदद लें कि आपको सच बताना चाहिए अथवा नहीं। अगर हकीकत किसी को जिंदगी भर के लिए दर्द दे सकती है तो उसे उस व्यक्ति को जाहिर न करना ही उचित है, लेकिन स्वयं आपके लिए किसी सलाहकार से यह सच बांटना बेहद जरूरी है।

खुद को तलाशें

अगर आप किसी और की जिंदगी जी रहे हैं तो उचित यह होगा कि आप खुद को तलाशें और खुलकर अपनी असल शख्सियत दूसरों के सामने जाहिर करें। आप खुद से सवाल करें कि आपको क्या अच्छा लगता है और क्या अच्छा नहीं लगता, क्या सच लगता है और क्या झूठ, किस चीज से आपको खुशी और ऊर्जा मिलती है और किस चीज से आप दूर रहना चाहते हैं। इससे आपकी तमाम दुविधाएं दूर हो जाएंगी। यह भी सच है कि कृत्रिम, भौतिकवादी और अहंकार को तुष्ट करने वाले जीवन से कभी संतोष नहीं मिल सकता।

तो होंगे गंभीर परिणाम

अगर आप झूठ बोलकर किसी का फायदा उठा रहे हैं तो झूठ बोलने की तरह इसके परिणाम भी गंभीर हो सकते हैं और आपका आत्मसम्मान दांव पर लग सकता है। झूठ के दलदल में फंस जाने के बावजूद सच के उजाले को खुद तक पहुंचने दीजिए, यह किसी ठंडी छांव की तरह आपको तरावट दे जाएगा। जिंदगी में कभी ऐसे मौके भी आते हैं, जब झूठ का सहारा लेना जरूरी हो जाता है। अगर झूठ बोलने से किसी की जिंदगी बचाई जा सके, किसी को हताशा के अंधकार में डूबने से बचाया जा सके, नाउम्मीद हो चुके इंसान के अंदर जीने की ललक जगाई जा सके, तो ऐसा झूठ बोलना बुरा नहीं है।

मजबूत लोग

चोट अगर हाथ में लगी है तो घाव भी हाथ का ही साफ करना होगा, पैर का नहीं। गड़बड़ी यदि भीतर की है तो दुनिया को चुप कराने से क्या हासिल होगा। मान-अपमान जब अपने मन में है तो समाधान भी वहीं ढूंढ़ना होगा। - कई बार मजबूत बनना ही जिंदगी को आगे बढ़ाने का एकमात्र विकल्प होता है। हर दिन जीवन को साधने का संघर्ष करना ही पड़ता है। ऐसे में मजबूत अपने दर्द व आंसुओं को छुपाने वाले नहीं, उन्हें गले लगाने वाले होते हैं। जो दर्द महसूस करते हैं, उसे समझते हैं और उसे स्वीकार करते हुए आगे बढ़ते हैं। किसी ने कहा है कि अक्सर सुबह मजबूत दिख रहे लोग वे होते हैं, जिनकी रात रोते हुए बीती होती है।

घाटे के सौदे

कई लोग छोटी बातों पर शोर मचाने लगते हैं और बड़ी बातों पर चुप रह जाते हैं। छोटे से लाभ के फेर में अक्सर घाटे के सौदे कर लेते हैं। चंद जरूरतें, स्वार्थ और डर के पिंजरे में खुद को कैद रख हर रोज कई खुशियों की तिलांजलि दे रहे होते हैं। जर्मन मूल के अमेरिकी उपन्यासकार चार्ल्स ब्यूकोस्की कहते हैं कि बड़े अजीब हैं हम। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा होते रहते हैं।

झूठ के लिए करना पड़ती है मेहनत...

झूठ एक विशेष योग्यता है। अगर आपको झूठ का जाल बुनना है, तो आपको बहुत कुछ करना पड़ता है। सत्य वह है, जिसे कोई निपट मूर्ख भी कर सकता है, क्योंकि इसमें कुछ भी करने की जरूरत नहीं होती। सत्य को बनाए रखने की जरूरत नहीं होती, जबकि असत्य की काफी देखभाल करनी पड़ती है। इसके लिए आपके पास काबिलियत होनी ही चाहिए। असत्य की जड़ क्या है? कहां से वो सारी चीजें शुरू होती हैं, जो सत्य नहीं है? दरअसल, जब सूक्ष्म व अभौतिक, भौतिक के संपर्क में आता है तब असत्य शुरू होता है। सूक्ष्म- जो भौतिक नहीं है, कुछ समय तक भौतिक के संपर्क मे रहने के बाद यह मानने लगता है कि यह भौतिक ही है। इस दुनिया में रहने वाला कोई भी आध्यात्मिक इंसान कुछ समय के बाद यह सोचने लगता है कि वह एक सांसारिक प्राणी है, जो आध्यात्मिक होने की कोशिश कर रहा है। सच तो यह है कि आप आध्यात्मिक होने की कोशिश नहीं कर रहे हैं, बल्कि आप आध्यात्मिक ही हैं। समय के साथ-साथ आपने सांसारिक वस्तुओं को इकट्ठा कर लिया और अब आपको लगता है कि आप सांसारिक हैं। यह एक झूठ है। आप आध्यात्मिक ही हैं। आप कुछ और नहीं हो सकते।

पहचान बना लेना

अगर कुल मिलाकर देखें तो समस्या पहचान बनाने की है। आप किसी चीज के साथ अपनी पहचान बना लेते हैं और दिमाग का स्वभाव कुछ ऐसा है कि इसे आप जो भी पहचान देंगे, यह भरोसा करने लगता है कि यह वही है। अगर आप खुद को मोर मान लेंगे तो आप उसी की तरह व्यवहार करने लगेंगे। आपका दिमाग आपको यह भरोसा दिला देगा कि आप वही हैं। एक बार अगर पहचान बन गई तो असुरक्षा की भावना आ जाएगी, क्योंकि झूठ की हमेशा रक्षा करनी पड़ती है और उसका पोषण भी करना पड़ता है। अगर आप किसी से झूठ बोलते हैं तो आपको हर पल उस झूठ को याद रखना पड़ता है, क्योंकि अगर आपसे किसी ने अचानक कुछ पूछ लिया तो आप कहीं कुछ और न बता बैठें।

याद रखना पड़ता है झूठ

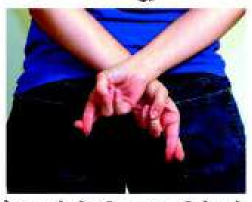

अगर आप सच के साथ हैं तो आप हमेशा आराम में रहते हैं और अगर आप झूठ के साथ हैं तो आपको हरदम, रात-दिन मेहनत करनी पड़ती है। आपको अपना झूठ नींद में भी याद रखना पड़ता है। सपने में भी आप वही देखते हैं, क्योंकि अगर आपने इसे हर पल याद नहीं रखा तो यह मिट जाएगा। जिन चीजों का कोई अस्तित्व ही नहीं है, उनसे लड़ना सबसे मुश्किल काम है। अगर यह किसी चीज का जाल होता तो आप उससे जूझकर उससे आगे निकल जाते, लेकिन यह जाल तो ऐसी चीजों का बना है, जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं है।

जितना जूझेंगे उतना उलझेंगे

झूठ से आप कैसे जूझेंगे? आप इससे जितना उलझेंगे, यह असत्य उतना ही वास्तविक होता जाएगा। जैसे ही आप अपनी पहचान बना लेते हैं, आपका दिमाग उसके इर्द-गिर्द काम करने लगता है और असत्य का एक जाल बुन लेता है, ऐसी चीजों का जाल जिनका सच्चाई से कोई वास्ता नहीं, बल्कि यों कहें कि जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं। जिन चीजों का कोई अस्तित्व ही नहीं है, उनसे लड़ना सबसे मुश्किल काम है। आप इससे जितना उलझेंगे, यह असत्य उतना ही वास्तविक होता जाएगा। अगर कल सुबह आप कहें क्या आपने लाल मोर देखा? देखा आपने लाल मोर? आप इस बात को बार-बार कहिए और फिर देखिए लोग लाल मोर देखना शुरू कर देंगे। दिमाग का स्वभाव ही ऐसा है कि आप इससे कुछ भी मनवा सकते हैं। यह दिमाग की खूबसूरती भी है और यही इसका खतरा भी। यह खुद अपनी एक दुनिया रच लेता है। अगर यह काम सचेतन होकर किया जाए तो यह दुनिया बड़ी खूबसूरत होगी और अगर आप इसके जाल में फंस गए तो यह बहुत भद्दी होगी।

पानी के चौकाने वाले तथ्य...

पानी के बारे में एक नहीं, कई चौंकाने वाले तथ्य हैं। विश्व में और विशेष रुप से भारत में पानी किस प्रकार नष्ट होता है इस विषय में जो तथ्य सामने आए हैं उस पर जागरूकता से ध्यान देकर हम पानी के अपव्यय को रोक सकते हैं। अनेक तथ्य ऐसे हैं जो हमें आने वाले खतरे से तो सावधान करते ही हैं, दूसरों से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और पानी के महत्व व इसके अनजाने स्रोतों की जानकारी भी देते हैं। प्रकृति के खजाने से हम जितना पानी लेते हैं, उसे वापस भी हमें ही लौटाना है। हम स्वयं पानी का निर्माण नहीं कर सकते अतः प्राकृतिक संसाधनों को दूषित न होने दें और पानी को व्यर्थ न गंवाएं यह प्रण लेना आज के दिन बहुत आवश्यक है।

पानी की बर्बादी

मुंबई में रोज वाहन धोने में ही 50 लाख लीटर पानी खर्च हो जाता है। दिल्ली, मुंबई और चेन्नई जैसे महानगरों में पाइप लाइनों के वॉल्व की खराबी के कारण रोज 17 से 44 प्रतिशत पानी बेकार बह जाता है।

कितना पानी काम का

हमारी पृथ्वी पर एक अरब 40 घन किलो लीटर पानी है। इसमें से 97.5 प्रतिशत पानी समुद्र में है, जो खारा है, शेष 1.5 प्रतिशत पानी बर्फ के रूप में ध्रुव प्रदेशों में है। इसमें से बचा एक प्रतिशत पानी नदी, सरोवर, कुओं, झरनों और झीलों में है जो पीने के लायक है। इस एक प्रतिशत पानी का 60 वां हिस्सा खेती और उद्योग कारखानों में खपत होता है। बाकी का 40 वां हिस्सा हम पीने, भोजन बनाने, नहाने, कपड़े धोने एवं साफ-सफाई में खर्च करते हैं।

भारत और इजराइल

इजराइल में औसतन मात्र 10 सेंटीमीटर वर्षा होती है, इस वर्षा से वह इतना अनाज पैदा कर लेता है कि वह उसका निर्यात कर सकता है। दूसरी ओर भारत में औसतन 50 सेंटीमीटर से भी अधिक वर्षा होने के बावजूद अनाज की कमी बनी रहती है।

पानी के लिए हत्याएं

पिछले 50 वर्षों में पानी के लिए 37 भीषण हत्याकांड हुए हैं। भारतीय नारी पीने के पानी के लिए रोज ही औसतन चार मील पैदल चलती है। पानीजन्य रोगों से विश्व में हर वर्ष 22 लाख लोगों की मौत हो जाती है।

कितना पानी खर्च

यदि ब्रश करते समय नल खुला रह गया है, तो पांच मिनट में करीब 25 से 30 लीटर पानी बर्बाद होता है। बाथ टब में नहाते समय 300 से 500 लीटर पानी खर्च होता है, जबकि सामान्य रूप से नहाने में 100 से 150 पानी लीटर खर्च होता है। विश्व में प्रति 10 व्यक्तियों में से 2 व्यक्तियों को पीने का शुद्ध पानी नहीं मिल पाता है।

नदियों में प्रदूषण

प्रति वर्ष 3 अरब लीटर बोतल पैक पानी मनुष्य द्वारा पीने के लिए प्रयुक्त किया जाता है। नदियां पानी का सबसे बड़ा स्रोत हैं। जहां एक ओर नदियों में बढ़ते प्रदूषण रोकने के लिए विशेषज्ञ उपाय खोज रहे है वहीं कारखानों से बहते हुए रसायन उन्हें भारी मात्रा में दूषित कर रहे हैं। ऐसी अवस्था में जब तक कानून में सख्ती नहीं बरती जाती, अधिक से अधिक लोगों को दूषित पानी पीने का समय आ सकता है।

कितना पानी चाहिए

पीने के लिए मानव को प्रतिदिन 3 लीटर और पशुओं को 50 लीटर पानी चाहिए। 1 लीटर गाय का दूध प्राप्त करने के लिए 800 लीटर पानी खर्च करना पड़ता है। एक किलो गेहूं उगाने के लिए 1 हजार लीटर और एक किलो चावल उगाने के लिए 4 हजार लीटर पानी की आवश्यकता होती है। इस प्रकार भारत में 83 प्रतिशत पानी खेती और सिंचाई के लिए उपयोग किया जाता है।

आलस्य से निपटना जरूरी...

आलस्य क्या है, असलियत में थकने से पहले थक जाना, कुछ नया करने से बचना, अनावश्यक रूप से धैर्यवान होना या फिर चीजों को टालते रहने की एक प्रवृत्ति। वैसे आलस कुछ और नहीं खुद से अनजान होना भी है और अगर आप अपने जरूरी काम आसानी से पूरे कर लेते हैं, तो आलस जिंदगी को सुकून से जीना और अपने हर काम को आनंद से करना भी है।

आलस दो तरह का होता है। पहला, आप पहले मेहनत करके अपना काम पूरा करते हैं और फिर कुछ समय बिना कुछ किए आलस में बिताना चाहते हैं। दूसरा, जहां जब कुछ करने के लिए कोई प्रेरणा ही नहीं होती। आप कुछ न कर पाने के कारण बेचैन तो रहते हैं, पर वह जोश नहीं होता जो काम तक ले जाए। आप जानते ही नहीं कि क्या करना चाहते हैं? इस हाल में लंबे समय तक हमारा कुछ न करना, कामों को टालना, रोजमर्रा के कामों को मजबूरी मानते हुए करना और कुछ नहीं धीरे-धीरे पल रही निराशा का संकेत है। इससे आप अपना समय कम मेहनत वाली और उबाऊ चीजों में बिताने लगते हैं। इस आलस्य से निपटना बेहद जरूरी है।

विशेषता, चुनाव या बहाना?

मनोविज्ञान के अनुसार, व्यक्तित्व केवल गुण और दोष से मिलकर नहीं बनता। हमारी जरूरत, काम, मकसद और मंजिल भी इससे जुड़े होते हैं। जो है, केवल वह नहीं, जो कर रहे हैं वह भी व्यक्तित्व है। ऐसे में यह सोचना होता है कि आलस, विशेषता है, चुनाव है या फिर बहाना। साइकोएनालिटिक साइकोथेरेपिस्ट कहते हैं कि आलस की जरूरत से ज्यादा आलोचना की जाती है। आलसी का ठप्पा लगा देने से इस बात को समझने में कतई मदद नहीं मिलती कि कोई व्यक्ति क्यों वह काम नहीं कर रहा, जो वह करना चाहता है या उसे करना चाहिए।

कई तरह के छिपे डर

साइकोथेरेपिस्ट आलस के पीछे कई तरह के छिपे डर भी बताते हैं। कुछ न करना, असफल व सफल होने का डर, दूसरों की अपेक्षाएं, असंतुष्टि, प्रेरणा की कमी व बहस बाजी से बचने की कोशिश में ओढ़ा गया लबादा भी होता है। इस तरह आलस को समस्या मानने की जगह उसे अन्य समस्याओं के लक्षण के तौर पर समझना चाहिए। यह इस ओर भी इशारा करता है कि आप सोचते हैं कि स्थितियों को बदला नहीं जा सकता।

वजह को ढूंढना जरूरी

यह सच है कि आलस की वजह को न ढूंढना और लंबे समय तक जरूरी कामों से बचते रहना करियर, रिश्तों और जिंदगी के रस को कम कर सकता है। एक समय के बाद लगातार काम करते रहने से बचना खुशी से ज्यादा दर्द देने लगता है। धीरे-धीरे बचे हुए कामों का ढेर आपको अपने बारे में, अपने कामों और रिश्तों बारे में खराब महसूस कराने लगता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)